



PUBLISHED BE AUTHORITE

सं 15]

नई विल्ली, शनिवार, अप्रैल 11, 1987 (चैत्र 21, 1909)

No. 15

NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 11, 1987 (CHAITRA 21, 1909)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या थी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग Ш-खण्ड 1

# [PART III—SECTION 1]

उच्छ न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा भ्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनां ह 5 मार्च 1987

सं० ए० 32014/1/87-(I) प्रशा०-I—राष्ट्रपति द्वारा, संघ लोक सेवा मायोग के निम्निलिखन वरिष्ठ वैयक्तिक सहायको (के० स० मा० से० का ग्रेड "ख") को उसी संवर्ग में, उनके प्रत्येक के नाम के सनक्ष दर्शाई गई श्रवधि के लिए श्रथवा श्रामामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, नदर्थ भाधार पर निजी सियच (के० स० ग्रा० मे० का ग्रेड (क) के रूप में नियुक्त किया जाना :—

ورجب مساعدته ويونينا فيهيد والمنابع ميسان والمساور	
ऋमां क्राम	श्र⊣धि
सर्वश्री	the state of the
1. तरसेम सिंह	2-3-1987 से
	31-5-1987 तक
2. के० एस० भूटानी	<del>-</del> वही
3. पी० पी० सिक्का	— <del>व</del> ही-—
<ol> <li>एम एम० एस० चादना</li> </ol>	वही
5. एम० एम० एन० दुमा	—- वही— —

2. उल्लिखित व्यक्ति हापया इस बाग पर ध्यान दें िक निजी सचिव (कें मिं झांट में का ग्रेड) के रूप में उनकी नियक्ति तदर्थ आधार पर है और कें में आहे से के ग्रेड "क" में नियम प्रथवा इस ग्रेड में विरिध्वता के लिए उनका कोई दावा नहीं होगा। साथ ही, उक्त ग्रेड में उनकी यह नियुक्ति पदोलित नहीं होगी क्यों कि 1-1-1986 से कें क पर आहे से के ग्रेड "क" और "ख" के वेतनमान ा 2000-3500 के के एड ही मंगोधित वेतनमान में विश्वय हो गया है।

D-(DN)--73

सं० ए० 32014/1/87-(ii) (प्रणा०-I—राष्ट्रपति द्वारा मं० लो० से० आ० के के० आ० से० के "संतर्ग के निम्निजियित वाक्ति ह सहायकों को (के० स० आ० से० के ग्रेड "ख" उसी संवर्ग में प्रत्ये ह के सामने किर्दिष्ट अवधि कें जिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हों तवर्ष आधार प्रविष्ट वैयक्ति ह सहायक के क्ष्म में नियुक्त किया जाता है :--

कमाक नाय		म्रद्धाः 	
सर्वश्री 1. श्री मर	ी सरोज कुमारी कपूर	2-3-8 <b>7</b> सें	
1		32-5-1987 तक	

1 2	3
2. लेखरा <b>ज</b> गुप्ता	2-3-87 से
3. के० के० गर्भ	31-5-87 तक
4. रामेण्वर वास	वही

2. जिल्लाखितं व्यक्ति यह नोट कर लें कि वरिष्ठ वैयक्तिक महायक (केलसंब्झाब्सेब्के ग्रेड "ख") के पद पर उनकी नियुक्ति तदर्थ आधार पर है भीर केल संब्झाब सेव्के ग्रेड "ख" में विलयन अथवा इस ग्रेड मैं विष्टता का उनका कोई भी दावा मान्य नहीं होगा।

> एम० पी० जैन भवर सचिव (का० प्रम०) संघ लोह सेवा भागोग

# कार्मिक ग्रीर प्रणिक्षण विभाग केन्द्रीय ग्रन्त्रेयण ब्यूरो

नई दिल्ली-110003, दिनांक मार्च 1987

सं० 3/2/87-प्रणा०-5—-निदेश हैं, केन्द्रीय प्रत्वेषण ब्यूरों एवं पुलिस महानिरीक्ष ह/विशेष पुलिस स्थापना एमद्द्रारा केरल पुलिस के प्रधिकारी श्री टी० जी० कृष्णन नायर, पुलिस उपाधीक्षक को दिनौंक 2 मार्च, 1987 पूर्वीह्म से श्रमले श्रादेश होने तक, प्रतिनियुक्ति पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, कोचीन में स्थानापन्न पुलिस उपाधीक्षक के रूप में नियुक्त फरते हैं।

धर्मपाल भल्ला प्रणानन घधिकारी (स्था०) केन्द्रीय धन्वेषण ब्यरो

# गृह मंत्रालय

महानिदेशालय, के० रि पु० अन

नई विल्ली-110003, दिनांक 5 मार्च 1987

सं० पी० सात-1/82-स्थापना-1 खण्ड-4---राष्ट्रपति निम्निलिखित निरीक्षकों को पदोन्नित पर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस जल में पुलिस उप अधीक्षक/कम्पनी कमांडर/ कवार्टर मास्टर के पदों पर तदर्थ/नियमित रूप से सहर्प नियुक्त करते हैं।

2. उक्त श्रधिकारियों ने श्रपने नामों के श्रागे दशार्यी गयी बटालियनों, निथियों से पद का कार्यभार संभाल लिया है।

क <b>्र ग्र</b> धिकारी का नाम	तदर्थं भ्राधार			स्थाई रूप	
सं ७	बटा०	चार्ज लेने की तिथि		 चार्जलेने तिथि	
1 2	3	4	5	6	
1় श्री रनजीत सिंह (श्राई० श्रार० एन० ए० 2263)	105 सहा०	6/11/84	७४ बटा०	28/10/85	
2. श्रीबो०एन० शर्मा (ग्राई० ग्राप्०एस०ए० 2328)	_	· ————	37बटा०	24/8/85 (अप०)	

#### दिनांक 20 मार्च 1987

सं श्रो० को० 1159/73-स्था-1—श्री एस० पी० एस० नागर, सहा० कमाडेन्ट, 83 बटा० के० रि० पु० बल की सेवाएं दिल्ली ट्रान्सपोर्ट का प्पोरेशन को प्रतिवृक्ति आधार पर दिनांक 6-3-1987 (श्रापराह्म) से सौंपी जाती है।

एम० <mark>म</mark>शीकराज ∶सह।यक निवेशक (स्थापना)

### केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा अल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 13 मार्च 1987

सं० ई० 16013(2)3/84-कार्मिक-I/23—प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति होने पर, श्री हरीण कुमार, भा०पु० से० (हरियाणा : 77) ने 6 मार्च, 1987 के पूर्वीह्न से सहायक महानिरीक्षक, केन्द्रीय सर्वेक्षण दल, के० श्री० सू० व० मुख्यालय, के पद का कार्यभार संभाल लिया ।

सं० ई-32015 (4)1/87-कार्मिक -1/24--राष्ट्रपति निम्नलिखिन निरीक्षकों (कार्यपालक) को प्रोप्तित पर, प्रत्येक्ष के नाम के भ्रागे दिखाई गई तारीख से 18 अगस्त, 1987 तक, या इस समय तक नियमित नियुक्ति होने तक जो भी पहले हो, के० श्रो० सृ० ब० में तदर्थ श्राधार पर भ्रस्थाई रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं :---

क <i>०</i> सं०	श्रिधिकारी का नाम	सहायक कमॉडेंट (तदर्थ) के रूप में कार्यभार संभालने की तारीख	केम्रोसुत्र यूनिट/कार्यालय जहां कार्यभार संभाला है
<b></b>			·

#### सर्वश्री

1. बी० के० भवाल	23-1-87 (भ्रपराह्न)	एन० एफ़ सी०, हैदराबाद
2. जी०पी०गांधी	29-1-87 (पूर्वाह्न)	बी० एच० ई० एल, हरिद्वार
3. एच० सी० पाठक	10-2-87 (पूर्वाह्न)	ए० टी० पी० पी०, <b>श्रन</b> पारा
4. एस० शम्भूनन्दन	10-2-87 (पूर्वाह्न)	बी० एस० एल०, बोकारो
<ul><li>रघुबीर सिंह</li></ul>	1 6- 2- 87 (पूर्वा <b>स्त</b> )	प्रशि० रिजर्व, द० क्षेत्र, मद्रास
6. बी० बी० सि <sub>र्</sub>	1 8- 2- 87 (पूर्वाह्स)	भ्रार० एस० पी०   राउरकेला
7. <b>डी</b> ० बी० घोहान	23-2-87 (पूर्वाह्न)	बी०सी०सी०एन० झरिया

सं० ई-32015(4)/1/87-कार्मिक-1/25 राष्ट्रपति, श्री पी० एस० नायर की प्रोन्नित, पर, 16 फरवरी, 1987 के पूर्वाल से के० ग्रां० सु० ब० यूनिट, टी० पी० टी०, ट्रय्टी-कोरिन में नियमित श्राधार पर सहायक कामाडेंट नियुक्त करते ह० भ्रगाठनीय हैं।

महानिदेश रु/के० भ्रौसुब

महालेखाकार लेखापरीक्षा का कार्यालय : श्रान्ध्र प्रदेश

# हैदराबाद-500 463, दिनांक 17 मार्च 1987

सं० प्रशा०/पदोन्नित/8 132/86-87/197--महालेखाकार (लेबा परीक्षा) घां० प्र० हैवराबाद ने सहर्ग नीचे लिखे सहायक लेखापरीक्षा मधिकारियों की स्थानापन्न 2375-75-3200-द० ग्र॰ 100-3500 लेखापरीक्षा ग्रधिकारियों के रूप में वेतनमान में उनके कार्यभार ग्रह अ करने की तारीख से प्रभावी श्रगले भादगों तक पदोन्नति दी जाती है। पदोन्नती के लिए दिये गये मादेश उनके वरिष्ठों के दावों पर बिना कोई प्रभाव डाले, यदि कोई हो, ग्रीर भान्ध्र प्रदेश उच्च न्यायालय/उच्चतम न्यायालय में लंबित रिट याचिकाग्रों के परिणामों के प्रधीन माने जाएंगे ।

जन्हें चाहिए कि वे भ्रपना विकल्प भारत सरकार का० -**क्षा**० सं० एफ/7/1/80-स्थापना पी० टी० 1, वि० 26-9-81

की शतों के अनुसार पदोन्नति की तारीख से एक महीने के अंवर वें।

नाम	पद ग्रहण की तारीख
(1) श्री बी० श्रोराम चन्द्र मूर्ति (2) श्री एम० सुज्जा रात्र II (3) श्री द्यार० नर्सिम्ह्न (4) श्री पी० दोरेस्वामी नायडू	12-3-87 श्रपराह्म 12-3 87 श्रपराह्म 13 3-1985 पूर्वी 13-3-87 पूर्वाह्म
	विजया मूर्ति विस्थ्ठि उप महालेखाकार

(प्रशासन) मान्ध्र प्रदेश हैवराबाद

महालेखाकार-(लेखा) का कार्यलय बिहार रांची-2, दिनांक 10 मार्च 1987

सं० प्रशा० पदोत्रति 2863-2864--प्रदालेखकार-(लेखा एवं (ह $\pi$ वारी)- ${
m I}$ , बिहार, रांची के द्वारा श्री धनपिन पाल, घनुभाग श्रधिकारी को सहर्य पदीक्षत कर महालेखाकार (लेखा) एवं हरूदारी-II, बिहार, पटना के कार्यालय में उनके लेखा मधिकारी के रूप में पदग्रहण करने की तिथि से ग्रगल भादश तक स्थानापन्न रूप से लेखा भिधकारी नियक्त किया गया । श्री धनपति पाल ने महालेखाकार-(ले० ,एवं ह०)-

बिहार, सटना के कायिलिय में लेखा श्रिधिकारी का पदभार 23/12/1986 (पूर्विद्ध) की ग्रहण किया।

हु० **ग्र**पठनीय उप-महालेखाकार (प्रशासन बिहार) राँची-2

कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथमए पश्चिम बंगांस कलकत्ता-700001 दितां रू 12-3-87 महालेबाकार (लेगावरीक्षा) प्रथम पण्चिम बंगाल ने श्रंग समीवेन्द्र नाथ मिश्रा सहायक लेगा परीक्षा अधिकारी की दिनांक 4-3-1987 के पूर्वीह्न से अध्याई और स्थानापन्न रूप से अगले आदेण तक कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम पश्चिम बंगाल और महालेखाकार (लेखा परीक्षा) द्वितीन पण्चिम बंगाल भीर महालेखाकार (लेखा परीक्षा) द्वितीन पण्चिम

्र यह पदोन्नति माननीय प्रशासनिक ट्रिब्यूनल कलकत्ता में लम्बित रिट याचिका के अन्तिम निर्णय के अधीन है।

नये पदोन्नत लेखा परीक्षा श्रिधनारी को श्रनुच्छेद 2(ख) शर्त के श्रनुसार भारत सरकार गृह मंत्राक्ष्य के ज्ञापन दिनांक 26-9-81 से एक माह के भीतर श्रपना बेतन 22(क) (1) के श्रन्तर्गत पदोन्नति के तारीख के दिन से ग्रांर फिर उसके बाद मूल नियम 22(ग) के श्रन्तर्गत नीचे के पद पर श्रागामी बेतन वृद्धि के तारीख के दिन से या सीधे पदोन्नति के तारीख से निर्धारण के लिए विकल्प दे सकते हैं।

ं सनत कुमार मिश्र वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन) पश्चिम बंगाल

श्रम एवं पुनर्वास मंत्रालय

श्रम विभाग

(श्रम ब्यूरा)

''क्लैरोमोन्ट'', शिमला-171004 दिनांकः 3 अप्रैल 1987

सं. 5/1/87-सी.पी.आई.--फरवरी, 1987 में अधि-गिक श्रीमकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) जनवरी, 1987 के स्तर 688 से दो अंक घट कर 686 (छः सा छ्यासी) रहा । फरवरी, 1987 माह का सूचलांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 834 (आठ सा चैतीस) आता है ।

> विजय क्यार उप निद्यास श्रम ब्यूरो

इस्पात घार खान मंद्रालय इस्पात विभाग लोहा ग्रीर इस्पात नियंत्रण क**खर**ता-20, दिनांक 13 मार्च 1987

सं० ई०- ₹2(8)/82 (.)—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ई०५ - 2(8)/83 के कम में लोहा और इस्पात नियंद्रक ने तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से वरिष्ठ आगुिलपित के पद पर नियुक्त श्री के० के० गएन, सहाजक की नियकि की अवधि दिनांक 27-2-1987 के अपराह्म से और 6 माह के लिए बढ़ा दी है।

सना कुपार सिन्हा उप नोहा ग्रीर इस्पान नियंत्र ह

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनां रु 5 मार्च 1987

सं० 1695 बी/ए-19011 (1-डी० एन०)/86-19ए— राष्ट्रपति जी श्री देव नाथ को भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सबैक्षण में 700-40-900-दं रो० 40-1100-50-1200 कु के वे।नमान के न्यूनतम वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में श्रागामी श्रादेश होने तक 19-1-87 के श्रपराह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

> श्रमित कुमारी निदेशक (कार्मिक)

विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विज्ञाग नई दिल्ली-3, दिनांक 17 मार्च 1987.

सं० ई (1) 81530—भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित सहायक मौपम विज्ञानी सेवा निवृत्ति की ग्रायु प्राप्त कर 28-2-1987 को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये:--

क्रम नाम सं०	Т	जिस कार्यालय से निवृत्त हुए
1. श्रीश्रार०	पी० पोल	प्राद्वेशिक मीसम केन्द्र, बम्बई
2. श्रीडी०स 3 श्रीए० के	~	—वही प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकक्ता

ध्रर्जुन देव मौसम विज्ञानी (राजपन्नित स्थापना) को मौसम विज्ञान के महाचिदेशक

# नई दिल्ली 3, दिनांक 18 मार्च 1987

सं० ई० (1) 00813--श्री ग्रो०पी० ग्रग्रवाल मौसम विज्ञानी श्रेणी-1, भारत मौसम विज्ञान विज्ञान, दिनांक 28-2-87 (ग्रपराह्म) से नियम सी० सी० एस० (पेंशन) नियम 1972 के नियम 48 (ए) के प्रनार्गत स्वेच्छ्या सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

> एस० के० साहा निदेशक (स्थापना) कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

# श्राकाशवाणी महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 10 मार्च 1987

सं० 4 (53)/75-एस एक--श्री बी० श्रार० भागंथ, कार्यक्रम निष्पादक, श्राकाशवाणी (जो इस समय संगीत नाटक श्रकादमी में सहायक सचिव है) उन्होंने श्रकादमी में श्रपने स्थाई तौर पर समा-वेशन होने के परिणामस्यस्य 14 श्रगस्न, 1984 से सरकारी सेवा से त्याग-पत्न दे विया है।

> भ्राई० एत० भाटिया प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

# सूचना भीर प्रसारण मंत्र लय

फिल्म प्रभाग

बम्बर्ध-26, दिनांक 17 मार्च 1987

सं० ए-32014/4/84-आर० सी०—मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग द्वारा श्री एच० बी० णर्मा, स्थानापक्ष प्रधीक्षक, फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली को उसी कार्यालय में नियमित श्राधार पर दिनांक 1-1-1987 के पूर्वाह्मन से अभना श्रादेश होगे तक रुपये 2375-75-3200-द रो०—100-3500 के वेतनमान में सहायक प्रणासकीय प्रधिकारी के पद पर नियक्त किया जाता है।

बी० भार० पेसवानी सहायक प्रशासकीय श्रधिकारी इ.ते मुख्य निर्माता

# स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय नई दिल्ली, दिनाक 11 मार्च 1987

सं० ए० 12025/17/82-एन० एम० ई० पी०/पी० एच० (सी० डी० एल०) — राष्ट्रपति ने श्री टी० मं तरानारायणं की विकास करवरी, 1987 के पूर्वाह्म से अगले आदेशों के जारी होने तक सहायक निवेशक (रसायन) के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त कर दिया है।

श्रीमती जैस्सी फ़ासिस उप निदेशक, प्रशाशन (प्री० एच०)

# नई विल्ली, दिनांक 11 मार्च 19,87

सं० ए० 12025/2/83-प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महा-निदेशक ने श्री श्रालोक कुमार सन्याल को 2 मार्च, 1987 के पूर्वीह्म से धगले धादेशों के जारी हाने तक स्वास्थ्य सेवा . महानिदेशालय के केन्द्रीय डिजाइन ब्यूरो में सहायक धास्तुक के पद पर श्रस्थाई ग्राधार पर नियुक्त कर दिया है।

> प्रेम कुमार घई उप निदेशक प्रशासन, (रोकड़ एवं बजट)

केन्द्रीय भनुसंधान संस्थान (प्रशासन भ्रनुभाग)

कसौली, दिनां रू 12 मार्च 1987

सं० 25-18/69-प्रकासन—निदेशक, केन्द्रीय श्रन् संधान संस्थान, कसीली, श्री श्री ० पी० नैयानी की केन्द्रीय श्रनुसंधान संस्थान, कसौली, में दिनांक 21 फ़रवरी, 1987 पूर्वाह्म से तथा श्रगले श्रादेशों तक हिन्दी श्रधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

एस० एन० सक्सेना निदेशक

# परमाणु ऊर्जा विभाग नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना 20638 वुलन्दणहर, दिनांक मार्च 1987

कु० नं० प० वि० प०/प्रगा/7 (3)/87/एस/2069—परि-योजना निदेशक नरीरा परमाणु विद्युत परियोजना, नरीरा, राजस्थान परमाणु विद्युत केन्द्र के स्थायी वैज्ञानिक सहायक "बी" तथा स्थानापन्न वज्ञानिक अधिकारी अभियन्ता ग्रेड "एस बी०" श्री एम० एम० गुप्ता की नरीरा परमाणु विद्युत परियोजना में ६० 2000-60-2300-द रो०-75-3200-100-3500 के वेतनमान में स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी अभियन्ता ग्रेड एम० बी० के रूप में 5 जनवरी, 1987 के पूर्वाह्म से अग्रिम श्रावेशों तक के लिए नियुक्त करते हैं।

> समीर हुक्क् मुख्य प्रणासन द्यधिकारी

क्रय ग्रीर भंडार निवेशालय बम्बई-400 085, दिनांक 17 मार्च 1987

सं० कम नि/41/17/85-प्रधा०/10301--परमाणु ऊर्जा विभाग, कय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी भंडारी, श्री मीनाथेरील राघवन प्रकाश, को इसी निदेशालय में दिनांक 5-1-1987 (अपराह्म) से 27-2-1987 (अपराह्म) तक 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100 3500 रुपए के वेतनमान में सहायक भंडार अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्त सहायक भंडार अधिकारी, श्री पी० के० राधा-कृष्णन के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त अवधि के लिए छुट्टी प्रदान की है।

बी॰ जी॰ कुलकर्णी प्रशासन मधिकारी

# नाभिकीय ईधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500 762, विनां रु 6 मार्च 1987

संवनाव्हेंव स/का प्रव भव/0703/559—इस कार्यात्रय की अधिसूचना संव ना ईव स/का प्रव भव/0703/414 विव 12 फरवरी 1987 के कम में सहायक लेखाकार श्री नाव भरतन की स्थानापन्न सहायक लेखाधिकारी के रूप में कुठ 2000-60-2300-दव रोव-75-3200 के वेदनमान में तर्वर्थ माधार पर नियुक्ति को दिव 5-6-87 पर्यंत या आगामी आदेशों पर्यंत-इनमें से जो भी पूर्व घटित हो, आगे बढ़ाया जाता है।

गेता सिंह प्रबंधक, कार्मिक व प्रशासन

तारापुर परमाणु बिजलीघर ठाणे विनांक 7 मार्च 1987

सं० टी० ए० पी० एस०/1/5787-म्रार०—मुख्य मधीक्षक तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग, स्थाया प्रवरण कोटि लिपिक श्री के० वी० राष्ट्रवन को तारापुर परमाणु बिजलीघर में दिनांक 23/10/1986 (पूर्वाह्म) से म्रगले मादेणों तक के लिए तदर्थ माधार पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक मधिकारी के तौर पर नियुक्त करते हैं।

> ्रिएम० एल० मा**खू** प्रशासनिक मधिकारी-

#### म्रन्तरिक्ष विभाग

#### सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलौर-560 009, दिनांक 10 दिसम्बर 1986

सं० 6/39/84: स० ई० डी० (एव०)—मुख्य इंजी-नियरी प्रभाग, अन्तरिक्ष विभाग श्रीमती ऊषा कुरियन कोषी को मिविल इंजीनियरी प्रभाग, अन्तरिक्ष विभाग में इंजीनियर एस० बी० के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 30-6-1986 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

> के० ई० रविन्द्रनाथन प्रगासन प्रक्षिकारी-II

हत मुख्य इंजीनियर

बंगलीर-560 009, दिनाँक 19 दिसम्बर 1986

सं० 6/39/84: सी० ई० खी० (एच०)--मुख्य इंजी-नियर, सिविल इंजीनियरी प्रभाग, मन्तरिक्ष विभाग श्री खी० वेंकट शेषा साई को सिविल इंजीनियरी प्रभाग, ग्रंतरिक्ष विभाग में इंजीनियरी एस० बी० के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 26-5-1986 के पूर्वाह्म से ग्रागामी ग्रादेश तक नियुक्त करते हैं।

# दिलंक 7 फरवरी 1987

सं० 6/39/84: सी० ई० डी० (एच०)—मुख्य इंगोि (यर, मिविल इंजीनियरी प्रभाग, ग्रन्तरिक्ष विभाग श्री वी० मन्जूनाथ को सिविल इंजीनियरी प्रभाग, ग्रंतरिक्ष विभाग में इंजीि (यर एम० बी० के पद पर स्थानापन्न रूप में दि (कि 17-9-1986 के पूर्वाह्म से ग्रागामी ग्रादेश तक नियुक्त करते हैं।

इन्दिरा देवी प्रशा० श्रधि-1 इने मुख्य इंजीनियर

### इसरो: शार केन्द्र

# का० ग्रीर सा० ग्र० प्रभाग

# श्रीहरिकोटा विनांक 12 जनवरी 1987

सं० एंस० सी० एफं०/पी० जी० ए०/स्था ०~III 2.44—ितवेशक, शार केन्द्र एतद्द्वारा निम्न्त्लिखित धर्म- चारियों को पदोन्नति द्वारा, स्थानापन्न क्षमता के रूप में, वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० के पद पर वेतनमान रु० 2000—60—2300—द० रो०—75—3200—100—3500/- में, शार केन्द्र, श्रीहरिकोटा में विनांक 01—10-1986 से श्रीर श्राके श्रादेण जारी होने तक नियुक्त करते हैं।

ऋम सं०	े न <b>ाम</b>	पदनाम
सर्भो		
1. ए५०	विजय त	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०
2. सी०	एच० रविकुमार	वही
3. शशीव	होत शर्मी	— <del>-य</del> ही—-
4. पी०	राधाकुष्णा	वही
5. बी०	वी० षी० एस० एन०	प्रसाद राव — वही—
6. के०	श्रीराम <sub>्</sub> मूर्ती	—-वही— <u>-</u>
7. वी०	कुंबकर्णन्	— <mark>व</mark> ही—
8. जी०	चन्द्र शेखरन	वही
9. एम०	नागसत्य नारायणा	<del>-</del> वही

# दिनाँक 12, जनवरी 1987

सं० एस० वी० एफ०/पी० जी० ए०/स्थापना III/2.44—निवेशक, शार केन्द्र एतद्द्वारा निम्नितिखित कर्मचारियों को कज्ञानिवै इंजीनियर एस० बी० के पद पर, स्थानापन्न क्षमता के रूप में, शार केन्द्र, श्रीहरिकोटा में श्रंकित तारीखों से श्रौर श्रगले श्रादेश जारी होने, तक नियुक्त करते हैं ।

क्रम सं०	नाम सर्वे/श्री/कुमारी/श्रीमती				<b>५दनाम</b>	वेतनमान	नियुक्ति की तारीस्त्र
1	2				3	4	5
1.	के वेन्कियस्वामी	<del></del> -			वैज्ञा/इंजी० एस बी०	<b>হ</b> ৹ 650-30-740-35-	4-11-85
2.	ए बेंदिकोस	•			वही	810-द ० रो - 35-880-	26-12-85
3.	नामो नारायण <b>झा</b>				<b>व</b> ही	40-1000-व० रो०-40-	31-12-85
4.	के० पोंगीनन्				<b></b> -वही	1200/- (पूर्व संसोधित)	4-3-86
5.	एन० सुब्रमोनिया पिरूले				—वही <b>—</b> -	ह० 2000-60-2300-द०य(०	20-3-86
6.	जी० मोहन राव .			;	<b>व</b> ही	75-3200-100-3500	14-4-86
7.	उमेश कुमार .		•		<b>व</b> ही	(संशोधित वेतनमान)	24-4-86
8.	म्रार० मशिमोखर .	•		i	वही		14-7-86
9.	जी० नरहरि दत्ता .	•	•		<del>व</del> ही		22-9-86
10.	ई० शन्मुगा सुन्दरी	•		•	वही	*	3-10-86
11.	्एम० डी० पलनी		-	-	<del>-</del> वही		4-12-86
12.	म्रार० गेन्तिल कुमार				—वही <b>-</b> —		5-12-86
13.	ए० सैयद हमीद		•		— <u>व</u> ही——		23-12-86

पी० एस० नायर प्रधान कार्मिक भीर सामान्य प्रशासन इन्ते निवेशक

# केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय इलाहाबाद, दिनांक 5 मार्च 1987

पन्न सं० 11(3)103-स्था०/85--समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन भुरुक, इलाहाबाद ने निम्नलिखित निरीक्षक (सेले-क्शन ग्रेड) को वर्ष 1986 में उनके नाम के सामने दर्शाई गई तिथि से प्रधीक्षक ग्रुप "बी" के पद पर नियुक्त कियाहै : —

ऋमांक	श्रधिकारी का न	ाम		नियुक्ति	की तिथि
1	2				3
1. एस	सर्वश्री ग्रह्मक्षाण्डेय			2	4-8-86
_	बी० श्रीवास्तव के० चक्रवर्ती	Т			7-2-86 0-2-86
-	के० घोष				1-8-86
•	े पी० श्रीवास्तव हाँ-	τ			7-6-86
<i>6.</i> भ्रार	० एस० सिंह	(भ्रादेश	जारी :	_	7-5-86 तिथि से)
7. बी०	के० विपाठी				1-8-86

1 2		3
8. वीरेन्द्र नरायन		22-8-86
9. ए० डब्ल्यू० कैलेब		29-9-86
10. एस० पी० तिवारी		23-10-86
11. जगदीश द्विपाठी		18-10-86
12. के० के० पाण्डेय		28-11-86
13. <b>हरदेव</b> सिंह,	(कार्यभार	ग्रहण नहीं किया) <sup>ँ</sup>
पन्न सं० (3) II	103-स्था०/85-	समाहर्ता, केन्द्रीय

पन्न सं० (3) II 103-स्था०/85-समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, इलाहाबाद ने निम्नलिखित कार्यालय ग्रधीक्षक को वर्ष 1986 में उनके नाम के सामने दर्शाई गई तिथि से प्रशासन ग्रधिकारी/सहायक मुख्य लेखा ग्रधिकारी/लेखा परीक्षक पद पर नियुक्त किया है ---

ऋ० सं०	ग्रधिकारी का नाम	नियुवित की तिथि
1 2		3
सर्वश्री		
1. मोहम्मद ममान		31-1-86
2. हंस राज खान		10-2-86

1 2	3
3. म्रार० पी० राय	4-11-86
4. जें० पी० <sub>िं</sub> गम	2-12-86

दिनेश कक्कड़, उप समाहर्ता (का०/स्था०)

केन्दीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता का कार्यालच वस्बई बस्बई, दिनांक 17 मार्च, 1987 ज

सं० 11/3ई (ए) 3/87—बम्बई-1 केन्दीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय के निम्नलिखित समूह "ख" राजपित्रत ग्रिधिकारी/ग्रिधीक्षक भ्रपने नामों के श्रागे दर्शायी गई तारीख से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

<del>क</del> म सं०	नाम व पदनाम	सेवा निवृत्ति की तारीख-
1.	श्री जे० वी० गोकुलगांधी	27-1-1987 (पूर्वा०) मूल नियमावली नियम 56 के खण्ड जे (1) के ग्रधीन
2.	श्री के० एम० दौलतानी	31-1-1987 (ग्रप०) स्वेच्छया सेवा निवृत्त
3.	श्री ई० पी० वेणुगोपालन	1~2-1987 (पूर्वा०) स्वेच्छया सेवा निवृत्त
4	श्री एस० वी० पाटेकर	1-3-1987 (पूर्वी०) स्वेच्छया सेवा निवृत्त

श्ररविन्द भिन्हा, समाहर्ता केन्दीय उत्पाद मुल्क : बम्बई–1

# केन्द्रीय जल ग्रायोग

नई दिल्ली-110066, दिनांक 18 मार्च 1987 सं० ए० 19012/1183/86-स्था०-पांच--- प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल ग्रायोग, श्री वासुदेव सामन्ता, कनिष्ठ ग्रभियन्ता को ग्रितिंदकत सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में 2000-60-2300-वक्षता रोध-75-3200-100-3500/- रुपये के वेतनमान में 28-11-1986 की पूर्वाह्म से एक वर्ष की ग्रवधि के लिये ग्रथवा पद के नियमित ग्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हों, पूर्ण श्रस्थाई तथा तवर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19012/1188/86—स्था०—पांच— म्राध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग श्री निर्मल चन्द्र फुन्डू, कनिष्ठ प्रभियन्ता को श्रीतिरिक्त सहायक निर्देशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनिय-रिंग) के ग्रेड में 2000—60—2300—दक्षता रोध—75—3200—100—3500/- रुपये के वेतनमान में 25—8—1986

की पूर्वाह्न से एक वर्ष की भ्रवधि के लिये भ्रयका पद के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हों, पूर्ण भ्रस्थाई तथा तद्वर्थ भ्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19012/1209/86—स्था०-पाच--प्राध्यक्ष, केन्द्रीय जल ब्रायोग, श्री जन्द्र भूषण श्रीवास्तव, ग्रभिकल्प सहायक को प्रतिरिक्त सहायक निवेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेंड में 2000-60-2300-दक्षता रोध-75-3200-100-3500/- रुपये के वेतनमान में 26-8-1986 की अपराह्म से एक वर्ष की प्रविध के लिए प्रथवा पद के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्ण श्रस्थाई तथा तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

#### दितांक 19 मार्च 1987

सं० ए०-19012/1104/85-स्था०-पांच-विभागीय पदोन्नति समिति (समूह्-ख) की सिफारिशों पर, प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल ग्रायोग, श्री विशष्ठ राय, ग्रिभकल्प सहायक पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल ग्रायोग में ग्रतिरिवत सहायक निवेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 के वेतनमान में 10-6-1986 की पूर्वाह्न से बिहार राज्य जल विद्युत् निगम, लि० पटना में बाह्य सेवा पर प्रतिनियुक्ति पर कार्य करते हुए काष्टर से उनकी श्रनुपस्थिति में "श्रासन्न निकट नियम" के ग्रधीन ग्रन्य ग्रादेशों तक नियमित ग्राधार पर नियुक्त करते हैं।

(2) उगुरोक्त प्रशिकारी केन्द्रीय जल प्रायोग में प्रतिरिक्त महायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में उपरोक्त तारीख से दो वर्ष की भ्रवधि के लिये परिवीक्षा पर रहेंगे।

घार० एम० सिंगल, घवर सचिव

### िर्माण महानिदेशालय

#### केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 27 फरवरी 1987

सं० 27(2) (एम०)/70-ई० सी० 9—इस विभाग के उद्यान निदेशक, श्री एच० सी० माथुर वार्धक्य की भ्रायु प्राप्त करने पर दिशांक 28-2-1987 (श्रप०) को सरकारी सेवा निवृत्त हो गये हैं।

पृथ्वी पाल सिंह, उप-निदेश प्रशा० उद्योग मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कार्यालय् कम्पनी रजिस्ट्रार कम्पनी प्रधिनियम 1956 के विषय में श्रीर

हैचम लिमिटेड

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445(2) के श्रन्तर्गत

हैदराबाद, दिनांक 16 मार्च 1987

, सं० 1482/लिक्वि०—उच्च न्यायालय श्रांध्र प्रदेश, हैक्साबाद के वर्ष 1984 के कम्पनी पिटीशन क्रमांक 14/ 1983 के मामले में 30 नवम्बर को हैचम लिमिटेड के परिसमापन का श्रांदेश दिया गया।

> धार० के० भट्टाचार्जी कम्पनियों का रजिस्ट्रार भ्रांध्र प्रदेश

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर राजराणी सर्घिम स्टेशन प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 12 मार्च 1987
सं० 29645/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956
की घारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह
के अवसान पर राज राणी सर्विस स्टेशन प्राईवेट लिमिटेड
का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्यत न किया गया तो
रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधटित
कर दी जाएगी।

कमानी भ्रधिनियम, 1956 और कोडारमा मर्विस स्टेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में। कलकत्ता, दिनांक 12 मार्च 1987

मं० 29646/560(3)—-कम्पनी स्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के स्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के स्रवसान पर कोडारमा सार्विस स्टेश्न प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी ग्रिधितियम, 1956 ग्रीर ग्रानन्द सर्विस स्टेशन प्राईवेट लिमिटेड के विषय में। कलकत्ता, दिनांक 12 मार्च 1987

सं॰ 29647/560(3)—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 को धारा 560 को उपधारा (3) के अनुसरण में एनक्बारा 2—16 GI/87 यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर ध्रानन्द सर्विस स्टेशन प्राईवेट लि० का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर पाल श्रीधुरी एंड एसोसियेट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 12 मार्च 1987

मं० 29631/560(3)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर पाल चौधुरी एंड एसोसियेट्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर श्रनुपम प्लास्टिक्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, विनांक 12 मार्च 1987

सं० 32169/560(3)—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतद्ब्रारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माइ
के श्रवमान पर अनुपम प्लाक्टिक्स प्राईवेट लिमिटेड का
नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशित न किया गया
तो रिजस्टर सें काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी
विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर जनरेल सार्विस एजेन्सी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 12 मार्च 1987

मं० 19541/560(3)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह
के श्रवसान पर जनरेल सीवस एजेन्सी प्राईवेट लिमिटेड का
नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशांत न किया गया तो रिजस्टर
से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विषटित कर दी
जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रौर पावर टुलस टेक्नो-ऋडिटस (दुर्गापुर) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 12 मार्च 1987

सं० 31084/560(3)—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसरण में एतद्दारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के श्रवसान पर पावर टुलम टेक्नोकाईट्स (दुर्गापुर) प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृष कारण दिश्वत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा ग्रीर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

हर लाल कम्पनियों का **ग्र**तिरिक्त रजिस्ट्रार पश्चिम बंगाल

करानी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर बीमल क्रीजिंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में बंगलौर, दिनांक 16 मार्च 1987

मं० 4631/560/86— कम्पनी स्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के स्रनुसरण में एतद्द्वारा यह मूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के स्रवमान पर बीमल कीर्जिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर कर्नाटक, एस० बी० एम० इन्जीनियरिंग इण्डस्ट्रीज श्राईवेट लिमटेंड के विषय में।

बंगलीर, दिनांक 16 मार्च 1987

सं० 4511/560/86-87--कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना वी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास
के भ्रवमान पर कर्नाटक एस० बी० एम० इंजीनियरिंग
इण्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृष्ठ कारण
दिणात न किया गया तो रिजस्टर में काट दिया जाएगा
ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी प्रधिनियम, 1956 घौर बंगलौर व्यूर बीबेरेजेस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

वंगलीर, दिनांक 16 मार्च 1987

सं० 5857/560/86—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के भवमान पर बंगलौर प्यूर कीवेरेजस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण विश्वत न किया गया तो रिजस्टर मे काट दिया जाएगा ध्रीर उक्त कम्पनी विश्वटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर गीकेस विज्ञान एक्विपमेंट्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलीर, दिनांक 16 मार्च 1987

सं० 4211/560/86-87-कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के श्रवसान पर गीकेस विज्ञान एक्विपमेंट्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गयाती रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी प्रधिनियम, 1956 ग्रौर जे० ग्रार० टेक्सटाईल प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

## बंगलीर दिनांक 16 मार्च 1987

सं० 5006/560/86—कम्पनी घ्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ध्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के अवसान पर जे० घार० टेक्सटाइल प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशास न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा। घीर उक्त कम्पनी विधटित कर दी जायेगी।

जे० के० रमणी, कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 भीर श्रम्नॉटू काईट स्टील कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में!

मधास, दिनांक 17 मार्च 1987

सं० 5798/560(3)/87—कम्पनी म्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के म्रनुसरण में एतद्दारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के भ्रवसान पर भ्रम्बतूर बाईटस्टील कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा। भौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

वी० सी० दवे कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार तमिलनाडु कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स सोनीपत इण्डस्ट्रीज एसोसिःशन के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1987

सं० 7998/84574—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतदृद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मैंसर्स सोनीपत इण्डस्ट्रीज एसोसियेशन का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर वी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर मैसर्स दुवारी इलेक्ट्रोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 19 मार्च 1987

सं० 9599/8495—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतदृहारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मैसर्स दुबारी इलेक्ट्रोनिक्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिश्वत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विषटित कर वी जाएगी।

बी० एम० म्रानन्द सहायक रजिस्ट्रार म्राफ कम्पनीज देहली एवं हरियाणा कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 के मामले में एवं मैसर्स तिरूपति बालाजी स्टील्स प्राइवेट लिमिटेड ग्वालियर के विषय में।

ग्वालियर, 4740009, दिनांक 18 मार्च 1987

सं० 2909/पी० एस०/सी० पी०/810—कम्पनी अधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अन्तर्गत एतव्हारा सूचना सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाणन के दिनांक से तीन मास की समाप्ति पर, मैसर्स तिरूपति बालाजी स्टीहर्स प्रायवेट लिमिटेड खालियर का नाम, यदि इसके विरुद्ध कोई कारण न दर्शाया गया तो, रिजस्टर से काट दिया जायेगा एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 21956 के मामले में एवं मैसर्स फिक्सोपान लूम ईजीनियर्स प्राईवेट लिमटेंड, ग्वालियर के विषय में!

ग्वालियर, 4740009 दिनांक 18 मार्च 1987

सं० 3122/पी० एस०/सी० पी०/ 813—कम्पनी प्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के प्रन्तगंत एतद्दारा सूजित किया जाता है कि इस सूजना के प्रकाशन के दिनांक से तीन मास की समाप्ति पर, मैसर्स फिक्सोपान लूम इंजीनियर्स प्रायवेट लिमिटेड ग्वालियर का नाम, यदि इसके विरुद्ध कोई कारण न दर्शाया गया तो, रजिस्टर से काट दिया जाएगा एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जाएगी।

एस० करमाकर कम्पनी रजिस्ट्रार मध्य प्रदेश, ग्वालियर प्ररूप भाइं.टी.एन.एस.-----

जामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रन्त रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च 1987

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०-II---श्रतः मुझे श्री एस० सी० भुप्ता,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का क्यारण हैं कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो फ्लैट नं० 411, 38 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली 605 वर्गफीट में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), (1908 का 16) के श्रधीन सक्षम श्रधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन, दिनांक श्रगस्त, 1987।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पेन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के अभि ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, बिम्नलिखित उन्नदेश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उप्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मूं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अवीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) गुलमोहर एस्टेट प्रा० लि०, 415 देविका टावर, 6 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स मंदीरा क्रियेशन प्रा० लि० वी 4/53, सफदरजंग एन्कलेव, नई बिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारको पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए . कार्यवाहियां कारता हुं।

उत्कत सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पम्होक्षरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्ची

फ्लैंट नं रु 411, 38 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली। क्षेत्र 605 वर्ग फीट

एस० सी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (नरीक्षण) श्रजेन रेंज-र्म, नई दिल्ली -110002

तारीख: 20-1-1987

प्ररूप आई.टी.एनं.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च 1987

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू० 1/37ईई/7-86/3211-श्रतः सुझे, श्री एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं है तथा जो फ्लैंट नं 412, 38, नेहरू जेन नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकर श्रायकर (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज—J, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर ग्रिधनियम 1961 के ग्रिधीन तारीख जुलाई 1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और (अंतरकारें) और अन्तरिती (अंन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) गुलमोहर एस्टेट प्रा० लिमि० 415, देविका टावर, 6, नेहरू पलेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्म मंदीरा क्रियेशन प्रा० लिमि०, वी--4/53, सफदरजंग एन्कलेव, नई दिल्ली-29।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्सं सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस त्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीलं से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सेकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### प्रतसची

फ्लैट नं 412, 38, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली । क्षेत्र 605 वर्ग फीट ।

> एस० सी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (नरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अर्धः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तिकों, अर्थात्:---

विनधक: 11-3-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 मार्च 1987

निर्देश सं० सी० ग्रार० 62/50226---यनः मझे ग्रार० भारताज,

आयकर प्रिभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उदत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स है अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 601/1 है तथा जो कसबा बाजार विलेज मंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय मंगलूर में धारा 269 ए बी० के श्रन्तर्गत रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908

(1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 9 मितम्बर 1986 को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिषक रूप से किथा गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त विधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करणे या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए:

जतः। जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थत् :——

- (1) श्री उल्लाल बालकृष्ण राव, पुत्न लेट श्री उल्लाल राम रात्र, एफ-9, माडल हौस, बम्बई-400004 । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती जय पी० कामत पत्नी श्री एस० प्रभाकर कामत बिजै, मंगलूर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर

- सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में संमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभ्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अन्स्ची

(दस्तावेज सं० 922/86-87 ता० 9-9-86) स्थिर संपत्ति, जिसकी म्रार० एस० नं० 601/1, टी० एस० नं० 187/1-बी, कसबा भजार विलेज, मार्कीट बर्ड, मंगलूर सिटि में स्थित है जिसकी विस्तीर्ण 6.48 (दक्षिण भाग) ग्रौर जिसका पूर्ण विवरण ऋय पत्न तारीख 9-9-86 के शेडलूल में दिखाया है।

ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलुर

दिनांक: 10-3-1987

मोहर:

# प्रकप बाइं.टी.एन.एवं.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यालयं, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 मार्च 1987

निर्देश सं० सी० ग्रार० 62/50204—यतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

शायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार बुक्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० 2 से 7 है तथा जो एकांबर साऊजी लेन बंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में भौर पूर्ण रूप में बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गान्धी नगर बेंगलूर में धारा 269 ए० बी० के ध्रन्तर्गत रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 25 सितम्बर 1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिपक्क आ गन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्दरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्दंद्य से उक्त अन्तरण विश्वित भें शस्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुर्ष किसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को भिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गाना चाहिए था, छिपाने के प्रयोजनार्थ के निए;

अत: अवा, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री एस० नोलकंठ राव पुत्र लेट बी० एन० सदाणियं राव।
  - (2) श्री एम० शंकरनारायण राव पुत्न लेट बी० एन० सदाशिव राव नं० 12, 1 कास, गविपुरम एनसटेंशन, बंगलूर--560 019 ।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री पी० नागराज, पुत्र पी० ए० पदमनाथ सेट्टिनं० 4, केंपण्ण लेन नगरन पेट कास बेंगलूर-560002।
  - (2) श्री टी० ग्रार० सुब्बराम सेट्टि, पुत्र लेट टी रामकृष्ण सेट्टि, नं० 1, विश्वनाथ राव रोड़, काम, माधव नगर, बेंगलूर-- 560 001।
  - (3) श्री एस० एस० श्रश्वत, पुत्र सिग्नी नर्रामह सेट्टि राम-मूर्ति नगर, बेंगलूर-560016 ।
  - (4) श्री वी० एम० श्री राम संट्वि, पुत्र मुनिस्वामि मेट्टि, नं० 127, 4वीं क्रास, हनुमंत नगर बेंगलूर— 560019 ।
  - (5) श्री बी० एस० चन्द्रशेखर, पुत्र बी० एम० श्रीराम मेट्टि, नं० 127, 4वीं क्रास, हनुमंत नगर, बेंगलूर-560019।
  - (6) श्री एन० एन० जी० कें० गुन्ता, पुत्र एन० जी० नारायण सेट्टि, नं० 39, एच० बी० समाज रोड़, बसवन गुडि, बेंगलूर-560004।
  - (7) श्री एत० जी० सतोष, पुत्र एत० एत० जी० के० गुप्ता, नं० 39, एच० वी० समाज रोड़, बसवन गुडि, बेंगलूर-560004 ।
  - (8) श्री बी० एत० नंद कुमार, पुत्र बी० सी० तर्रामह मेट्टि, नं० 49, श्रप्पाजि राव रोड़, सी० टी० स्ट्रीट काम, बेंगलूर-560 002 ।

- (9) श्री पी० वी० रवीन्द्रनाथ सुपुत्र पी० वरदराजुलु चेट्टि, नं० 2, केंपण्ण लेन, नगरत पेट ऋास, बेंगलूर-560 002 ।
- (10) श्री एतः श्रशोक कुमार, सुपुत्र राजा नंजुन्डैस्था सेहि, नं० 45, रत्न विलास रोड़, बसवन गुडि, बेंगलूर-560 004 ।

(श्रन्तरिती)

3. श्री एच० जी० मेहता 2. गंगाराम टिकनदास, 3. पी० बी० पाटिल म्युनिसिपल नं० 2 से 7, एकांबर साऊथ लेन (चिकपेट फास), बेंगलूर।
(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी जाक्केप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त क्यक्तियों में किसी व्यक्ति वृद्यारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखत में किए का संकर्ण।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम, के बध्याय 20 क में परिभाषित है, बही कर्ष होगा जो उस अध्याय में विका गया है:

#### अन<u>ुस</u>ची

(दस्तावेज सं० 1759/86-87 ता० 25-9-86)

म्यूनिसपल नं० 2, 3, 4, 5, 6 स्रौर 7, संपत्ति का 3/4 भाग (उत्तर भाग), एकांबर साऊजी लेन, (चिकपेट क्रास) डिबीजन नं० 25/16, बेंगलूर में स्थित है जिसकी विस्तीर्ण 368.712 स्केयर मीटर्स ग्रौर जिसे संपत्ति का पूरा विवरण क्रय पत्न ना० 25-9-86 के शेड्यूल में दिखाया है।

ग्रार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, बेंगलर ।

दिनांक: 10--3-1987

# क्षक्य बाई , टॉ., एव , एव , । । - - ००००

# भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1ू) के वभीन नुवना

#### भारत सहकार

# कार्यासय, सहायक बायकर बाव्यत (निरोक्षण)

धर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 10 मार्च 1987

निर्वेश सं० सी० श्रार० 62/50210—यतः मुझे, श्रार. भारद्वाज,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 26/7 है तथा जो कोडगु श्रीरंग पट्टण विराज-पेट तालूक में स्थित है (और इससे उपायद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय विराजपेट में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 29 सितम्बर 1986।

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रदिफल, निम्निलिखित उद्देव्य से उक्त अन्तरण जिलिख में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बल्तरण वं क्ष्म किसी बाम की बाबत, उनक अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, वा भनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, छिपाने के सुविधा के लिए;

भतः जव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ए की अनुसरण में, में, उक्त जिथिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखिस व्यक्तिसमें, अर्थात् :---

- (1) श्री टि० बि० णाम प्रसाद, सुपुत टि० एम० बेल्लियप्प, कुटुबर मोटे एस्टेट, मिद्रापुर, दक्षिण कोडगु । (श्रन्तरक)
- (2) मेसर्स बाम्बे बरमा ट्रेडिंग कार्पोरेशन लिमिटेड पी० ए० होल्डर श्री वि० एस० माचिया एलिकल एस्टेट, सिद्वापुर, कोडगु।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्पन के लिए कार्यवाहियां धुरू करता हुं।

# उक्त बम्पीत के अर्थन के संबंध में कोई मी आशोप क्र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उत्स अध्याय में दिया गया है।

#### अनस ची

(दस्तावेज सं॰ 377/86-87 ता॰ 29-9-86)

सानु काफ़ि एरिया का विस्तीर्ण 35 एकेस सर्वे नं० 26/7, कोडनु श्रीरंग पट्टण, श्रमति होबलि, कोडनु में स्थित हैं जिस सम्पत्ति का पूरी विवरण क्रय पत्न ता० 29-9-86 का शेडयूल में विखाया है।

> म्रार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 10-3-1987

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. ------

# बायकर विधिनवन, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के वधीन स्वया भारत बरकार

# कार्यक्रम, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षम)

ग्रर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, विनांक 10 मार्च 1987

निर्देश सं० सी० ग्रार० 62/50224--यतः मुझे, ग्रार०

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मुख्य 1,00,000 /∽ रु. से अधिक **ह**ै

और जिसकी सं० 618, 619/2 है तथा जो कसक भाजार विलेज, मंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मंगलूर सिटि में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 29 सितम्बर 1986।

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, बसके कृष्शभान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल को पंक्रह प्रतिशत सं अभिक ही भौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन्त, निम्नसिधित उद्योग्य से उक्त बंतरण सिधित में वास्तविक कप से कश्थित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा चे निए; बौर/वा
- (क) एरेंगी किसी बाय या किसी भन या अस्य आहिसाया को, जिन्हें भारतीय नायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) दा उक्त शिश्वनियम, या भनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्सरिती बुवारा प्रकट नहीं फिया गया था या किया अपना चाडिए था, सिन्पाने में सुविधा के लिए.

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---3-16 GI/87

- (1) 1, श्रीमती शशिकला एम० राव पत्नी एन० डी० एम० राव, जी० पी० ए० होल्डर श्रीमती पदम की शास्त्री।
  - 2. श्रीमती पदम वी० शास्त्री पत्नी एन० वी० शास्त्री 'णान्ति निवास', यगस रोड, बम्बई-400 007 (भ्रन्तरक)
- (2) 1. मंजेश्वर श्रच्युत भट्ट,
  - गुरुपूर पै केयर/ग्राफ मेसर्स केनरा ट्रांसपोर्ट कंपनी, गोल्लरकेरि स्ट्रीट, मंगलूर-575001 ।

(ग्रन्तरिती)

(3) 1 श्री श्रच्युता भट्ट

2. जी० साधव पै, भेसर्स केनरा ट्रांसपोर्ट कंपनी गोल्ल रकेरि स्ट्रीट, मंगलूर-575001 । (बह व्यंक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

रक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध को कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना को गुजपत्र में प्रकाशन की तारीख 4.5 विन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुषना की तामील से 30 दिन की अवधि, यो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति गुताय;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पात निकित में किए वासकेंगे।

**स्पष्टीकरणः—-इ**समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उ**क्त** अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया ह\*।

### भनुसूची

(बस्तावेज सं० 1021/86-87 ता० 29-9-86)

सब संपत्ति जिसकी भ्रार० एस० नं० 618, टी० एस० नं० 44 और भ्रार० एस० नं० 619/2, टी० एस० नं० 43/2, कसवा भाजार विलेज, सेंट्रल वार्ड, मंगलूर सिटि में स्थित है जिस संपत्ति कापूरा विवरण ऋय पत्र ता० 29~9 ल86 का शेडयूल में दिखाया है।

> ग्रार० भारद्वाज. सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

विनांक: 10-3-1987

भ्रा**रूप आई.टी.एन.एस.** हे हुन्युर र ह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिन कि 10 मार्च 1987

निर्वेश सं० सी० श्रार० 62/50221---यतः मुझे, श्रार० भारद्वाज,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसयें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- का से अधिक है

और जिसकी सं० 260 है तथा जो एचं ए० एलं II स्टेज, इंदिरानगर बंगलीर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजर्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर बंगलीर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30 सितम्बर 1986। को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित अजार मूल्य से कम के इश्यमान शितजल के लिए अन्तरित की गईं और मृत्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथाप्येक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है. और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया प्रतिफल, गमन्तितित उद्यंज्य से उनत अन्तरण मिश्वत में वास्तिवक रूप से अधित नहीं कया गया है हि

- (क) अन्तर्रण सं हुए किमी आय की बाबत. उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उलसे बचन में सुरिका खेलिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, का धनकर अधिनियम, का धनकर अधिनियम, का धनकर अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 17) है प्रशाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विषय जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा से निए;

अतः अब, जक्त अधिनियमं की धारा 269-मं के अनुसरण में, मैं, डक्त अधिनियम का धारा 269-मं की जपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्कियों। अर्थात् :--

- (1) श्री टी० बी० मोदी, सुपुत श्री बी० डब्ल्यू० मोदी नं० 23, श्रलसूर रोष्ट्र, बंगलौर-560042। (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती कुलदीप कौर बेडि पत्नी श्रीतम सिंह बेडि नं० 17, राजमहल विलास एक्सटेंशन बंगलौर-560 080 ।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यटाहियां शुरू करना हु।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सृखना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंह-बत्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधांहस्ताक्षरी के पास निर्णाल में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः----- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, भो उक्त अधिनियम, के सध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1746/86-87 ता० 30-9-86)

सब संपत्ति कार्पोरेशन नं० 260 में ग्राऊंड अंतस्त (विस्तीर्ण 2147 स्केयर फीट), पहले अंतस्त (विस्तीर्ण 3105 स्केयर फीट) और दूसरा अंतस्त (विस्तीर्ण 550 स्केयर फीट) है। जिस संपत्ति एच० ए० एन०-II स्टेंज डिफेन्स कालोनी, इंदिरानगर, वंगलीर में स्थित है जिसकी पूरा विवरण ऋय पन्न ता० 30-9-86 का शेड्यून में दिखाया है।

श्चारः० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, बंगलोर

दिनांक: 10-3-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

ें बेंगलूर, दिनांक 10 मार्च 1987 निदेश सं० सी ध्रार 62/50206—ग्रत। मुझे, घ्रार० भारद्वाज,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 76 है तथा जो मलेण्वरम 4 मेनरोड
बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध श्रनुसूची में
श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम
1908(1908 का 16) का श्रिधिनियम तारीख 26-9-86
को गूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का अधित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसं इश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है कार कन्नरक (अन्तरको) और अन्तर
रिती (अन्तारितयों) के बीच एस अन्तरण के लिए तथ पाया भया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण विश्वत में
कास्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतिय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

कतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, गैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की अपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री रामनाथन मुपुत्र श्री लेट एम० के० नरसिंह टीयर नं० 76, 4 मेनरोड, मल्लेश्वरम बेंगलूर-560003

(ग्रन्रतक)

(2) पार्वती पत्नी श्री के० एल० चन्द्रशेखर नं० 10, सुक्षहमण्यम स्वामी टेंपल स्ट्रीट विश्वेश्वरपुरम, बेंगलूर-560004

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बर्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-दिश्म की अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होंगा, जा उस अध्याय में विया

# अनुसूची

(घस्तावेज सं० 1188/86-87 26-9-86) सब सम्पति जिसकी सं० 76(पुराना नं० 417/1) 4 भेनरोड मल्लेश्वरम कारपोरेणन डिविजन नं० 3, बेंगलूर में स्थित है जिसकी पूरा विवरण क्रय पक्ष नारीख 26-8-1986 को शेडयूल में दिखाया है।

ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, बेंगसुर

तारीख: 10-3-1987

प्रकप बाइ.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 10 मार्च 1987

निवेश सं० सी भार 62/50223—स्मतः मुझे, भार० भारद्वाज.

अत्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 603/1ए, है तथा जो कसबा शजार विलेज मंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 17-9-86

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के स्वित बाजार सून्य से कम के स्वसान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और मन्तरक (मन्तरका) जौर अन्तरिती (प्रतिपित्यों) के बीच एसे मन्तरण के सिए त्य पाया गया प्रतिफल, निमनलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/सा
- (क) एसी किसी बाध या किसी वन या बन्च वास्तिबाँ को चिन्हें भारतीय जायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपानं से सुविधी के निए।

कतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स न्यू ताजमहरूल कफे (प्रा०) लि० द्वारा श्री कुडपि जगवीण शेणाय कार्यनिवहिक निदेशक कार स्ट्रीट मंगलूर सीटी

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स प्राविजन स्टोर, मारकेट रोड, मंगलूर द्वारा श्री टी० ग्रण्णप्य पै० गौरिमट स्ट्रीट मंगलूर सीटी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारींच के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस स्वान के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबय्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पर्धिकरण: --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ंगया हैं।

#### APPENDIX.

(ददस्तावेज सं० 975/86-67 ता० 17-9-86)

स्थिर सम्पति की ब्रार० एस नं० 603/1ए, टी एस० नं० 185/1ए, नया नं० 603/1ए, टी० एस० नं० 185/1 ए, कस्बा भजार विलेज, 13 मारकेट वार्ड, मंगलूर सीटी में स्थित है जिसकी पूरा विवरण क्रय पन्न तारीख 17-9-86 का पता गेडयूल में दिखाया है।

न्नार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, बेंगलुर

तारीखः 10-3-87

प्रक्य आई.डी.एन.एसं.-----

# जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के मभीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 17 मार्च, 1987

निदेश सं० एम 1114/86-87--- ग्रतः मुझे वी० के० सिन्हा

भायकार निश्वनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इसमें इसमें इसके प्रधात् 'उक्त विभिन्नयम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के वभीन सक्षम प्रमिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उभित्त वाजार मूख्य .00,000/- रु. से विभिन्न हैं

धौर जिसकी सं ंडी 13 से 8 है तथा जो नोएडा में स्थित है ) धौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजिस्ट्री ौर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय नोएडा में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908(1908 का 16) अभीन तारीख 9-7-86

को पर्नोक्त सम्परित से उचित बाबार मृत्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त संपरित का उचित बाबार कृत्य, उसके धरसमान प्रतिकाल से, एसे धरसमान प्रतिकाल का रन्त्रह प्रतिसत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक से निए त्य पाम नमा प्रतिकाल निम्निवित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरक निमित्त के बास्तिक रूप से क्रियत वहीं किया जबा है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाव की बावत उक्त वाध-णियत में वधीय कर देने में अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उत्तथे वधने में सुविधा के लिए; बीद/वा
- (क) एसी किसी बाव वा किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्ही भारतीय बायकर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को किए।

(1) मेसर्स म्रोसबाल इन्टरप्रायेसेस प्रा० लि०, ढारा एम० पी० जी० सतीश धन्द्र जैन भ्रीर श्री जे०सी० जैन बि० सी-124ए, ग्रेटर कलाश-1 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स पैराडाईस प्लास्टिक इन्टरप्रायसेसप्रसेस लि०, ए1, नायन्स विहार नई दिल्ली। वर्तमान प्लाट नं० डी-13, से० 8 नोएडा, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

न्धे वह सूचना चारी करके पृथींकत सम्पत्ति से वर्णन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुं।

### उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- ्रं(क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकासन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-क्यूथ किसी अन्य स्थावत ब्यारा सथोहस्ताकारी के पास सिश्चित में किए वा सकोंने।

ल्ब्डीकरण: ---इतमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जा उपके वीधिन्यम, के जध्याम 20-क में पर्धितिवत हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याम में दिवा गया है।

#### मनुसुची

इन्डस्ट्रियल प्लाट नं डी-13, से० 8, नोएडा, गाजियाबाय।

> वी० के० सिंगल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व क अम्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नसिसिस व्यक्तियों, अर्थातु:—

नारीख: 17-3-87

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यास्त्र , सङ्घायकः वायकर वाय्क्त (निरीक्षण) श्रजीन रेज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 10 मार्च, 1987

निवेश सं० एम 1113/86-87--अतः मुझे जी० सी० श्रीवास्तव

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित साजार मृत्य 1,00,000/- राज्य से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० बी 127 रें० 5 है तथा जो ने हा (गा० बाद) में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप में वीणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नोएडा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुलाई 86

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्भ यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सें, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिष्ठात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पास गया प्रतिफल, निम्नलिखा उच्चेश्य से उच्च अन्तरण लिखित बास्तिधिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) सन्तरण से हुई किसी आध की बाबद, समक नियम के संधीन कर दौने के सन्तरक के दायित्व में अभी करने या जसमं बचने में यूरिशा के डिक्स, सौद्ध/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यन्तियों, अर्थात् :--- (1) कौस्तुम एक्सपोटर्स प्रा० लि०, डब्लयू 79, ग्रेटर कलाई II, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) क्यूशेवस इंडिया प्रा० लि०, 240 रामनगर, कृष्णा नगर विल्ली—110051

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पृथीक्त सम्पत्ति के वर्षन के क्या कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

# बक्त सम्परित में बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितअद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और नवीं का, जो उनस अधिनियम के जन्माय 20 के में परिभाषित है, वहीं जर्च होंगा जो उस मध्याय में दिया

# अनुसूची

प्लाट नं० बी 127, सेक्टर 5 नोएडा **गाजियाबाद** 

जी० सी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सह।यक ग्रयकर ग्रयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, कानपुर

तारीय: 10-3-1987

प्रकथ कार्त्रः ही, एन, एस, न्यान

आसकार अभिनियम , 1961 (1961 का 43) को धारा 269 व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

भार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज. कानपुर कानपुर, दिनांक 10 मार्च, 1987 संव एमः की 31/86-87-स्पतः

निदेश सं० एम० डी० 31/86-87---श्रतः मुझे, श्री जी० मी० श्रीवास्तव

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर नं० 443 हैं तथा जो कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)रजिस्ट्रीकर्ता अधिरारी के कायिखय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)

- को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशय से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तिकती (अन्त) प्रतिमां) के बीच एम प्रन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:---
  - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
  - (अ) एसी किसी आय का किसी घन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-अर अधिनियम, 1922 (1927 के 11) या उत्त अधिनियम, या धरकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिसी ब्वास प्रकट नहीं किया नका के विकास

अतः अवः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, सकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिस्रों, अर्थात्:—

- (1) श्री शिवकुमार तथा राजकुमार पुत्र श्री भहाराम यादव नि० शुन्ने ग्राम डाँ भुरा, फिरोजजाबाद। (श्रन्तरक)
  - (2) डायरेक्टर जनरत्र रोमन कथोतिक डोयोसिस श्राफ श्रागरा प्रा० लि० हारा फादर थोमस के० सी० पुत्र श्री चाको ग्रागरा (ग्रतरिती)

को **यह सूचना जारी करके पूर्वो**क्स सम्प्रांत के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता को ।

तक सम्पत्ति के अर्जन के श्रीक्षभ में कोई भी आक्षंप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन को नगीच जा नत्नम्बर्ग व्यापक या पर मुखना की तामील से 30 दिन को अपिप, जो जी अविध बाद मो ममाधा होती हो, के भीतर पुविकत व्यापक मो मो किसी व्यक्ति द्वारण;
- (स) इस स्थना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्या स्थावर सम्यक्ति में हित बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास ेशे भन में चिना का सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, वा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

#### अनुसूची

खसरा नं 0.0443, ढीलपुरा फिरोजाबाद

जी० सी० श्रीघास्तव सक्षम प्राधिकारी सहाराक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) फ्रर्जन रेंज, कानपुर

ारीख: 10-3**-**1987

प्रारूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# भार्मासय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 10 मार्च 1987

निषेश सं० एम० डी० 29/86-87-मतः मुझे, श्री जी० सी० श्रीचास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रुपये से अधिक हैं

मौर जिसकी सं 87, 88, 90, 91 है तथा जो नेकपुर कवान में स्थित है भौर इस में उपाबद्ध मनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विजित है) रजिस्ट्री निर्मा प्रधि हारी के कार्या व फरुखाबाद में रजिस्ट्री करण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 2-6-986

को पृथा कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से मूक्त अन्तरण लिखित बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

म कमा करण या असस वचन म स्वावना क लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री प्रकाशमनी व ग्रान्नदमनी पुत्रगण । साध हीरामनी मु० सवचा जिला फरुखाबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एस० ग्रार० कोल्ड स्टोरेज द्वारा श्री लाला राम भरोसे लाल ग्रग्नयाल पुत्र लाला राम स्वरूप श्रग्नवाल नि० नेहरू रोड फरुखाबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भो आअंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर जबत स्थावर समाति में हितमबुध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में ळिए जा सकरें।

स्पटक्किरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

# बन्स्ची

नेकपुर कलान पं पहाडा जिला फरुखाबाद।

जी० सी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुंक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 10-3-1987

# वक्त बाइ . ती. प्त. एक . ------

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### नारत संद्रकार

# कार्यालय, सहायक बायकर बाव्क्स (निरीक्षक)

भ्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 मार्च 1987

निर्देश नं० एम० डी० 20/86-87--ग्रतः मुझे जी० सी० श्रीवास्तव

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इसमें इसफे पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है ग्रार जिसकी सं० है तथा जो केशवपुर मनोहरपुर (मथुरा) में स्थित है (श्रीर इसल उपाबक श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रजिल्दीकर्ता अधिकारी के कायिनय दिल्ली में रिजस्दीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 को 16) के श्रधीन तारीख 12-8-1986 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित शाजार मूल्य से कम के अस्यमान प्रतिफल को लिए कंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वांचल संपरित को समित बाबार म्च्य, उराके करयमान प्रतिफल सं, एसे अध्यमान प्रतिफल आ पन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतर्क (अंतरका) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एंसे बंतरण के सिए तय पाना गया प्रति-कम निम्नतिसित उस्दोर्य से उस्त अंतरण सिस्ति में वास्त्रीयक

क्य से अमिश्र महीं किया क्या है है

- (कः) नन्तरण ते हुई किसी नान की नानकः, उपक विभिन्नसंश्री वधीन कर दोने के जन्तरक श्री दासित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय नाम-कर निर्मियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर निर्मियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं जंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

ज़रा: अब, उचल जिथिनियम की धारा 269-व की वनुसरण मों, पर्मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिकिस व्यक्तियों, आधीर ।——— 4—16GI/87 (1) वी भिवेनी इंजीनियरिंग वक्सं लि०, 26 कस्तूरवा गोधीं मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सतीम कुमार, 10/10ए राधानगर, मथुरा (यू० पी०)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के जिल्ह कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त सम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्स हुन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबकि या तत्स्वस्थन्थी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अधिक, को भी अधिक वाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (न) इस स्थान के राज्यम में प्रकाबन की ठारीय से 45 दिन के भीतर उसत स्थानर सम्प्रित में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्दम दे अध्याव 20-क में वरिभाविष्ट है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिमा गवार है।

#### अन्स्ची

केणवपुर, मनोहरपुर, मथुरा।

जी० सी० श्रीवास्त सक्षप्त प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारी**ख**: 10-3-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज , कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 मार्च, 1987

निदेश मं० एम० डी 27/86-87--झतः मुझे, जी० मी० श्रीवास्तव

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमं इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उदित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० खमरा प्याट नं० 447क एवं 416 है तथा जो चटवामन मुम्ताकिन में स्थित है (श्रीर इसमे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रागरा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908(1908 का 16) के श्रधीन नारीख 22-8-86

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पायः गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उन्नत अन्तरण निम्नलिखत में वास्तियक हुए से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के प्रायित्य में कमी करने या उसमे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आर्य या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैंसर्थ सूर्यनगर को० ग्राप० हाउमिय मोमायटी लि० ग्रागरा सेकेटरी श्री योगेश काँगल ग्रीर श्री कालीचरन काँगल ।

(श्रन्तरक)

(2) मैं मर्न रामजी महकारी स्रावास समिति लि० श्रागरा बाप मेकेटरी श्री स्रनिल कुमार मल्होबा श्रागरा 1 बागा फरमाना रोड, श्रागरा--2 1

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीवत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अर्वाध या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मुक्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमसची

खसरा 447 क 416 घटवामन श्रागरा।

जी० मी० श्रीवास्तव मक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, कानपुर

नारीख: 10-3-87

माहर:

### प्ररूप वार्ड . ही . एन . एस . -----

# अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-**ण** (1) **के अभीन सूप**ना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, राहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग, कानपुर

आनपुर, दिनांक 10 गार्च 1987 निदेण स एम डी 26/86−87−-श्रतः मुझे, जी० मी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/रा. सं अधिक हैं :
ग्रांर जिसकी गं है तथा जो रोगेमरी काटेज स्टेट गंसूरी में स्थित है (ग्रांर इससे उपादाद श्रनुसूची

मं श्रार पूर्ण हम से बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय देहरायून में स्थित है रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908(1908 रा 16) के श्रिधीन नारीख 18-8-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास कार्न का कारण है कि यथाएगोंक्त संपत्ति का उचित आजर मूल्य, उसके इदयमान प्रतिफल से एसे दचयमान प्रतिफल से एसे दचयमान प्रतिफल से मन्द्र प्रशिवत से मिथक है और मन्दरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तब श्रिश गया प्रतिकाल, निम्निचित उच्चरों से उच्चर अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण मं हुर्द्ध किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (क) एंनी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त क्धिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जारा चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;
- अंद पा. उन्हें अने असम को धारा 269-म के जनमनण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री डेविड पॉल पुत्र श्री लुईस पोल नि० 26, इन्दर रोड, देहरादून, श्री संजय श्रह्मा नि० 7 नेगी निड, देहरादून।

(श्रन्तरक)

(2) डायगच्छ रिशांटस प्रा लिल, 63, गांधीं मार्ग, देहरादून द्वारा डायरेक्टर श्री विशुष भहना।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारो करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हो।

# उपय राज्यित के अर्थन के सम्बन्ध में कांड्रों भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की नवीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील सं 30 दिन की बद्धि, को और अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>5</sup>, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्स्ची

रोजमरी जाटेज स्टेट मसूरी एरिया 2.66 एकड़ देहरादुन ।

> जी० सी० श्रीवास्तव गक्षम प्राधिकारी पहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, कानपुर

विनांक : 10-3-1987

प्ररूप आर्ध. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, तारीख 10 मार्च 1987

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं क्षां श्रार रोड़ है तथा जो श्रार रोड़ में स्थित है (श्रीर इनसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है ), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय देहरादून में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन तारीख 29-8-1986

की पूर्वों कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रित्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करमें या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसत व्यक्तियों. अर्थात् :--- (1) श्री जगत लिह श्राई० एफ० एन० एम० राय बहादुर सरदार लेहना भिह नि० 12 लक्की रोड़ देहरादून ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री वेलहम ब्यान स्कूल द्वारा प्रिसीपल एवं सेक्रेटी श्री एस कें० खन्धारी। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुच्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्स बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्प्रक्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस उध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्रापर्टी नं० 6, ग्रगर रोड़ देहरादून।

जी० सी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

विनांक : 10-3-1987

# प्रकृष वाइ. वी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 घ (1) के अधीन सुधना

#### शाहत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 मार्च 1987

निदेण सं० एम० डी० 19/86-87—श्रतः मुझे, जी० सी० श्रीवास्तवव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कोठी न० 102 है तथा जो िविल लाइन्स श्रागरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रागरा में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 12-8-1986

की प्रॉन्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से बोधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण कि बित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन मा कन्य कार्यस्तायों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया ब्राया चाहिए था, क्रियाने में सुनिधा भी लिए;

चत: वय, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) शुलभ सहकारी स्रावात समिति लि० रिजिं० नं० 409 दुकान नं० 23 स्रागरा ।

(भ्रन्तरक)

(.2) मुझील कुमार श्रग्रवाल 63, न्यू राजा मन्डी, श्रागरा ।

(म्रन्तरिती)

को यह सम्मन जारी कारके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्पना के राषपन में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अवधि या तत्संवंधी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ट श्रद्धित्यों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क्षं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक रं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी क्ष पास लिकित में किए जा स्कॉरो।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौका, जो उक्त बिधिनियम के अध्याय 20 क में परित्रीषत है, कही अर्थ होगा, भो उस अध्याय में दिया गया है।

# **प्र**नुसूची

कोडी नं० 102, सिविल लाइन्य म्रागरा।

जी० सी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

विनांक : 10-3-1987

# प्रकृष् आहें . टी. एन . एस . -----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन स्वना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 10 मार्च 1987

निदेश सं० एम० डी० 17/86-87—मृतः मुझे, जी० सी० श्रीवास्तव,

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वति 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,06,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिन्निं मं० 37, 371, 372, 393, 397, 396/1, 366, 370, 367, 368, 369 है तथा जो इस्टर्न दून में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ,रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय देहरादून में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 29-7-1986

को पूर्विका सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के रूपमान प्रतिफल के लिए बन्तिरत की गई है और बुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से पन्तरह प्रतिशत से बधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किवत महीं किया गया है :—

- (१९) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबक, उथक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासिस्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (भ) एंमी किसी नाय गा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क अन्ति स्ति इंदारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सृविधा के लिए;

बत्धः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण क्रिंक की अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (ग के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—— श्रीमती प्रीती मदवार,
 पत्नी श्री नवीन मदवार,
 श्रीमती इकवाल कुमारी मदवार
 पत्नी श्री इकवाल बहादुर
 14/1 म्युनिश्यिल राइ,
 देहरादून।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मंजू जिन्दल, पुत्री श्री बी० ए५० जिन्दल R/o/4A, रेप कोर्स देहरादून श्रीमती बीना जैन पत्नी श्री एम० के० जैन, R/o 4ए रेप कोर्स देहरादून।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इसः सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विल व्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास विवित में किए जा सकोंगे।

स्वाकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

खोती भूमि नं० 370/2, 371, 372, 397/1, 397/2, 396/2, 366, 370/1, 365, 368, 369 कृल एरिया 13.33 एकड़ गांव हरीवाला इस्टर्न दून, देहरादून।

जी० मी० श्रीवास्तव शक्षम प्राधिकारी गहायक श्रायकर श्रायुका (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक 10-3-1987 गहर: प्रकार. बार्ड , टी. एस. एस. -----

# দারকার মাধিনিরম, 1961 (1961 কা 43) কী খায়া 269-ম (1) ক এখান ব্যবা

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भागकर बाय्क्त (निरीकण) श्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 मार्च 1987

निदेण सं० एम-16/86-87—-अतः मृक्के जी० सी० श्रीवास्तव,

आयकार अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उबन अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

भ्रौर जिस्की सं खसरा नं 172/2, व 175 है तथा जो मोहकमपुर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मेरठ में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 16-7-86

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इरयमान प्रतिफल से, ऐसे इर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकल अन्तरण लिखित वास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अस्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर इने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (म) एंसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, सकत अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती हीरा देवी पत्नी श्री बलबन्त िह ग्राम हाफिजाबाद मेबला, मेरठ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० सावरिया दूर एन्ड एलाइड इन्डस्ट्रीज लि० 195/1 पिविल लाईन मेरठ वारा श्री जिनेन्द कुमार अग्रवाल

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवर्भवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए धर्मवाहियां करता हुं।

बन्स सम्पत्ति के बजर के कारका है काई भी जालग '---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की सारीस से 45 विस की समिति या तत्स्य का व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की नवां के, को भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेश स्थानसभी में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के मौतर उक्त स्थावर राव्यति म हित-बद्ध फिसी केच स्थित द्यास वर्षाहत्साकरी वै पास विविधत में किए या सकोगे।

स्थानीकरणः - इसमे प्रमुक्त कर्जा और धर्ती का, का उनक विविद्यम, को लक्ष्याच 20-क मा परिभावित ही, वही कर्ष होगा, को उन लाखः मा दिका क्ष्या ही।

### जग्त ची

प्रापर्टी नं० 172/175 ग्राम मोहकमपूर, मेरठ।

> जी० सी० श्रीवास्तव सहक्षम प्राधिकारी पहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रैंज, कानपूर

दिनोक : 10-3-1987

# मक्ष मार्च औं स्था एक -----

# बायकर क्रिपनियम, 1961 (1961 क्यू 43) की भारा 269-व (1) वे बभीन क्वक

#### भारत संस्कार

# कार्यालय, स**हायक आयकर बाय्यतः (निरीक्षण)**

ग्रर्जन रेंज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 10 मार्च 1987

निदेश मं० एम० जी 15/86-87--श्रतः मुझे जी० मी० श्रीवास्तव,

बायकर किथिनियम 1961 (1961 का 43) (िवर्त इसमें इसमें इसमें परभात् 'उस्त अधिनियम' इसा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वायर सम्मत्ति, जिसका उचित बाबार भूका 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 657,58, 59 है तथा जो बेगम बिज रोड मेरठ में स्थित है (ग्रीर उससे उपायद्ध ग्रन्मची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजरट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 28-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कन के स्थवमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वसमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का चल्कह प्रतिखत से विभिन्न है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा कें लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाथ या किसी धन पा अध्य आस्तियों को, विक्रुं भारतीय आयकर अविधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-अप अधिनियम, या धन-अप अधिनियम, या धन-अप अधिनियम, या धन-अप अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा का किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए:

नदः कव, सक्त विभिन्नमं की भारा 269-न के, वम्बरन वे, में, अवत विभिन्नमं की भारा 269-न की अपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- ५(1) श्रीमती उमा मुकर्जी पत्नि श्री ए० डी० मुकर्जी श्री ए० के० मुकर्जी, पुत्र श्री ए० डी० मुकर्जी, नि० वी०/705, महानगर, लखनऊ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भारत एन्ड एसोलिएट्स 'सिंडार्थ'' 61 णियाजी रोड, मेरट ब्रारा श्री शक्ति प्रकाण तथा प्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

इन्स हम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राज्यक में प्रकाशन की तार्रीच वे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविधि, वो बी व्यक्तियों में से किसी स्थानित स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिंस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए वा सकोंगे।

स्थानिकरणः ----इसमें प्रयुक्त कल्यों और पर्यों का, थो उनक व्याधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विवा गया है।

# अन्सूची

प्रापर्टी नं० 657, 658, 659 वेगम क्रिज रोड, मेरट।

> जी० मी० श्री<mark>वास्तव</mark> सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रायकर ग्रा**युक्त (निरी<mark>क्षण)</mark> श्रर्जनः रेंज, कानपुर

दिनांक : 10-3-1987

प्रकर नाहर् , दी , एम , एस ,- - - - ----

कायकार विधिनिष्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के विधीन स्वर्धा

#### शारत सर्काड

कार्यालय, सहायक अध्यक्तर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 10 मार्च 1987

निदेश सं० एम० डी०/14/86-87---भ्रतः मुझे जी० सी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राचिकारी को यह विकास करने का बारण है कि स्थानर तस्पत्ति , जिसका उचित नामार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं अपर्धी नं 657, 58, 59 है तथा जो बेगम किज रोड़, मेरठ में स्थित है (श्रीर इससे उपावड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 28-7-86

को प्रविधत सम्मिति के उपित बाजार मूक्य है का के द्रयमान अतिका को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि अभाग्नितत संपत्ति का उपित याजार मूक्य, उके है अपमान अतिकात से, एमें स्वथमान तिकल का विश्व है बीर लन्तर (अम्बर्का) बीर बन्तरिती (अम्बरितियों) व बीय एसे अन्तरण के बिए तथ पाथा गमा अतिकाल, मिम्लिकित उप्रवेश से उपत कल्यन निर्मित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुउ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के सिए; और/या
- (क्स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम. 1957 (1957 का 27) को प्रशोजनार्थ अन्तिरक्षी द्वारा प्रकट नहीं िक्या गया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा ऐ किए,

(1) श्रीमती उमा मुकर्जी पत्नी श्री ए० डी० मुकर्जी श्री ए० के० मुकर्जी पुत्र श्री ए० डी० मुकर्जी नि० बी-705, महा नगर, लखनऊ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भारत एन्ड एसोसिएट्स "सिद्धार्थ" 61, णिवाजी रोड़, मेरठ द्वारा शक्ति प्रकाण तथा श्रन्य ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

वक्त सन्पत्ति के वर्धन के सम्बन्ध वें कोई भी बाक्षीप :---

- (क) इस त्यान के राध्यक में प्रकाशन की वारीय से 45 विन की नगीभ या एत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की नगीभ, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वीवस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवाद;
- (क) इस त्वना के रावपक में प्रकाशन की तारीब हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितवपूर्व किसी सम्य स्थानित इवाच वधोहस्ताकारी के पाछ सिवित में किए वा सकोंचे।

स्वकाकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों शीर वर्षों का, जो वर्षे श्रीभविषय के बच्चाय 20-क में परिभाविष्ठ ही, वहीं अर्थ होगा थी उस बच्चाय में विका गया हैं।

#### अन्स्ची

पापर्टी नं० 657, 658, 659 बेगम क्रिज रोड़, मेरठ ।

> जी० सी० श्रीवास्तव सक्षम श्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, कानपुर

दिनांक : 10-3-1987

# प्रस्प नाई.टी.एन.एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) को अधीन सूचनां

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक श्रायकर आयुक्त

म्रर्जन रेंज, कानपुर

निदेश सं० एम० डी० 13/86-87--श्रतः मुझे जी० सी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 263-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी म० बिल्डिंग कौरुड स्टेरिंग है तथा जो मिट् क्वा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रागरा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वांस करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के स्विधा के सिए।

(1) महेन्द्र कोल्ड स्टोरेज ठडी सड़क, फरखाबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री उमेश चन्द्र प्रग्नवाल . पुत्र स्व० लक्ष्मी नारायण प्रग्नवाल मिठ्ठू कूचा, फरखाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकें पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियां एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### সন্মুখী

कोल्ड स्टोरेज बिल्डिंग, मिठ्ठू कूचा, फरखाबाद।

जी० सी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त आधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :--

तारीख: 10-3-1987

# प्रकल बाहै, टी. एवं. खं.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्वालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रें ज, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1987

निषेश सं० ग्रई-1/37ईई/11893/85-86-- श्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें प्रकार प्रकार कथिनियम कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाचार मृश्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० एत-4, 14वीं मंजिल, गैरेज नं० 6, बीच कन्छी ग्रपार्टमेंटस, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है (ग्रीर इसने उनाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणत है), श्रीर जिसका करारेनामा श्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 के ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1-7-1986

को प्रोक्त संपत्ति के उचित बाजार गृस्य सं कम के दश्यमान प्रितमन के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करनें का कारण हैं कि यथा पूर्वोक्त सस्पति का उचित्र बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय राक्षा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण मिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं नामा भवा हैं:—

- (कः) कन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उपल अधिनियम के अधीर कर दोने के अन्तरक के बायित्व में केमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के किया.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलीसत् व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रुस्सी ्जे० जिजीभाय।

(भ्रन्तरक)

- (2) बी० ए० एस० एफ० इण्डिया लि०।
- (3) एम्पलाई धाफ ए० बी० एस० एफ० इण्डिया लि०।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्प्रीम के अनेत के सर्वध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपण में प्रकाशन की तारीब र 45 दिश की बनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वता की तामीस से 30 दिन की अविध, वो भी अविध से में समाप्त होती हो, के भीतर र्योक्छ व्यक्तियों में से जिस्मी क्येंक्ट द्याराः
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रवाशन की तारीथ से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी बन्न क्यक्ति य्याय, वभोहस्ताकरी के पास लिखित में किस वा सकींगे।

स्पन्नीकरण '---इसमा प्रयूक्त शब्दों और पक्षों का, सो उन्ह अभिनियम के अभ्याय 20-के मी परिभाषित ही, बहुति अर्थ हांगा भी उस अभ्याय में दिया गया ही।

#### जन सची

प्लेट नं ० एन- 4, 14वी भंजिल, गैरेज नं ०, ६, बीच केन्डी ग्रान्टेमेंटस, न्यू० बीच कन्डी को०-ग्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई- 26 में स्थित है।

ग्रेनुसूची जैसा कि कि भं ग्रई-1/37ईई/10493/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1986 को रजिटस्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रेंज-1. बन्बई

तारीख: 5-3-1987

प्रकर बाइ. टी. एन. एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याख्य, सहायक जायकर वाय्क्ल (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बम्बई वम्बई, दिनांक 5 मार्च 1987

निदेश सं० ग्रई-1/37ईई/11895/85-86-- श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले एसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' महा यया हैं), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-सः संअधिक ह ग्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 17, 4थी मंजिल, कप्री, 9, मानव मन्दिर रोड, बम्बई-६ में स्थित है (श्रीर इससे उवाबद्ध प्रमुस्ची में भ्रौर पूर्णस्प से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1-7-86 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मृश्य से कम के बह्यचान रिशिक्स के लिए बंतरिस की गई है और मफ्ने यह विश्वास इरले का कारण है कि यथापबॉक्त सम्बक्ति का उचित जाजार मृल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एस द्वयमान प्रतिफल के क्लाह प्रतिशत्त से विभिन्न है और अन्तरक (अन्तरकार्रे) और बंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया बया प्रतिफल, निम्नसिसित जब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्त्रविक सन्त ने अभित नहीं किया गया है :---

- (क) बाखरण से हुइ किसी बास की शावण, उनरा बीधनियम में मधीन कर दोने के मन्मरफ क साबिरण में कमी करने ना उनमें क्षण मा को त्या के फिए; बाँड/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय झायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा के लिए;

नतः वनः, उन्त नौधीननम की धारा 269-न की अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, कथीत्:----

- (1) श्रीमिति प्रियलता के॰ शहा श्रीर अन्य । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमति पन्ना वी० बखारिया श्रोर श्रन्य । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध. जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पृवक्तिल व्यक्तिया। मा से किसी त्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सुकता के राजपत्र में प्रकाशन की तररीय के 45 दिन के भीतन उत्तर नथा गर सम्पत्ति में दिला मूख किसी अन्य न्यांकित द्वारा अस्ति कार्य के जान सिक्सिन में किया पर कार्या ।

स्तव्दिकरण:---इसमें प्रयक्त कव्दों और पर्वों का, जो उकत श्रीचित्रय के कथाम 20-क में परिभाषित हैं वहीं वर्ष होना जो उस वध्याव में विधा गया

#### अनुसूची

्पलेट नं० 17, 4 थी मंजिल, केप्री 9, मानव मन्दिर रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

ग्रनुमूची जैसा कि कि सें ग्रई-1/37ईई/10494/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-86 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार ब्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक क्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, बम्बई

तारीख : 5-3-1987

# प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1987

निदेश सं० प्रई-1/37ईई/11902/85-86— प्रतः मुझे, निसार भ्रहमव,

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उनल अभिनियम' कहा नया हैं), की धाड़ा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं पलेट नं 1301, 13वीं मंजिल, इमारत ए, राजा श्रीपाल को - श्राप हाउसिंग सोसाइटी लिं , इाकनस-रोड, बस्बई-6 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णकप से विजित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीध-नियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1-7-86

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के तिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृष्ट प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिगा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन्तरल किन्तरल किन्तरल किन्तरल किन्तरल किन्तरल किन्तरल मिन्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तिविक हुए से किथ्य नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय अय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यो धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ अयोजनार्थ अन्यरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री गौरंग एम० देसाई ग्रौर अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्रीमिति मंजूलाबेन ग्रमरत लाल सोलंकी । (श्रन्तरिती)

को यह सृजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तार्षिकाणी व्यक्तियां पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) अस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तें अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पलेट नं० 1301, 13वी मंजिल, इमारत नं० ए, राजा-श्री पाल को०-ग्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, हाकनेस रोङ, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई, 1/37ईई/10499/85-86 और जो सज़म प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बण्बई

तारीख: 5-3-1987

भोहर:

प्ररूप बाई. टी. एव. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269=च (1) के अभीन स्वना

### भारत वरकार

# कार्यालय, सहायक वायकर बाव्यत (विरोक्षक)

ग्रर्जन रेंज, बम्बई बम्बई, विनांक 6 मार्च, 1987

निवेश सं० ऋई-1/37ईई/11910/86-86--- श्रत : मुझे, निसार श्रष्टमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परितं जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलेट नं० 30, 62ो मंजिल, गिरी छाया, को०-ग्राप० हाउसिंग सोसाइटी० लि० चौपाटी बण्ड स्टण्ड, लोयलका-इस्टेट, बम्बई-6 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्णेरुप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधि-नियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1-7-86

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल से कम के इश्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफाल से, एसे इश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उमत अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसं किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, विन्हें भारतीय आय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्री जगमोहन दास एस० मेहता भीर श्रन्थ। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री करमणी भाई श्रार० पटेल (राधवर्जी) ग्रीर श्रन्य।

(भन्तरिती)

(3) श्रन्तरितियों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है) ।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाव में समाप्त होती हो, अजीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों
- (ब) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किये जा सकती।

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पर्टित के वर्णन वे लिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप कु— में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

### जन सची

प्लेट नं० 30, जो 6ठी मंजिल, गिरी छाया को०-म्राप० हाउसिंग सोसाइटी चौपाटी बण्ड स्टण्डट, लोयलका इस्टेट, बम्बई-6 में स्थित है।

श्रनुभूची जैसा कि क० सं० श्रई-1/37ईई/10502/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी औ सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेंज, बस्बई

तारीख : 6-3-1987

मोहर:

बतः अव, उक्त विधिनिवस, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिमियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीय, निम्नितिश्वत व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्रकथ बाह्र हो . एन . एस . ननवनप्रकालका नायकर मुचिनियन्, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-थ (1) के नधीन स्थाना

भारत सरकात भागांतव, सहायक जागकर बायकर (निरीक्षण)

> ग्रर्जन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक-5 मार्च 1987

निर्वेज सं० ब्राई-1/37ईई/11937/85-86---अतः मुझे, निसार घ्रहमद,

नावकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं),, की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की वह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका द्वीचतः बाजार मृख्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं० क्लैट नं० 506 ई, 5वी मंजिल, सिमला ष्ट्राउस, नेपियन-सी रोड, बम्बई-46, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम, 1901 की धारा 269 क, ख के प्रधीम बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1-7-1986

नहे पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित शाकार भूरव हो कम के उत्तयमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गर्डही और सूझे यह जिक्कास करने का कारण है कि बधापनोंक्त बंगरित का उचित नावार मृज्य,, उसके द्रवयनान प्रतिफल से, एसे द्रव्यमान प्रतिफल के पंकड़ प्रांतशत से विभिक्त है और वंतरक (वंतरकों) और वंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्मनिवित उद्दोस ते उसत अन्तर्ग निवित में शास्त-दिक रूप से कथित नहीं किया पवा है ह—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मीधनियम के बधीय कर वाने के अन्तरक वी दाबित्य में कमी करने या उससे बचने. में सुविधा अ सिए: बॉर्/वा
- (का) एरेसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, पिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ' को प्रयोजनार्थ अन्तरिली बुवारा प्रकट वर्षी किया परा थाया किया थाना चाहिए वा, कियाने में सुविधा वे विषः

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की भाग्न 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) कर्नीदन।

(ग्रन्तरक)

(2) ग्रारीफ ग्रली।

(भ्रन्तरिती)

को सक्ष सुचना जारी करके पूर्वों कर सम्पन्ति के अर्थन के लिए भायवाक्षियां करता हु।

जक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चनाको राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि वा सत्संबंधी व्यक्तियाँ वह सुचना की तामील से 30 विन की वनिष, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीच है 45 दिन के भीतर उनत स्थावर संपत्ति में हितबद्दश किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-का में है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अन्सूची

पलैट नं ० 56 ई, 5वी मंजिल, सिमला हाज्स, नेपियन सी रोड, बम्बंई, 36 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/37 ईई/10507/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1986 का रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ध्रहमद सक्षम प्रायधकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ध्राजैन रेंज-1, बम्बई

दिनांक 5-3-1987 मोहर:

# मकप बार्च . सी . एव . एव . ------------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-1, बम्बई

बम्बई,दिनांक 5 मार्च 1987

निर्देश सं० श्राई-1/37ईई/11953/85-86---म्रत: मुझे, निसार श्रहमव,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाधार मूच्य 1,00 000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्रलैट नं० 51, 5वीं मंजिल, नानीक निवास नं०, 3, भुलाभाई देसाई, रोड, बम्बई-26, में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित है।) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1901 की धार1269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालयों में रजिस्ट्री है। तारीख 8-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाक करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार भूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्तर का अन्तरका (अन्तरका) बाँद अन्तरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पासा जया प्रतिफल, निक्नितिवाँ उद्वोचय से उसत अन्तरण कि सित में बास्तिक कम में काँकत महाँ किया बना क्षेत्र

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाम या किसी थन या बन्स नास्तिनों की, चिन्हों नारतीन नाब-कड़ निधिनमन, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) रामदास मोरारजी।

(भ्रन्तरक)

(2) चैतयम एस० मेहता।

(म्रन्तरिती)

'3) श्रन्तरिती।

(बह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

दश्त सम्पत्ति के वर्षन के तम्बन्ध में कार्ड भी नाक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अधिभ बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर प्वेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यापतः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए वा ककोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त जीवनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष द्वांगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसंची

पसैट नं० 51, 5वीं मंजिल, भुलाभाई देसासी रोड, नानीक निवास नं० 3, बम्बई में स्थिर है।

धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्राई-1/37 ईई/10512 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-7-1986 रजिस्टर्ख किया गया है।

> निसार ग्रहंमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बर्ग

दिनांक: 5-3-1987

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

अप्रयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिलांक 5 मार्च 1987

निर्वेश सं० ग्रई-1/37 ईई/11958/85-86--म्बतः मुझे, निसार प्रहंमद,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा यया है), की धारा 269-ख की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० ए-7, स्नेह सदन, इंडियन यूनियन को-म्रांप० हार्जीसग सोसायटी लि०, नौरोजी गमाडिया रोड, खंबाला हिल, बम्बई-28 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है) । और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम, 1901 की धारा 269 क, ख के प्रधिन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय रजिस्द्री है। तारीख 8-7-1986

को पर्वोक्त संपृत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्योक्स सम्पत्ति का उचित बाजार म्लय उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से धुर्द किसी आय की यायत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विभा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी अग्य या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या इक्त विधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गंभा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा केलिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 2'69-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिसित व्यक्तियाँ, अभीत्:---6-16 GI/87

(1) श्रीमती सविसा एस० भागवत।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नंदिकिशोर बी० मणियार।

(भ्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरिती और भ्रन्य।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

(4) मन्तरिती और मन्य।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी

जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध

का ग्रष्ट सम्बना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गवा है।

### अनुसूची

फ्लैट नं॰ ए-7, स्नेह सदन, नौरोजी गमाडिया रोड, खंबाला हिल, बम्बई-26 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/10514/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-7-1987 रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहंमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई:

दिनांक: 5-3-1987

मोइएः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

काथितय सहायक बायकर आयक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, बम्बई

वस्थई, दिनांक 5 मार्च 1987

निर्देश सं० म्राई-1/37 ईई/11959/85-87—-भ्रतः मुझे, निसार महमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी सं० ए-8 स्नेह सदन, इंडियन युनियन को-भ्राप हार्छिसंग सोसायटी लि०, नौरोज गमाडिया रोड, खंबाला हिल, बम्बई-26 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) । और जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम, 1901 की धारा 269 क, ख के प्रभीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। सारीख 8-7-1986

को प्योंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकित संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमें या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, लिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री पृथ्वीराज एस० भागवार।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कमलिकशोर बी० मणियार

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पति है)

(4) भ्रन्तरिती और भ्रन्य।

(यह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्तकरी जनता हैं कि यह सम्पत्ति में हितब द्व हैं।

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूच्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सर्कांगे।

स्पाकितरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस उध्याय में दिया गया है।

### श्रनुसूची

ए-8 स्नेह सदन, इंडियन युनियन को-श्राप० हार्जीसग सोसायटी लि०, नौराज गमाडिया रोड, खंबीला हिल, बम्बई-26 में स्थित है।

भ्रानुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37 ईई 10515 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायेक्त (निरीक्षण) झर्जनरेंज-1 बस्टर्स

विनांक 5-3-1987 मोहर: प्ररूप बाहु . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्ज रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 माुर्ज़े 1987

निर्बोग सं० भ्राई-1/37 ईई/1/1978/85-86——प्रतः मुझे निसार भ्रहंमद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय नं० एच-11, वी मंजिल, ताछ्देव प्रिमायसेम को-आंप० सोसायटी लि०, 156, ताछ्देव रोड बम्बई-34 में स्थित है। और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है। और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम. 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 8-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विक्वास का कारण है कि समापूर्वोक्य सम्पत्ति का कितर बाजार मूल्य, इसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित ग्रंद्वरेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त विचित्रियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के क्षिण्ड में कमी करने या जनसे सकते में कृषिका के अन्य वीड़/या
- (क) एसी किसी बाव वा किसी भव था अन्य आस्तिवाँ को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा

अतः अयं, उथत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के लिए, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्रीमती सावित्री देवी चोप्रा।

(धन्तरक)

(2) श्री हरीश जग्गी और श्रीमती सकुंतला जग्गी। (ध्रन्तरिती)

करं यह सूचना चारी करके पृथींका सम्परित में वर्षम के फिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उन्त कम्पत्ति में अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की रामीस से 30 दिन की बनिभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, जो भीतर पूर्वोक्छ स्मिक्तयों में से किसी स्थक्ति ह्वाराह
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव रसम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कथांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरण :---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो उस कथ्याय में दिया गया है।

### जन्स् भी

कार्यालय नं० एच-11, 9वीं मंजिल, ताडदेव प्रिमायसेस को-ग्रॉप० सोसायटी लि०, 156, ताडदेव रोड, बम्बई-34 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्राई-1/37 ईई/10520/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 8-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निभार भ्रहपद सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज-1 बम्बई

दिनांक 6-3-1987

# धक्य नार्व<sub>ा</sub> टी, एस, एस<u>.</u> ----

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) **की भारा** 269-च (1) के अ**धी**न सूचना

भारत सरकार

### क्रायांस्रय, **सद्यायक मायकर बायक्त (विरोक्षक)**

भ्रार्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, विनांक 5 मार्च 1987

निर्देश सं० अई-1/37 ईई/11985/85-86—-अतः मुझे निसर शहंसद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' महा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट सं० नं 11, डी० इमारत, पेटीट हाल, सी० एस० नं० 356, मलबार प्रण्ड खंबाला हिल डिविजन, बम्बई, में स्थित है। और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रुप से विणित है। और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख विनांक 8-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सप पाया गया प्रतिफल निम्तिलिखत उष्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी अप की बादस उपस जीध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, क्यिनों में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थास्ः— (1) मलबार इंडस्ट्रिज प्रायवेट लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पृथ्वीराज पारीखा।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबत्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकारी।

स्पव्यक्तिरणः ----इसमे प्रयुक्त शब्धों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुस्ची

पसीट नं० 11, डी-इमारत, पेटीट हाल, सी० एस० नं० 356, मलबार एण्ड खंबाला हित डिविजन, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/37-ईई/10521/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनाक 8-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार म्रहंमद सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 5-3-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मार्च 1987

निर्देई सं॰ भ्राई-1/37 ईई/11996/85-86---भ्रतः मुझे निसार ग्रहंमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 121, 3री मंजिल, नक्युग नगर, फोजेट हिल रोड बम्बई-36, में स्थित है। और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है। और जिसका करारनामा आयकर अधिनियस, 1961 की धारा 269 क, ख के अधिन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 8-7-1986

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृशमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुन्दें किसी आय की बाबते, उक्ते अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिया के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) रमेशचंद्र केशोराम खन्ना।

(म्रन्तरक)

(2) राम गोपाल लालाराम गुप्ता और ग्रन्य। (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

फ्लैट नं० 121, 3री मंजिल, नवयुग नगर, फोर्जेट हिल रोड, बम्बई-36 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि अरु सं० श्रई-1/37-ईई/10525/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 6-3-1987

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1987

निर्वेश सं० भ्राई-1/37 ईई/12005/85-86— भ्रतः सुक्ते निसार भ्रहंमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख़ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रापये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 91, 16वी मंजिल, दरीया महल को-म्रांप० हाउसिंग सोसायटी लि० नेपियन सी रोर्ड, बम्बई-6 में स्थित है। और इससे उपाबद प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है। और जिसका करारनामा प्रायकर ग्रधिनियम 1908 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 14-7-1986

का पूर्वाकत सम्पत्ति को उपित बाजार मृत्य सं कम को स्थमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मून्य उसके स्थमान शीनफल गं, एस स्थमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिसत से बीधक हैं बौर अन्तरक (वंतरकों) और बंतरिती (वंतरितिवां) के बीच एसे बंतरण के लिए तम पाना नया प्रति-कल निम्नसितित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में वास्तिक कम से किश्त नहीं किया गया है स्न-

- (क) बल्दरण हो हुई किसी बाग की नाम्स सकत बिधिनियम के स्थीन कर दोने के जन्तरक के श्रीयत्वे वो कमी करने वा उससे क्याने में सुविधा के लिए; हरीर/वा
- (वा) एसी किसी नाय या किसी भग या बन्य जास्तिएं कां, जिन्ही भारतीय जायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, धा अन्ति अधिनियम, धा अन्ति अधिनियम, धा अन्ति अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अधियोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण या या किया वाना वाहिए था, कियाने में सूरिप्रका से विका

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विजय कुमार पारीवाल।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स बागला मोटर्स प्रायवेट लि.

(भ्रन्तरिती)

(3) श्री ललित कुमार बागला । (वह ब्यक्ति जिसक ग्रधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कर्मानाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भीआक्षेप :---

- (अ) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन को तारीख वे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच हो 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वास अधोहस्ताक्षारी की पास सिचित मों किए वा सकोंने ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कल काँचिनियम, कें अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा स्थार हैं।

### अनुसूची

प्लैंट नं० 91, 16वीं मंजिल, दर्श महल को-म्रांप० हाउसिंग सोसायटी लि०, नेपियन-सी रोड, बम्बई-6 में व्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्राई-1/37-ईई/10594/ ए/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढारा दिनांक 14-7-1986 को रजिस्टर्ड कियागया है।

> निसार श्र<sub>ं</sub>मद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, **बम्ब**ई

दिनांक . 11-3-1987

नोहर:

प्रकृषः बाह्रः हो . एव . एस : ------

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

### भारत तरकार

कार्यालय, सङ्गयक आयकर <mark>धायुक्त (निरीक्षण)</mark> श्रर्जन रेंज-1, बम्ब**ई** 

बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1987

निर्देश सं० श्राई-1/37 ईई/12008/85-86---श्रतः मुझे, मिसार श्रहंमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 1,09,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 91, 10वी मंजिल, विपक, पेंडर रोड, बम्बई-26, में स्थित है । और इससे उपाबद्ध अनसूची में और बूर्ण रूप से वर्णित है । और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधिन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 8-7-1986

को पूर्वित सम्मित के उचित बाजार मुख्य से कम के करमान प्रतियान के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का धारण है

कि यथा प्वेक्ति सम्पत्ति का उचित्त बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) की बार्च प्रतिफल, जिन्निलिखें) की बार्च एमे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखिठ उद्योध्य सं उवत अन्तरण लिखित में जास्तिविक रूप से किथत मुझे किया गया है....

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; अरि/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-**ण की उपधारा** (1) के अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :---- (1) विरेन नागिनदास कपाडिया !

(अन्तरक)

- (2) विजयसिंग बालचंदजी पाडोडे और श्रन्य। (श्रन्तरिती),
- (3) ग्रन्तरक । (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुभना आपी करके पूर्वोक्त सप्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अपिकतयों पर सूचना की ताम्लि से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्टीकरण .---६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नमस्पी

फ्लैट नं॰ 91, 10वी मंजिल, विपक्त. पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं. श्रई-1/37-ईई/10529/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 8-7-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहंमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

**दिनांक**: 5-3-86

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, विनांक 5 मार्च 1987

निर्वेश सं० म्रर्ह-1/37 इंड/12023/85-86—-म्रतः मुझे, निसार म्रहमद,

कानकर अधिनिवस, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसमें इसमें पर्वात् 'उदतः अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-च के अधीन संक्रम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं प्लैट नं 42, 6ठी मंजिल, दरीया महल, 3, नेपियन—सी रोड़, बम्बई—6 में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बिणत है), भौर जिसका करार-नामा श्रायकर मिधिनियम, 1901 की धारा 269क, ख के भधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 8 जुलाई 1986

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया परिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-जियम की अधीन कर होने के बंदरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; और/शा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क? जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, जिपाने में सुविधा के जिए;

अत: अब, उबल अधिनियम कि धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- (1) श्री एस० बी० ग्रग्नवाल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० के० चौधरी ग्रौर ग्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यमाहियां शुरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच सं 45 किन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना पर की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, जो भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी-व्यक्ति व्यक्तिया;
- (व) इस म्बना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित्यबृध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास शिवित में किए वा सकोंने।

स्पष्टिकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-के में परिभावित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लैट नं० 42, 6ठी मंजिल, दरीया महल, 3, नेपियन-सी रोड़, बम्बई-6 में स्थित है।

श्रनुसूची जसा कि ऋ० सं० ग्राई-1/37-इइ/10534/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 8-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार भ्रहमद सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 5-3-1987

प्रसप बाइ टी एन एस . ----

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) , श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1987निर्देश सं० श्रई-1/37इइ/12029/85-86--श्रतः मुझे,

निदश स० ग्रह-1/37इइ/12029/85-86--श्रतः मुझ् निसार ग्रहमद,

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लंट नं० 6बी, 6ठी मंजिल, कार पार्किंग स्पेस नं० 19 श्रौर गेरेज नं० 70, रिझवी पार्क इमारत, 5, श्रल्टा माउंट रोड़, बम्बई—6 में स्थित है, (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करार-नामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1901 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 24 जुलाई 1986

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एेसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिषाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--7---16 GI/87

(1) श्री दौलतराम जेताराम सदारंगानी ग्रौर राजकुमारी दौलतराम सदारंगानी।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. विकाश टी० चुडीवाला, 2. श्रीमती मोहीनी देवी टी० चुडीवाला, 3. लछीराम चुडीवाला, हि० ग्र० कु०, 4. तोलाराम वि० चुडीवाला 5. श्रीमती संगीता वि० चुडीवाला, 6. मास्टर खुशाल वि० चुडीवाला (फादर एण्ड नचरल गाडियन विकाश टी० चुडीवाला)

(ग्रन्तरिती)

- (3) 1. प्रभात टेरपेनेस एण्ड सिन्थेटिक्स प्रा० लि० 2. प्रभात जनरल टरपेन एंड इंडस्ट्रीज प्रा० लि० (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) प्रभात टरपेन श्रण्ड सिन्थेटन्स प्रा० लि० (वह न्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्य-नाहियां शुरू करता हुं।

उन्त संपरित के वर्षन के संयंध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शह लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिंगिकरणः — इस में प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

फ्लैंट नं० 6बी, 6ठी मंजिल, ग्रौर कार पार्किंग स्पेस नं० 19 ग्रौर गेरेज नं० 20, रिझवी पार्क इमारत, 5, ग्रल्टामाउंट रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-1/37-इइ/10306/85- 86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-7- 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 11-3-1987

प्ररूप आर्ड्, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना (1) श्री अनूल श्रवालाल वारोट श्रीर अन्य ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्राणि कपूर जैन स्रौर स्रन्य।

(यन्तरिती)

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेज-1, वस्बई

वम्बर्ड, दिनांक 5 मार्च 1987

निर्देश सं० ग्रर्श-1/37इङ/12034/85-86--ग्रतः मुहो, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार (उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० पलट नं० 20, 2री मंजिल, मोनोलिथ इमारत, 7, नेपियन-सी रोड़, बम्बई-6 में स्थित है, (श्रौर इसमें उपावद्ध अनुभूची में श्रौर पूर्ण रूप में बर्णित है), श्रौर जिसका करार-नामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1901 की धारा 269 क, ख के स्थीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 8 ज्लाई 1986

को पूर्वोक्स सम्पित्त के उचित वाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विस्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिवक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वचने में स्विधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विध्या जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात :—— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ए) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उदत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयूक्त शब्दी और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गाया ही।

#### अनुसूची

पलैट नं ० 2ए, 2री मंजिल, मोनोलिथ इमारत, 7, नेपियन-सी रोष्ट्र, बम्बई-6 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कि० सं० भ्रई-1/37च्ड/10538/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-7-1986 का रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद, मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 5-3-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1987

निर्देश सं० ग्रई-1/37इइ/12038/85-86-ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 41 4थी मंजिल, कवर्ड गेरेज के साथ भक्तवार इमारत, नारायण दाभोलकर रोड, बम्बई-6 में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप रो विणत है,) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1901 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृज्य से कम के रश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विषदास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) आर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक हम से किथत नहीं किया गया है:——

कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 8-7-1986

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, ज़क्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सूविधा को न्यए; बार/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्वित्त के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपवारा (1) में अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमती धवूनमाई फ्रामरोझ कपाडिया ग्रौर ग्रन्य । (ग्रन्तरक)
- (2) निखिल इन्व्हेस्टमेंट कंपनी लि०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन के भीतर उदत स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्यूथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसर्शे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उलत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 41, 4थी मंजिल, कवर्ड गेरेज के साथ, भक्तवार इमारत, नारायण दाभोलकर रोड, वम्बई-6 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-1/37-इइ/10540/85- 86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनां क 8-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज–1, बम्बई

दिनांक: 5-3-1987

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1987

निर्देश सं० म्रई-1/37इइ/12044/85-86----- मुझे, निसार म्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/-ए. रे अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 2, 42, नानक निवास, वार्डन रोड, बम्बई-26 में स्थित है, (श्रौर इ.से उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है,) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1901 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 8 जुलाई 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुकं यह विश्वाम करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बाग्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्थने में सूनिधा के लिए;
- (क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गणा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा के लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) के० बी० गिडवानी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मुभाष कुमार गुप्ता ग्रौर श्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पक्षे का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया ग्यया है।

#### अन्सची

फ्लैंट नं० 2, 42 नानक निवान, बार्डन रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-1/37-इह/10543/85- 86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-7- 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, बम्बर्ध

दिमांक : 5-3-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज--1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1987

निर्वेश सं० श्रर्ध-1/37इइ/12047/85-86---श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 29, सुप्रभात को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 76, वार्डन रोड, बम्बई-26 में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण कृप से वर्णित है,) श्रौर जिसका करारतामा श्रायकर श्रिधित्यम, 1901 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित एक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 8 जुलाई 1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्ध यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हर्ष्ट किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निणिखत व्यक्तियों, अर्थात् : (1) श्रीमती एच० बी० इराणी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रदीप एल० मेहता ग्रौर श्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अन्सूची

फ्लैट नं ० 29, 6ठी मंजिल, सुप्रभात को-ग्राप० हाउभिग सोमायटी लि०, 76, वार्डन रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० प्रई-1/37 इंड/10545/85 -86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-7 -1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

नियार श्रहमद, सक्षम प्राधिकारी, यहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज–1, बस्बई

दिनांक: 5-- 3-- 1987

# त्रक्त साई . ही . एन . एस . -------

# (1) श्री शंकर श्रनंत मावलंकर।

(भ्रन्तरक)

नायकर निधीनयस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के निभीन तुमता (2) श्री चदेश विमणलाल शहा।

(अन्तर्रा)

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज~1, बम्बई - चित्रांच द समर्वे 1000

बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1987

निर्देश सं० ग्रई-1/37इङ/12051/85-86—-ग्रनः मुझे, निसार ग्रहमद,

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जिक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-स्व के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० फ्लैट नं० 304, 3री मंजिल, प्लेझंट पार्क, 65, पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है, (श्रीर इपमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप संविणत है,) श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधितयम, 1901 की धारों 269 के, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 8 ज्लाई 1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पदृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक हुए से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंशरण से हुई किसी आय की बाबत, उमर अधिनियम के अधीन कर दाने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सृविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में मृबिध के लिए।

ातः अध , उवन अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों अर्थात् :— को यह सूचना जारी करक प्यावत सम्यक्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो ।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी बार्धप :----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अबधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अबधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्ति या क्रियों मा से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (लं) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारील से 45 दिन को सीप्तर उपत स्थाधर सम्पत्ति मो हित- भद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवांत्रस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकोंगे।

रगष्टीकरण:--इसमे प्रय्वत अन्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याप 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होंग जो उवत अध्याप में दिसा गया है।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 304, 3री मंज्ञिल, प्लेश्नट पार्क, 65, पेंडर रोड, बम्बई $\sim$ 26 में स्थित है ।

श्रनुमूर्चा जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37–इइ/10546/85–86 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-7–1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 5-3-1987

प्रस्त आई.टी.एन.एभ.-----

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन गुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्राजैन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मार्च 1987

निर्देश सं० ग्रई-1/37र्दर्श-12055/85-86--श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

भारकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतवी पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर संपत्ति जिसका उचित बाजार मत्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
ग्रीर जिसकी संव पलैट नंव 42, दार-उल-मुल्क को-श्रापव हाउमिंग सोक्षायटी लिव, 26, पंडिता रमाबाई रोड, गावदेवी, बस्बई-7 में स्थित है, (श्रीर इसमें उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिन्यम, 1901 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 8 जुलाई 1986

को पूर्विक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नितिखित में बास्मितक रूप से किथन नहीं किया गया है '---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियमं के अभीन कर दोने के अजरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ए) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिमों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना च।हिए था, स्थिपने में स्विधा के लिए।

असः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निनिष्कित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री प्रदीप लालदास दलाल ग्रौर ग्रन्य । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री भारत शांतीलाल मेहना ग्रौर ग्रन्य। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीए से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्ति द्वारा;
- (घ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्रित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधांहरहाधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याद में विया ग्या है।

### अनुसुधी

फ्लैंट नं० 42, घार-उल-मृत्क को-म्राप० हाउसिंग सो-सायटी लि०, 26, पंडिता रमावार्ड रोड, गावदेवी, वम्बर्ड में स्थिन है।

श्रनुसूची जैमा कि क० सं० श्रई—1बी/37ईई—10547/ 85—86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8—7—1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> नियार श्रहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रंज–1, बम्बंई

दिनांक: 6-3-1987

# प्रकार बाह्य हो । एक प्रस्तान वस्तान

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धारा 269-च (1) के वर्धीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

थर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 मार्च 1987

निर्देश सं० ग्रई-1/37ह्इ/12056/85-86-ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्से इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, 16वीं मंजिल, इंटरप्राईज ग्रपार्ट-मेंटस्, फोर्जेंट स्ट्रीट, काम लेन, बस्बई-26 में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रोर पूर्ण का से वर्णित है,) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रक्षिनियम, 1901 की धारा 269 के, ख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिनस्ट्री है, दिनांक 8 जुलाई 1986

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के जीवत बाजार मृत्य से कन के कावजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे

यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का कांचत बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिकत सें, एवं क्रय्याद प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण कि खिल में वास्तविक रूप से किथल नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उन्तर अधिनियम के कधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विभा के लिए; आरि/या
- (छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-का अधिनियम, या भन-का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनार्थ अन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया नक था या किया जाना भाहिए था कियाने में त्रीवधा से निष्य ।

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व को अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्रीमती नृतन राजेन्द्र पटेल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मला चंद्रप्रकाण कोठारी।

(भ्रन्तरिसी)

(3) श्रन्तिनिती । (अह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुधना जारी करके पृथेक्ति सापत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

बक्त संपर्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जबिए या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ व्यक्त स्वता की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी बबिए बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्म्पित में हिस बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए आ सकने।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

### अनुसूची

फ्लैट नं ० 4, 16वीं मंजिल, इंटरप्राईज श्रवार्टमेंट, फेविजेंट स्ट्रीट, ऋस लेन, बम्बई-26 में स्थित है ।

प्रानुसूची जैसा कि कि सं प्रदी-1/37-इड/10548/85-86 ग्रीर जो सक्षय प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-7-1986 को रिकस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहसद, मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रागकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज–1, बस्बई

दिनांक: 6-3-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

कायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकाइ

शायालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 मार्च 1987

निर्देण सं० अर्ह-1/37ईई-12086/85-86--अतः मुझे निसार अहमद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं फ्लैट नं 256, 25वीं मंजिल, इंटरप्राईज श्रपार्टमेंटस्, फोर्जेंट हिल रोड़, ताइदे रोड, बम्बई-36 में स्थित है, श्रांर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रांर पूर्ण रूप से विणित है श्रांर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1901 की धारा 269 के, ख के अभीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिनस्ट्री है, दिनांक 14 ज्लाई 1986

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल के ऐसे स्वयमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतिफन, निम्निसितित उद्देश से उक्त बन्तरण विकित वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अतरण स हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के संवरक के दायित्व मों बामी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; अरि/या
- (क) एसी किसी आथ या किसी धन या अन्य आसितयों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1972 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, रिज्यान में मुनिधा के लिए;

नतः सव, अक्त सभिनियम, कौ धारा 269 म सै अन्तरभ मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपभाग्य (1) कै अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत उस्स 8—16 GI/87

- (1) श्रीमती जयलक्ष्मी सी० ठक्कर ग्रांर ग्रन्य। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मुमेश चन्द्र बुधालाल वर्मा, (हि.० শ্ব০) (श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहम्ताक्षरी की पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय म दिया गया है।

#### जनसूची

फ्लैट नं० 256, 25वीं मंजिल, इंटरप्राईज श्रागिटेमेंटस् फोर्जेट हिल रोड, ताडदेव, बम्बई-36 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि ऋ० सें० श्रई-1/37ईई-10554/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-7-8व को रजिस्टर्फ किया गया है।

> निसार अहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंन-1, जन्बई

दिनोक : 6-3-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीजण)

श्रर्जन रेंज-1,बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1987

निर्द्रोग सं॰ म्रई-1/37ईई-12087/85-86—मृतः मुझे, निसार म्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 से कें अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मन्य

1,00,000/- का से अधिक हैं
श्रीर जिसकी संव फ्लैट नंव 47, 4थी मंजिल, जलदर्शन कीश्राप हाउसिंग सोसायटी जिव, नेपियन—सी रोड़, बम्बई—36
में स्थित है, श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप
से विश्वत है, श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम,
1901 की धारा 269 का ख के श्रधीन वर्मीई स्थित सक्षम प्राधिनारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, दिनांक 14 जुलाई 1986

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहें प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिरियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे रुचने में स्विधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय झायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिश्त व्यक्तियों, अर्थान :---

- (1) श्रीमती क्यू० ए० मॉस्कारेन्ह्स ग्रौर ग्रन्य । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री प्रनील मिठालाल शहा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृथीक्त सम्भाति के वर्जन की जिल्ह कार्यनाहियां करता हो।

उक्त सम्मतितं के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वार्शन ८००

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासींस से 30 दिन की अविधि, को भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स क्यांक्तयां में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) क्क सूचना को राजपत्र में प्रकाक्षन को तन्दीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मितित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पर्धाक्षरण .— - ६ भमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिवस, कं अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अन्स्ची

पलट नं ० 47,4थी मंजिल, जलवर्गन को-ग्राप हाउसिंग सोसायटी लि०, नेपियन-सी रोड़, बम्बई-36 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० म० ग्रई-1/37ईई-10555/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-7-1986 को रजिस्टई किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 5-3-1987

मक्य बार्ड . टॉ. एन . एस . -------

# बारकर नीभवियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन सुबना

भारत सरकार

# कार्याज्य, सहायक भाषकर आयुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1987

निर्देश सं॰ ऋई-1/37ईई-12089/85-86-धतः मुझे, निसार भहमद,

नायकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निर्मित्यम्' कहा गया इ'), की भारा 269-व के अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार सून्य 1,00,000/- रु. से मिथक है

श्रीर जिसकी सं व दुकान नं 99, तज माला, हिरा पन्ना शाँपिंग सेंटर, भुलाभाई देसाई रोड़, ताड़देव, बम्बई—34 म स्थित है, श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम, 1901 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रीधकारी के कार्यालय में रिक्ट्री है, दिनांक 14 जुलाई 1986

को प्र्वोंकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षणमान प्रतिकास के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वाच करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रूट्य, उसके क्रयमान प्रतिकास से, इसे क्रयबान प्रतिकास का प्रवृद्ध प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ष्य, विम्नसिचित उद्दोष्य से उचित अन्तरण निविद्ध में प्रास्ति के क्ष्य से क्षियत नहीं किया ग्या है १०००

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त वृश्विमयम के बधीन कर दोने के अन्तर्क के दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविका के लिए; बांड/मा
- (क) एंची किसी जाय वा किसी धन वा बन्य वास्तियों को विनहें भारतीय वाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम सा ध्वकर व्यक्तिप्रवाह, 1957 (1957 का 27) के प्रवोद्याधी वन्तिरती इवारा प्रकट नहीं किया ववर या वा किया वाना वाहिए था, कियाने में स्थिश के विदेश

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्थिनतयों, अर्थात् :--- (1) श्री गीपालदास टिकमदास महतानी ।

(भ्रन्तरक)

(2) थी मोइम्मद हनीफ हाजी अहमद कपाड़िया । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनस सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप ह

- (क्षां अस सुरका को राज्यभ में प्रकादन की तारीस से 45 दिन को भवभि था तत्सम्बन्धी स्थितसमें पर सुजना की तानीस से 30 दिन को सबीध, जो भी सबीध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थानितमों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीच कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास मिनित में किए या सकेंगें।

स्वकाकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्ति विभिन्दम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सर्थ होगा, जो उस जभ्याय में विदा गय:

वन्सू ची

दुकान नं० 99, ५ल माला, हिरा पन्ना णार्षिण सेंटर, भुलाभाई देसाई रोड़, ताड़देव, बम्बई-34 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37ईई-10557/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार महमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 5-3-1987

प्ररूप आहूर टी एन एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1987

निर्देण सं० श्रई०-1/37ईई-12096/85-86----यतः मुझे, निसार श्रहमद,

भागकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसकें इसकें प्रभात 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित शाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० फ्लैंट नं० 11-ए 6ठी मंजिल गंगोत्री 89/89ए बार्णेंगंगा रोड, बालकेश्वर, बम्बई-6 में स्थित है (और इमन्दें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रिधकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 14 जुलाई 1986

को पूर्विकत सम्मित्ति के उचित बाजार मृत्य से कन के स्वयमान भितिफल के लिए अन्तरित का गई है और मृश्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापृतेंकित सम्मित्त का उचित बाबार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल सं, एसे स्वयमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अंतरकों) और जन्तरिती (अंतरितिमों) के बीच एस बन्तरक के लिए दव पाना च्वा विरिक्त फल निम्नलिखित उव्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कर्त है कर्षण पड़ी क्या एसा है कर्न

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के वायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) प्रसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के तिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात् :--

- (1) सुकेतू एंड सुभाष मिणिथिया फैमिली सेटलमेंट ट्रस्ट । (श्रन्तरक)
- (2) डा० भफाली राजेन्द्र शाहा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

#### उक्त सम्बन्धि को क्षांन को सम्बन्ध मा कोई भी बाक्षां ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीक्षर उक्त स्थायर सम्पत्ति मो हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वर्ष पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयूक्त राज्दों और पर्दो का, जो उक्ता बिभिनियम के अध्याय 2) के भे परिभाषित : है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लैंट नं 11-ए 6ठी मंजिल गंगोत्री, 89/89ए /बाण-गंगा रोड बालकेश्वर, बम्बई-6 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37ईई-10558/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-7-1986 को रितस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 5-3-1987

### त्रस्य बाह्", ही, एन, एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, बम्बर्ड बम्बई, दिनांक 5 फरवरी 1987

निदेण सं० ः ई-1/37ईई/12114/8-86--यतः

मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/रुरुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लैट नं० 103 नौरोजी गमाडिया रोड बम्बई-26 में श्रीरवन श्रोरन शेल्टर गैरेज के साथ में ∦स्थित है है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्ण ऋप से विणित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 के खे के श्रधीन बम्बई स्थित ∦सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 14 जुलाई 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से मूक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या धन ता अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उचत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अनिरती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) महबूब वि० सोनावाला ।

(भ्रन्तरक)

(2) प्राण नाथ मेहरा श्रीर श्रन्य।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्य सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अवधि या शत्मवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिल की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपर में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उकत स्थायर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में ळिए जा सकरें।

स्प्रकोकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उन्कत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **बन्**स्ची

फ्लैट नं० 103, 5, नौरोजी गमाडिया रोड, बम्बई–26 ग्रौर वन ग्रोपन शेल्टर गैरेज के साथ स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-1/37ईई-10562/ 85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 14-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निमार ग्रहमद मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 5-3-1987

प्रकप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई
बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1987

निर्वेश सं० प्र-1/37ई-12115/85-86---ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारणे हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० पलैंट नं० 18, 6ठी मंजिल राजहंस 6 डुंगरशी रोइ, बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप मे विणित है) और जिसका करारनामा आयकर धिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है विनांक 14 जुलाई 1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृत्रिधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः वर्षः, उक्तः अधिनियमः, कौ धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्तः अधिनियमः की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) नलिन नागरदास प्रयलानी ग्रीर प्रन्य।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती पूर्णिमा सी० महता ।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरिती। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीलं से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा संकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया हैं।

### ममुस्ची

फ्लैट नं॰ 18, 6ठी मंजिल राजहंस 6 डुंगरशी रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37ईई-10563/85- 86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनाक 14-7- 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 5-3-1987

प्रस्प नाइं.टी.एन.एस. -----

जाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, महायंक कायंकर क्षायंक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मार्च 1987

निर्वेश सं० प्रई-1/37ईई/12121/85-86---यतः म्हो, निसार श्रष्टमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को एक विक्वाय करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिस्का उक्ति बाजार मध्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० बेस में जो व्हाइट हॉल इमारत में 143, ए० के० मार्ग, बम्बई-36 में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा स्राय-कर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 14 जुलाई 1986।

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उनित अजार भृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्म हैं और भूको यह निष्णाम करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति को उण्डित जाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के बिए सर्य पाया गया प्रतिफल निम्निलिश्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्तित में बास्तिक ख्य से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) जंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त किन नियम के अधीन धार दोने के अंतरक के दारिक्त जो रूपी करने या उभसे उत्तन में स्रिधा के लिए। जर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आरितयों को जिन्हें भारतीय आयकर किथिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम या भनकर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए

कतः कतः, जकतः अधिनियमं की धारा 269-मं की अनसरण मं, मं, जक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की अपशासा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मैं सर्स बी० जमासजी मिस्त्री प्राईवेट लि०। (भन्तरक)
- (2) इंडिया भेफटी वाल्यूटस् लि०। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारा से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी सन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्थरिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, को उक्त अधि -नियम के अध्याय 20 -क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुमूची

बेसमेंट जो व्हाइट हाल इमारत में, 143, ए० के० मार्ग, बम्बई-36 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि के सं० ग्रई-1/37—ईई/10564/85—86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, अस्बई द्वारा दिनांक 14–7—1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-1, बस्बई

तारीख: 6-3-1987

प्ररूप जाडे.टी.एन.एस.-----

माय कर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) -डे अभीन स्वना

#### भारत भरकार

# कार्यालयः, सन्नायक बायकर बायक (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज 1, बंबई बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1987

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई-12124/85-86—-ग्रनः मुझे, निसार शहमद,

बायकरं बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1 00.000/- क. से अधिक है

और जिसकी सं० पलेट नं० 8, 5वीं मंजिल, ताहेर मंन्शन, नेपियन-सी रोड, बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणित है) और जिसका करार-नामा आयकर प्रधिनियम, 1901 की धारा 269 क,ख के अधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, विनांक 14-7-1986।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकम के सिए अन्वरित की नहीं हैं और अके यह विकास करने का कारण है कि समाप्नींकत सम्बद्धि का विकास मूल्य, उन्ने का कारण प्रतिकास दे एवं व्यवनान प्रतिकास के उन्दर्ध प्रविक्षत ने विकास के उन्दर्ध प्रतिकास के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा प्रमाप्तिकाल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं शुरू किश्ती बाव की बावत, सक्त विधिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरण के शामित्व में कमी करने या खराखे वचने में सुविधा सार/या
- (क) प्रेसी किसी बाब वा किसी धन या जन्म वान्धियों की जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत निधीनयम, या धन-कर निधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती श्वारा प्रकट नहीं निध्या स्थान वा किया बाना चाहिए का, कियाचे में साजधा ने किए।

शत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी. मी, अन्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) कें अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अचित् के —

- (1) श्रीमती, शाहवीवी नूरुद्दीन पवमणी। (श्रन्तरक)
- (2) रामदास मुरारजी।

(श्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरका

(वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को बर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की नविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 विन की नविध, जो भी नविध नाह में समान्त हाती हो, के भीतर पृबोचत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर पम्पत्ति में हितवहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोतरहाशारी के पास निविधत में वित्र जा सकींगे।

स्यव्यक्तिरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, श्री उक्त जायकर अधिनियम के अध्यास २००क में परिभाषित हैं, वहाँ। अर्थ होंगा जो उस् अध्यास में दिया

#### नन्त्र्ची

फ्लैट नं० 8, 5वीं मंजिल, ताहेर मंन्शन, नेपियन-सी रोड, बम्बई में स्थित है।

भ्रमुसूची जैसा की कर्ना० भ्रई-1/37-ईई-10565/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बंबर्ड द्वारा दिनांक 14-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1, सम्बर्ह

तारीख: 5-3-1987

### प्रस्प बाह्रे. टी. एप. एव.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### HIZO UZUIS

. कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज 1 बम्बई बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1987

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई-12125/85-86--- ग्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/-क. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 17, निर्मल महल, 3री मंजिल, बोमणजी पेटीट रोड, बम्बई-36 में स्थित है। (और इससे उणबद्ध प्रमुस्त्री में और पूर्ण रूप से बॉणत है) और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम, 1901 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 14-7-1986।

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ब है और मफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, जब्द अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 9—16 GI/87

(1) श्रीमती मालती यू० पटेल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती लिली डी० भंसाली।

(भ्रन्तरिती)

(3) म्रन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह संघना धारी करके पूर्वेक्स सम्पक्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुई ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 विन की अविधि या तत्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर राम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पठों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुरी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

पलैट नं० 17, निर्मेल महल, 3री मंजिल, बोमणजी टीट रोड, बम्बई-36 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा की ऋ०सं० भ्रई-1/37-ईई-10566/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बंबई द्वारा दिनांक 14-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार भ्रहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बंबई

दिनांक 5-3-1987

प्ररूप आहर्. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनिम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

प्रर्जन रेंज 1 बंबई

बंबई, दिनांक 5 मार्च 1987

निदेश सं ं श्रई-1/37-ईई-12145/85-86--श्रतः मुझे निसार-ष्रहमव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/एउ. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 2, यूनिट नं० 1, 1ली मंजिल, ए-88, कारमायकेल रोड, चान्सलर कोर्ट, बम्बई-26 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं) और जिसका करा नामा प्रायकर प्रधिनियम, 1901 की धारा 269 क,ख के प्रधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 14-7-1986। को पूर्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफत का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पारा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखत वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, जबत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृत्यिधा के लिए; और/था
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय शाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तिलों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती व्यत्नादेवी जीव अगरवाल और अन्य। (अन्तरक)
- (2) श्री रामचंद श्रात्माराम और ग्रन्य। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ।--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त लिखित में किए जा सकरें।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

स्थळ्दीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

पलैंट नं० 2, यूनिट नं० 1, पहली मंजिल, चान्सलर कोर्ट, ए/88, कारमायकेल रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

भ्रानुसूची जैसा की क०सं० भ्रई-1/37-ईई-10575/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बंबई द्वारा दिनांक 14/7/1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्राहमद सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, अम्बई

दिनांक : 5--3-1987

# प्ररूप नाइ". टी. एन. एस. 🗝 🗕 🗸

आयवःर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यासम, सहायक जायकर जायुक्त (निरोक्तण)

श्चर्जन रेंज-1, बंबई

बंबई, दिनांक 5 मार्च 1987

निवेश सं० श्रई-1/37-ईई-12151/85-86---श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्ता अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मोंट ब्लांक अपार्टमेंट, पलेट नं० 181, 18वीं मंजिल, धादी गेंठ हिल, भ्रांगस्ट क्रांती मार्ग, में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और रूप से विणित है) और जिसका करारनामा भ्रायकर श्रधिनियम, 1901 की धारा 269 क, ख के भ्रधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 14-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- [का) बन्तरण से हुई किसी नाम की बाबता, उक्त बिधिनियम के संधीन कर याने के अन्तरक के बिस्टिय में कभी करने या उससे बजन में सुरिजा के सिद्ध बीडि/या
- (ण) एसी किसी भाग या किसी धन या जन्म भारितयों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ता अधिनियम, अधिनियम, अधिनियम, विश्व अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था छिपाने भी स्वीक्षण भी निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) भिक् सोराबजी।

(धन्तरक)

(2) टोयो इंजिनियम्बर्रिंग इंडिया लिमिटेड। (मन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों।

(वंह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

वयत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप रू-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्रध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अम्स्ची

फ्लेट नं० 181, 18वीं मंजिल, दादी ग्रेठ हिल, धाँगस्ट कांती मार्ग, मोंट ब्लांक भ्रपार्ट, बस्बई-7 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० भ्रई-1/37-ईई-10577/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बंबई द्वारा दिनांक 14-7-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार भहमव सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बंबई,

दिनांक: 5-3-1987

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के बधीन सूचना भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, अम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मार्च 1987

निवेश सं० श्रई०-1/37ईई/12152/85-86-- अतः मुझे, निसार ब्रहमव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मृत्य 1,00,000/- रुप्त संअधिक हैं

1.,00,000/- रु में अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 11 सी, 11 वी मंजिल, विग-बी,
श्रिभलाषा, सी० एस० नं०530, गोवालिया टब्क रोड,
बम्बई-36 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर
पूर्णरूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम,
1901 की धारा 269 कंख के श्रिधीन, बम्बई स्थित संक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। तारीख 14-7-86
को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान
प्राधिक से लिए इन्तरित की गई हैं और भूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
बूह्म, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे ख्रयमान प्रतिफल का
बंद्ध प्रतिकात से अध्यक्ष हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती
(बन्तरितियों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तम पामा गया
इतिफल निम्नलिकत उद्वेष्य से उक्स अन्तरण कि सिक्त में
बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; कीर/या
- (ज) एसी किसी भाग या किसी धन मा भन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया चया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के किए;

नद्ध जब, उथत विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक मैं, मैं, उपत अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निविधित व्यक्तिमों, अर्थात् ः—— (1) मेसर्स चेतन भासोसिएटस

(भ्रन्तरक)

(2) श्री • चं बूलाल गांगजी फोमवाला श्रीर श्रन्य (धन्तरिती)

कोर यह सूचना जारी वारको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति की अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाध्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त अधिकत्यों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के उध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### भनुत्त्वी

पलेट नं० 11सी, 11वीं मंजिल, विग-बी, 'म्रिभिलाषा, सी० एस० नं० 530, गोवालिया टैंक रोड़, बम्बई-36 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि कम० सं० प्रई-1/37ईई-10578/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार घहमद सक्षम प्राधिकारी सक्षायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 6-3-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त निरीक्षण) प्रजन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 मार्च 1987

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 11डी, 11वीं मंजिल, विंग-बी, प्रभिलाषा, सी० एस० नं० 530, गोवालिया टैंक रोड़, बम्बई-36, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विंगत) है और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 14 जुलाई 1986

को पूर्नोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्योख से उचत अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित महीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आयक्षी बाबत सकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तस्क के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए। और/बा
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों करे, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

नत् वं उत्त निभिनियम की भारा 269-ग के जन्सरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारार (1) के जभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हिल्ल 1. मेसर्स चेतन एसोसिएटस्।

(भ्रन्तरक)

2. श्री हसमुखलाल गांगजी गाडा और ग्रन्य। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपहित में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का जो उक्त निध-नियम के नध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्भ होगा जो उस नध्याय में दिया गया है।

# थनुसूची

फ्लेट नं 11 डी, 11 वी मंजिल, विग-बी, श्रिभिलाषा, सी एस व नं 530 गोवालिया टैन्क रोड, अम्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की कि० सं० अई-1/37ईई-10579/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनाक 14-7-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार महमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-1, कम्बई

विनांक: 6-3-1987

# प्रक्ष बार्वक की व प्रम , प्रस्कारणकार

नाथकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नेथीन स्वना

# भारत करकाड कार्याणय, सहायक धायकर आयुक्त (विरीक्तिण)) श्रजीन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1987

निर्देश सं० अई-1/37ई5/12164/85-86--भ्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रापये से अधिक ही

और जिसकी सं० धुकान नं० 21, तल माला, प्रश्ण चेंबर्स ताइदेव रोड़, बम्बई-34 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है, और जिसका करार-नामा भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 14 जुलाई 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्दिश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी बाव या किसी धन या अप्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में जुनिका में जिल्हा

. जतः अब, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत्:--- 1 जनरल कर्माशयल कंपनी।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीके० डी० हाथीरामानी और प्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

3. भ्रन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुक्र करता 🗗 🗓

### वक्त कम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बासरे अ-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की ताराल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकनि।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अन्सूची

दुकान नं 21, तल माला, श्ररण चेंबर्स, ताडदेव रोड़, बम्बई-34 में स्थित है।

अनुसूची जैसा को क० सं० प्रई-1/37-ईई-10582/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा विनांक 14-7-986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-1, बम्बई

विनांक: 5-3-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भागकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) को सभीत सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आव्यक (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6-मार्च 1987

निर्देश सं० श्रई-1/37ईई/12165/85-86--श्रतः मुझे निसार श्रहमद,

आयकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 7, 4थी मंजिल, सोरेन्टो 12, माउंट प्लेझंट रोड़, बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)और जिसका कार-नामा श्राप्कर श्रिधिनियम 269क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 14-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-मियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बेचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अतः अब, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री बसराम दारकादास नागपाल और श्रीमती विमला बलराम नागपाल।

(अन्तरक)

2. मैसर्स बायेर (इंडिया) लिमिटेड।

(ग्रन्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बार्जप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अर्थिकार्यों में में किसी अलिस द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षणी के पास निधित में किए जा सकोंगी।

स्पद्धीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जे जस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लेट नं० 7, 4थी मंजिल, सोरेन्टो, माउंट प्लेझंट रोड़, बम्बई-6 में स्थित है।

भ्रनुसूच जैसा की कि सं० अई-1/37ईई/10583/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार घहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक 6-3-1987 मोहर:

# **प्रका बाद**् ही. एवं. एव

# भावकर व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-य (1) के बधीन स्वना

#### बारस सरकार

# श्वासंत्रय, सङ्घायक बादकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1987

निर्देण सं० श्रर्६-1/37ईई/12174/85-86—श्रतः मुझे निसार श्रहमद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृल्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 21, 6ठी मंजिल, ब्लू डेनिया, के भ्रॉफ पेडर रोड़, बम्बई-26 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद भ्रानुसूची में श्रीर पूर्ण रूप संविणत है) जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रिधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 14 जुलाई 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान वितिष्ठल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते वह विश्वात करने का कारण है कि अवाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार करने का कारण है कि अवाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के वित्त के अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया। इंग्लिक कि किस्सित के सम्बद्ध कि किस के वित्त के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरक से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त विश्वित्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें अ<sup>क्षित्</sup>य के कभी करने या उनसे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा सकत अधिनियम 1922 अने नियम 1957 (1957 को 27) के प्रतिपद्धार प्रकर्णा अन्तर्भ प्रवासिक के प्रतिपद्धार प्रकर्णा अन्तर्भ प्रवासिक के प्रतिपद्धार जाना चाहिए था, छिपाने, में नृष्टिभा के निर्माः

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थाट:---

1. श्री गंगादास प्रागजी मेहता।

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री रक्ष्मीकुमार जेठालाल झवेरी श्रौर झन्य। (श्रन्तरिती)
- . 3. ग्रन्तरका

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

का वह सूचना धारी करके पूजीवत संप्ति के अर्थन के सिंह कार्यनाहियों करता हूं।

# क्ष्यह स्टब्रीस्ट में वर्षन में स्टब्स्य में कोई भी माधोर्:---

- (क) इस न्यान के राज्यन में प्रकाशन की तारीय हैं
  45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर
  स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि को भी
  सर्वीय कार में समस्य होती हो, से बीवर पूर्वों कर
  स्वित्व में से किसी स्वित्व प्रवास:
- (क) इत सूचना के राजपन में प्रकाशन की शारीब से 45 दिन के भीतर जन्म स्थानर संपरित में हिराबन्ध किसी काम स्थानत स्थानत स्थाहरताक्षरी के बात जिल्हा में किस का स्कींगी।

स्थाकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पड़ों का, जा सक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका क्वा है।

# जनसूची

फ्लैट नं० 21, 6ठी मंजिल, ब्लू गार्डिनिया, आँफ पेंडर रोड़, अभ्बई-26 में स्थित है।

धनुसूची जैसा की ऋ० सं० ग्रई-1/37ईई/10586/85-86 ग्रीर जो क्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

विनांक: 5-3-1987

# क्ष्म नार्क्ष हों। प्रमा हर्ष

साथकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन स्थान

#### BIST METERS

क्षायां स्त्र . **सहायक मानकार जागुन्त (निर्दाक्षण)** अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बर्फ, दिनांक 5 मार्च 1987 निर्देश सं० प्रर्द-1/37 इंडि/12189/85-86---प्रतः मुझे निसार **प्रह्मद**,

हानकार निधिन्यम, 1961 (1961 का 43) शिव्यं इन्वें इसके परचात् 'उक्त निधिनमन' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम् प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मूक्त 1,00000/-क. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, यूनिट नं० 1, 2री मंजिल, कान्सलर कोर्ट, ए/88, कारमायकेल रोड़, बम्बई - 26 में स्थित है (ग्रौर इससे उनाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 14 जुलाई 1986

को पूर्वोक्ड संपरितं के अभित बाजार मृत्य से कम के शरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द

हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्वेष्य से उक्त बंतरण सिवित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उस ऑधिनयम, या धनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, कियाने जे प्रियं भी लिए?

अतः अर्थः, उक्त अधिनियमः की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीना, निम्निसिशत व्यक्तितों, अर्थात् :—— 10—16 G.I./87 1. श्री पी० श्रार० श्रग्रवाल श्रीर अन्य।

(ग्रन्तरक)

2. श्री दिलीन कुमार ग्रात्माराम ग्रीर ग्रन्य

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त कम्पत्ति को वृर्धन को जिल्ला कार्यवाहियां करता है।

#### उनत तम्परित के नर्वन के सम्बन्ध में कोई भी वालेंच :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 विम की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील ले 30 विन की अविधि, जा भी अविध बाद में सभाष्त होती हों, के भीतर प्वीक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्विता स्वाराः
- (क) इस स्कान क राजपत्र मी प्रकाशन की तारोधा ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मी हितबद्व के किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहरताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों औार पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया विषा हैं।

## **अनुसु**ची

फ्लेट नं० 3, यूनिट नं० 1, 2री मंजिल, चान्मलर कोर्ट, v/88, कारमायकेल रोड़, बम्बई-26 में स्थित है।

श्रनुभूची जैसा की ऋप सं० श्रई-1/37ईई-10590/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, **बस्ब**ई

दिनांक: 5-3-1987

प्ररूप आहर् .टी .एन .एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-ष (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायंक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1987

निर्देण मं० श्रार्ड-1/37ईई/12198/85-86---श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षमं प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुट से अधिक है

1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी संव पलेट नंव 50, 7वीं मंजिल, हिमगिरी कोश्राप हार्जिंग सोसायटी, हिमगिरी, पेडर रोड, बम्बई-26 में
स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबश्च अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से
विणत हैं) श्रौर जिसका करानामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961
की धारा 269 के, ख के श्रधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं तरीख 14 जुलाई, 1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्यं से कम के दृश्यमान
अतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्यं, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य में उक्त अन्तरण निक्तित
वास्तिकक रूप से किथत नहीं विकास गया हैं:---

- (क) अन्तरण स हुई किसी शाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया उस्त चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए;

अतः अदः, उक्त् अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री श्रोमप्रकाण कपूर।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती पृष्पा धनजी ठक्कर।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजेपत्र भें प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना कें राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास. लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लेट नं० 50, 7वीं मंजिल, हिमगिरी को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी, हिमगिरी, पेडर रोड बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्रम० सं० श्रई-1/37-ईई-10592/ 85-86 और जो सञ्जूम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-7-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 5-3-1987

प्ररूप बाईं टी एन एस -----

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1987

्निर्वेश सं० श्रर्थ-1/37-5/12219/86-87--श्रतः मुझे, निसार श्रहमव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 15, 3री मंजिल, वसंत पेडर रोड़, बम्बई-26 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका कारनामा श्राय-कर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 14 जुलाई 1986

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के दरमान प्रित्तिक के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मृत्य, उसके दरमान प्रतिफल से एसे दरमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिकार सं अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त बन्तरण निष्तित में बास्तरिक रूप से कथित महीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; नौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अपितयों, अर्थात् क्ष्म

 $\mathcal{F}_{n}^{k}$ 

1. श्रीमती फूलरानी सेहगल श्रौर अन्य।

(अन्तरक)

2. श्री एस० बी० देसाई श्रीर भ्रन्य।

(श्रन्तरितो

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजप्त्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थव्दीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लट नं राह, अरी मंजिल, वसंत, पेंडर रोड़, बम्बई-26 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/10597/85-86 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-7-1986 को रजिस्टड किया गया है।

> निसार ग्रहमय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 5-3-1987

मोहरः

\_\_\_\_

# प्रथम् बार्च् ही . एन . एव . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### मारत सरकार

# कार्यांकव, सहायक नायकर नायृक्त (निरीक्तक) श्रर्जन रेंज-1 वस्बई

बम्बई दिनांक 5 मार्च 1987

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/12221/85-86--श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्कास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 21 5वीं मंजिल नूतन प्रकाण को-ग्राप० हाउसिंग सोमायटी लि०, 28 रीज रोड़, मलबार हिल बम्बई-6 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूण कर से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क ख के ग्रधी न बम्बई सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 14 जलाई 1986

को पूर्वोकत संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के उस्प्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते बहु विश्वास मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि वथा पूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाजार मूल्या, उसके क्लबाम प्रतिफल से, ऐसे क्रयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकत से वाभक है और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरिती (अन्तरिता) के वीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाम गया प्रतिफल, निम्निकित बहुवेच्य से उन्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप वे कावित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीखित व्यक्तियों अर्थात् ं—-

1. श्री कालीदास मोहनलाल मेहता।

(भ्रन्तरक)

2. श्री दियुष मफतलाल मोदी।

(ग्रन्तरिती)

3. श्रन्तरक।

(बह ज्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पन्ति को क्वान को सम्बन्ध में कोई भी आसीप ह---

- (क) इस त्या के रावपण में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, को भी व्यथि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशित की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए वा सकों में।

स्त्रकाकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्ध जिथिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, वहीं जर्भ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# नन्त्यी

प्लेट नं० 21,5वीं मंजिल, नूतन प्रकाण को-श्रांप० हाउसिंग मोसायटी लि०, 28 रीज रोड़, मलबार हील, बम्बई-6 में स्थित है।

भ्रतुमूची जसाकी कर सं० ऋई-1/37-ईई/10598/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 5-3-1987

प्ररूप आई.टी.एनं.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-I, बम्बई

धम्बई, दिनांक 11 मार्च 1987

निर्देण सं० श्रर्द-1/37-जी०/5421/86-87—-श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० सम्पति जो 2 भुलाभाई देसाई रोड़, जिसका सी० एम० नं० 791 (श्रंण), 1/791, मलबार एण्ड खंबाला हिल डिविजन, बम्बई-400026 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 29 जुलाई 1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क), अन्तरण से हुई किसी आमें की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिख मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (मा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अबं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री पूष्पकुमार माधवजी ठाकरसी,
- (2) श्री प्रदुमना माधवजी ठाकरसी,
- (3) श्री मालीराम मित्तल ग्रौर
- (4) श्री ब्रह्मदन्न जी० मित्तल।

(भ्रन्तरक)

 मैसर्स महालक्ष्मी शिला प्रिमायसेस को-भ्राप० सोसायटी लिमटेड।

(भ्रन्सरिती)

3. सोसायटी के सदस्य ।

(वह व्यक्ति, जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तं सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख एं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकेंगे।

स्मध्दीकरणं: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकता अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गवा है।

#### बन्स्ची

मम्पित्त जो 2, भुलाभाई देसाई रोड़, सी० एस० नं० 719(श्रंण), 1/791 मलबार एण्ड खंबाला हिल डिविजन, डी०-वार्ड नं० डी० 3634(30)/4-ए-6, जिसका विस्तार 1655.71 चौरस मिटर है।

भ्रनुसूची जैसाकी विलेख सं० बाम-2365/79 भौर जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई ब्रारा दिनांक 29-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, बस्बई

तारीख: 11-3-1987

प्ररूप आर्द्दा. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-<sup>I</sup>, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1987

निर्वेश सं० ग्रई-1/37-जी०/5462/86-87—-ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000//- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० जमीन के साथ नया बंगला "न्यू रेडीमनी हाउस" भ्रौर भ्राउटहाउसेस तथा गैरेजेस जो 49 लेडी लक्ष्मी बाई जगमोहनदाम मार्ग (नेपियन-सी रोड़) जिसका सी० एस० नं० 448 मलबार एण्ड खंबाला हिल डिविजन बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26 नवम्बर, 1986

को पूर्वो क्त सम्पित्स के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आभ की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमे या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें, अनुसरण में, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री हिरजी कावसजी जहांगिर।

श्रन्तरक)

- (2) जहाँगिर हिरजी सी० जहाँगिर श्रौर श्रदेंशिर हिरजीं जहाँगिर (श्रन्तरिती)
- (3) ग्रन्तरक ग्रन्तरितीयों श्रौर उनके परिवार सदस्य। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) भ्रन्तरितीयौं। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरो जनता है कि वह सम्पति में हितबख है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूच्ला के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि क्षाव में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्त बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पुरुद्धीकरणः → इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वही कर्णहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

श्रनुसूची जैसाकी विलेख सं० बाँम 1065/82 श्रीर जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 12-11-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

श्रौर जमीन के साथ नया बंगला "न्यू रेडीमनी हाउस" श्रौर श्राउटहाउसेस तथा गैरेजेस, जो 49, लेडी लक्ष्मीबाई जगमोहनदास मार्ग (नेपियन-सी रोड़) जिसका सी० एस० नं० 448, मलबार श्रौर खंबाला हिल डिविजन, बम्बई में स्थित है।

निसार ग्रहमद<sup>.</sup> सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई

ताहीख: 12-3-1987

प्रकम बाहै, दी , एन , एस , वन्त्रवन्त्रक

आयक<u>र</u> विधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के वधीन सुचना

## भारत वरकार

कार्बासय, सहायक बायकर बायकत (निराधिक)
श्रर्जन रेंज-1, बी, बम्बर्ड
बम्बर्ड, दिनांक 5 मार्च 1987

निर्देश सं० ग्रई-1बी/37-ईई-22 /86-87---ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी संव कार्यालय श्रिमायमेस नंव 441, 4थी मंजिल, पंचरत्न को-श्रापव हाउमिंग सोहायटी लिव, मामा परमानंद मार्ग आपेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित हैं (श्रीर इसने उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), जिसका टारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं तारीख 1 जुलाई 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक्त (अंतरिक्तों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित इद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्ष्म क्ष्मिनियम के अभीन कर दोने के कतरक अ दायित्व में कसी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां करं, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ज्याजनार्थ असीरती दवारा प्रकट महीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिया के लिए;

अतः अजः उद्भतः अधिनियमं की धारा 269-ध की, अनसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातः — 1. श्री पियुष मफतलाल मोदी।

(भ्रन्सरक)

2. श्री विनय बाबूलाल गहा।

(ब्रन्तरिती)

3. भ्रन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में शम्पति है)

को यह स्थाना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्वना के रावपण में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वापः;
- (क) इस त्वना को स्वपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन को भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़क किसी अन्य व्यक्ति इतास अभाहस्ताक्षरी के पास निकल में किए जा सकोंगे।

स्पत्तकेरण:---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, थो उनके विधानयम, के वश्याय 20-क में परिभाषित गया है।

## पनुमुची

कार्यालय प्रिमायशेस नं० 441, 4थी मंजिल, पंचरत्न को-प्राप्त० हार्डीसग सोसायटी लि०, मामा परमानंद मार्ग, श्रापेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ० सं० अई-1बी/37-ईई/10489/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1~7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निमार श्रह्मद मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज-1 बी, बम्बई

दिनांक: 5-3-1987

प्ररूप बाहर. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1987

निर्वेण सं० ग्रई-1बी/37-ईई/24 /86-87----ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

आयाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हु"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० पलेट नं० 602, 65ी मंजिल, शिव लिला,
57, श्रलीभाई प्रेमजी रोड़, ग्रन्ट रोड़ (पूर्व) बम्बई-400007
में स्थित है। श्रीर इससे उरावध्य श्रतुसूची में और पूर्ण रूप
से विजित है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 जुलाई 1986
को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती
(अन्तरित्याँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखत उच्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में
शस्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय मा किसी धन मा अन्य अस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिरियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— मेसर्स भारवानी ब्रॉस एण्ड कंपनी।

(मन्तरक)

2. श्री किर्तनलाल पुरुषोत्तमदाम देसाई श्रीर श्रन्य। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त विक्तों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नगुल्बी

फ्लेट नं० 602, 6ठी मंजिल, शिव लिला, 57, श्रली-भाई प्रेमजी रोड, ग्रन्ट रोड (पूर्व), बम्बर्ड-7 में स्थित है। श्रनुसूत्री जैसा की ऋ० सं० श्रई/1बी/37,-ईई/10500/ 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड द्वारा दिनांक 1-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-1र्बः, बस्बई

तारीख: 9-3-1987

व्यक्त बाह्री, दी, एवं, एवं,------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-व के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) पर्जन रेज-1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मार्च, 1987

निर्वेभ सं० भ्रई/1की/37-ईई-25  $^{\circ}/86$ -87——भतः मुझे, निसार ग्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भारत परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

भौर जिसकी सं० एक बेंडरूम फ्लैंट जो, 3री मंजिल पर, गणेश प्रसाद इमारत, गणेश को-धाप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 10, नौशिर भंडचा मार्ग, बम्बई -400007 में स्थित है (भौर इससे उपावद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) भौर जिसका करारनामा भ्रायकर अधिनियम 1901 की धारा 269 क, ख के मधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जुलाई 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफान के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तियक रूप से कृषित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस्से बचने में सूविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय का किसी अन का अन्य आस्तियों की, जिल्हों भारतीय कायकर विभिन्नका, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिवियम, या अन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूरियधा के लिए;

अत: अध, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उपत अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
11—16 GI/87

1. श्रीमती वसुधरा गणेश चंदावरकर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री निवणनंद्र एम० मेहता (हि० ग्र० कु०)। (ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृश्वीकत संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिकां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजधन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भीं अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्साक्षरी के पास विकित में किए जा सकेये।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त उधिनियम के अध्यास 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनस्ची

एक बेडरूम फ्लेट जो 3री मंजिलपर, डी-विंग, गणेम प्रसाद इमारत, दि गणेश को-प्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 10 नौसिर भरुचा मार्ग, बम्बई-7 में स्थित है।

मनुसूची जैसा की ऋ० सं० ग्रई-1/37-ईई-10506/ 85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी , बग्बई द्वारा दिनांक 1-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1बी, बम्बई

दिनांक: 9-3-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1वी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1987

निर्देण सं० ग्रई-1/37-ईई-26 /85-86--ग्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावन सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- राप्य से अधिक है

भीर जिसकी सं कार्यालय नं 806, 8वीं मंजिल, प्रसाद चेंबर्स , स्वदेशीमिल्स कंपाउंड, राक्सी मिनेमा के पास, बम्बई-4, में स्थित है (भीर इससे उपावज्ञ भ्रनुभूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है) भ्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रधि-नियम, 1902 की धारा 269 क, ख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिक्स्ट्री है, तारीख 1 जुलाई 1986 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास भर्म का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्मिलिखत उद्यश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सूविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिम्त व्यक्तियों, अर्थातः— 🚃 ा. श्री वसंतलाल मुलचंद दोशी ग्रीर ग्रन्य।

(भ्रन्तरक)

2. श्री निलेश चंद्रकात हेमानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
  किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिश हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

कार्यालय नं 806, 8वीं मंजिल, प्रसाद चेंबर्स, स्वदेशी मिल्स कंपाउंड, राक्सी सिनेमा के पास, बम्बई-4 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं ग्रई-1बी/37-ईई-10508/ 85-86 फ्रेंद जी पक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार भ्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1बी, बस्बई

दिनां: 5-3-1987

प्ररूप बार्च. टी: एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्याचम, बहायम नावकार वाव्यत (निरीकार)

धर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मार्चेइ 1987

निर्वेण सं० अई-1/37-ईई-28 /86-87—अतः मुझे, निसार श्रहमद,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विस्ते इसमें इसमें परपात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० एक कर्माणयल प्रिमायसेस जो दुकान नं० 8, तल माला, इमारत, नं० 3, नवजीवन को-भ्रापः हाउसिंग सोसायटी लि०, लिंगटन रोइ स्किम, बम्बई-8 श्रौर (ब) यह दुकान कंपराइज एक कमराके साथ साथ बाथ-रूम-लबेटरी है। उसके साथ परेज या लाबी नहीं है। (क) इस दुकान का कुल विस्तार लगभग 514 चं/रस फीट है। बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा भायकर ध्रिधिनियम 1901 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 8 जुलाई 1986 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल को **क्षा कार्य के अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और** बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तक बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्वेषय से अवत बन्धरण कि चित्र में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बंतरण वे हुई किसी बाग की गांवर, उक्त विभागमा के वभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करणे या उससे धभने में सुविधा के लिए; वरि/या
- (च) प्रेसी किसी नाय या किसी भन या अन्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय वावकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नगा था किया जाना था हिए था, छिपान में मुजिथा के सिद्;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः --- श्री किशित चंद श्रार० गजारीया

(भ्रन्तरक)

 सरदार सुरींदरिसग गुरमुखिंसग बक्शी और श्रन्य। (ग्रन्तिरिती)

# की नह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्णन के सिए कार्यगाहियां करता हूं।

## उपत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतिर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध स्पन्ति प्राप्त विश्वासकी के पास सिवित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जलत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नमत्त्र की

- अ. एक कर्माणयल प्रिमायसेस जो दुकान नं ०८ तल माला इमारत नं ०३, नवजीवन को-श्रॉफ हाउसिंग सोसायटी लि०,लेमिग्टन रोड स्किम, बम्बई-८
- ब. यह दुकान कराइज एक कमरा के साथ बाथ-कम-लेबेटरी हैं। पेसेज या लोबी नहीं है।
- क. इस दुकान का कुल विस्तार लगभग 514 घोरस फीट है। श्रेनुसूची जैसा की ऋ० सं० श्रई-1वी/37-ईई-00516/85-86 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-1बी बम्बई

दिनांक: 9-3-1987

प्रकृष कार्ष , ही , युन , युन ,---

# नावकर बॉम्नियन, 1961 (1961 का 48) की पारा 269-म् (1) वे वर्षीन सूच्या

#### WITE STEET

# श्रावीतय, संहाधक बावकर बायकत (विश्वीक्य) श्रावीन रेंज-1 बी, बम्बई

बम्बई, विनांक 10 मार्चे 1987

निर्देश सं० प्रई-1/37-ईई-30/86-87—प्रतः मुझे, भिसार प्रहमद,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जिक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका जिल्ला बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० शीश्रसं जिसका जिस्टीटीव्ह नं० 61 से 65, देवछाया को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, फ्लेट नं० 27, 2री मंजिल देवछाया इमारत, ताअदेव रोड़, अम्बई-34 में में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद ग्रनुस्ची में भीर पूर्ण रूप से विजित है), श्रीर जिसका करारमामा ग्रायकर ग्रीधिनियम, 1901 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 8 जुलाई 1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मृत्य से कम के स्वयमन सित्यक के लिए अन्तरित की वहाँ हैं और मृत्ये से सह नियमास करने का कार्य हैं कि स्थापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरित के लिए सा पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित सक्ष्य से उस्त अन्तरण निश्चित में बास्त्रीयक कम से स्त्रीयत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में त्रिका के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाब वा किसी वृष वा बन्य बारिसरों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ता आदिन्यम, ग्रा धनकर बाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अध्यक्ति बुवाड़ा प्रकट वृद्धि किया ग्रा था या किया जाना वाहिए था छिना में ब्रावा के अध्यक्ति विकास

अत. अय, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--- 1. श्री जीवनसाल छगनलाल मेहता।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मुकेश छिबलदास तेजुरा ग्रीर भ्रन्य। (भ्रन्तरिती)

को वह बुचना चारों करके वृत्तींक्य बंदरिश के चर्चन के जिए कार्यमाहियां करता हूं।

उपत संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 दिन की बन्धि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांचक व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति कुपाए;
- (व) इव श्वाम के राज्यम में प्रकाशन की सार्थि से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थायर सम्मत्ति में हित्त्वव्य किसी नम्य स्थापन ह्यारा अधेहस्ताकरी के पास सिवित में किए वा ब्लॉपे।

श्वकोकारणः--इसने प्रयुक्त कर्ना और वर्गा का, वा उनम् अधिनियम, तो अध्याय 20-क में परिशामित हाँ, मही कर्म हांचा, को उस अध्याय में विकास का वी।

#### म्रमुसूची

मोग्नर्स जिसका डिस्टींटिक्ह नं० 61 से 65 , देवछाया को-श्राप० हार्जीसंग सोसायटी लि०, प्लेट नं० 27, 2री मंजिल, देवछाया इमारत, ताडदेव रोड़, बम्बई-34 में स्थित है।

भनुमूची जैसा की ऋ० सं० भई-1बी/37-ईई/10526/ 85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1बी, बस्बई

दिनांक : 10-3-1987

प्रकथ आहे.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अग्रयूक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, बंबई

बंबई, दिनांक 10 मार्च 1987

निदेश सं० भई-1बी/37ईई-31/86-87---भतः मुझे, निसार भहमब,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा नचा हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मध्य 1,00,000/- रुपये से अधिक हैं

मीर जिसकी सं० नला नं० 47, जिसका विस्तार बिल्ट-मप 1130 चीरस फिट है जो मल मीलो, इंमारत ए-2, जहा मण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेंट, लीगर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम 1961 की घारा 269 के, ख के मधीन बंबई स्थित सक्षम अप्रधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 8-7-1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य सं कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल का पन्नह पंत्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पा। गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त बंतरण लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अपने में सूचिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही आरतीय आवकर अविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की अध्यक्षाराः ﴿﴿) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) धनराज मिल्स प्रायवेट लिमिटेड ।

. (मन्तरक)

(2) श्री सत्यनारायण पी० कागजी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के ठर्जन के संबंध में कोई भीआक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की शरीं से 45 दिन की जबिथ या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जबिथ, जो भी अविध शव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वां प्रविद्
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिव को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य अपनित द्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

#### अमसची

माला नं 47, जिसका बिल्ड-म्राप विस्तार 1130 चौरस फिट है। जो तल माला, ए-2, इमारत, शहा भ्राण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि ऋ०सं० भई-1बी/37-ईई-10527/ 85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बंबई द्वारा बिनांक 8-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार महमद सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर म्नायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-1 बी, बंबई

विनांक: 10~3-198**7** 

भोहर:

प्ररूप नाइं.टी.एन.एस. -----

माधकर निभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-व (1) के अभीन स्थान

#### मारत करवार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-ाबी ब्रम्बई बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1987

िदेण सं० **अई**-1बी/ 37ईई-32/8687-—- **म्र**तः मुझे,

निसार भ्रहमद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास, 'उथ्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के बभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार भूक्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

प्रांर जिसकी सं माला न 48, तल माला ए-2, इमारत महा एण्ड निहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, लोग्नर परेल, वम्बई-1 में स्थित है (प्रांर इकसे उपावद प्रनुसूची में प्रोर पूर्ण रूप न विणत है) प्रांर जिसका करारनामा प्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है विनांक 8-7-1-86

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को क्रममान प्रतिफल को लिए अन्तरित की नहीं हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि बचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्यः, उसके दश्यमान प्रतिफल थे, एसे दश्यमान प्रतिफल थ्रम बन्दह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के बिए ध्रम बाया गया प्रतिफल, निम्निक्षित उच्चोस्य से अंच्या कन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, असत समितिका की संधीय केंद्र दोने की सम्तरफ का सामित्य में कार्य करने ना उत्तर नुभने में समिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय बाद-कर विधिनवम, 1922 (1922 का 11) वा उपल अधिनियम, या धन-कर विधिनवम, या धन-कर विधिनवम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट वृद्धि किया नवा धा वा किया थाना चाहिए वा, कियाने के वृद्धिमा के लिए:

मतः वयः, उत्तरं विधिनियमं की धारा 269-ग के बनुसर्व में, में, उन्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधाराः (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- ्र(1) धनराज मिल्स प्राइवेट लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) रमेश कुमार एस काग्जी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां ग्रूक करता हूं।

# उन्त संपरित के नर्बन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ए---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिश की सर्वाध या उत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की उपनित से 30 दिन की नवधि, वो भी नवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्ति वृतारा;
- (च) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध कियी बन्य व्यक्ति दुवारा बधोहस्ताकाडी के पाद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु वर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

गाला नं 48 जिसका बिल्ट-ग्रंप विस्तार 1115 चौरम फ़िट है ग्रौर जो तल माला, ए-2 इमारत, शहा अण्ड महार इंडस्ट्रियल स्टेट, लोग्नर परेल बम्बई-13 में स्थित है।
- श्रमुसूची जैसाकि ऋ़िस्ट ग्रैहै-1 बी/37ईई-10528
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-71986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रैंज-1, बम्बई

दिनांक : '9--3-198*7* 

## प्रकृष वार्ष . टी. एव . एत . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत प्रस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1987

निवेश सं० मई-1बी०/37ईई-33/86-87-मत:

मुझे, निसार ग्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूम्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 610 जो तठी मंजिल, शिव लीला 57, श्रलीभाई प्रेम जी रोड, ग्रेन्ट, रोड, (पूर्व) बम्बई—7 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणि। है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम 1901 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 8-7-1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के रक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की ग**र्दहै और मृभ्ते यह वि**क्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित महीं किया गया है ;—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर योगे के अन्तरक के इायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) मैसर्स भारवानी क्रास एण्ड कंपनी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रविण जी मास्टर ग्रीर ग्रन्य। (ग्रन्तरिती)

को यह स्वाना बारी करके पृत्रीक्स सम्पत्ति के अर्थन के बिस् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी हा है 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधौहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिया, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होना को उस अध्याय में दिया में हैं।

## **ब**न्स्ची

प्लैट नं० 610 जो 6ठी मंजिल, शिव लीला, 57 म्रली भाई प्रेम जी रोड, ग्रेन्ट रोड, (पूर्व) बम्बई-7 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क० सं० अई-1बी०/37ईई-10531/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-7-1986 को रिस्टिंड किया गया है।

> निसार म्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज–1वी, बम्बई

दिनांक: 10-3-1987

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

# कार्याजय, बहायकः बावकर वाय्क्त (निर्देशक)

म्रर्जन रेंज-1, बी बम्बई बम्बई, दिमांक 5 मार्च 1986

निदेश सं० प्रई-1बी/37ईई-34/86-87—मतः मुझे, निसार **घ**हमव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकास 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रुपये से अधिक हैं

ग्नौर जिसकी सं० 1608-ए, पंयरत्न, 16वीं, मंजिल, श्रापेरा हाउस, बम्बई-400004, में स्थित हैं (ग्नौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्नौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्नौर जिसका करार-नामा भायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 8~7~1986

को पूर्वोक्स सम्पन्ति के उपित कानार मून्य से कन के प्रथमान प्रतिपत्त को जिए अन्तरित की मर्द है और मुक्ते यह निक्वास करने का कारण है

कि वचापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाचार मूस्य, उत्तके वचन-मान प्रतिकल से, एसे क्वमान प्रतिकल का पत्कह प्रतिकत से स्रोपक है और अन्तरक (अन्तरकों) और संतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्न-सिवित उच्चेच्य से उन्हें संतरक सिवित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) भे प्रयोजनार्थ अन्तरिती य्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) हिमतनाल सी० शहा।

(भ्रन्यरक)

(2) मंगूबेन हीरालाल णहा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति।
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध फिसी अन्य ध्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में फिए का सकोंगे।

स्पष्डीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों कीर पदों का, जो जर्मत दिधिनियम के अध्याय 20-क. में परिभाषित हैं, वहीं जर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया ग्रिया हैं।

# अनुसूची

1608-ए, पंचरत्न, 16वीं, मंजिल, भ्रापेरा हाउस, सम्बर्ध-4 में स्थित है।

भनुसूची जैसािक ऋ० सं० भई-1/37-ईई/85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार म्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जंन रेंज-1, बी०, बम्बई

दिनांक :--5--3--1987 मोहर :-- प्ररूप आर्ड्.टी.एनं.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1वी, अम्बर्द

वंबर्र विनॉक 5 मार्च 1987

निदेश सं० अई-1बी/37-ईई-35/86-87 —ग्रतः गुने, निसार अन्नमद

निसार अहमद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० पूर्व के तरफ फ्लैंट नं० 205, 2री भंजिल, धरम 'लेस, हपुज रोड, बम्बई-7 में स्थित हैं। (और इससे उपायक अनुभूची में और पूर्ण कृष से बिणत हैं) छौर जिसका करारनामा प्राथकर अधिनियम, 1901 की धारा 269 क ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कर्यालय में रजिस्ट्री है तारी अ8-7-1986 को पूर्व कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इरुब्सान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरका ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं गिकया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अभ्य अतिस्तर्थों का, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अक्षं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
12—16 GI/87

(1) मैंसर्स स्टारिलट डायमंड।

(ग्रन्सरक)

(2) मैनर्स शेल जेम्म ।

<sup>(भ्र</sup>सिरती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्तं सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करला हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते, 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसि में किए जा संकेंगे।

# अनुसूची

पूर्व के तरफ पलैट न० 205, 2री मंजिल, घरम पलेस, हपुज पोड, बम्बई-7 में स्थित है। जिसका विस्तार लगभग 632 चीरस फीट, बिल्ट अर्ग है।

अनुसूची जसा कि अठमं० अई-1बी/37-ईई-10539/ 85-86 भीर जी सक्षम प्राधिकारी, बंबई द्वारा दिनांक 8-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ध्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1 बी, बबर्ड

दिनांक : 5-3-1987

भोहर:

# प्रकृप आई. ही. एन. एस. -----

बायकर व्याधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सुवना

#### भारत तरकार

# कार्यात्रय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दीक्षण)

अर्जन रैंज-1वी, वंबई

संबद्द, दिनांक 10 मार्च 1987

निवेश सं० श्रई-1बी/37-ईई-36/86-87~-श्रतः मुझे, निसार श्र**हम**द,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

1,00,000/- रा. स आधक हैं
भौर जिसकी स० पलंट नं० 1, 1-1वीं मंजिल, जयवत ग्रापार्टमेंटम्, दादरकर कंपाउंड, तुलसीवाडी, ताडदेव रोध, बम्बई-34
में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में और पूर्ण
रूप से विणित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधनियम 1901 की धारा 269 क, ख के स्रधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजम्ट्री है न'रीख 14-7-1986

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित अनजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से एसे स्रयमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्रीक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्स में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मैंसर्स जयवंत डेव्हेलोपमेंट कोपेरिशन : (ग्रन्सरक)
- (2) श्रीमती सलमा इस्लाम और भ्रन्य ।

(ग्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकींग।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयूक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया का है।

#### वन्स्ची

पलेट नं 1, 14वी मंजिल जयवंत श्रपार्टमेंटम् वादरकर कंपालंड, तुलसीवाडी, ताडवेष रोड, बम्बई-34 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि क०सं० श्रई-1बी/37-ईई-10556/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, यंबई द्वारा दिनांक 14-7-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज1 वी, बलई

दिनांक: 10-3-1987

प्रारूप आई. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना भारत सरकार

# कार्यात्रम, सहात्रक नामकर वायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-1 वी, बंबई संबई, दिनांक 5 मार्च 1987

निदेश स० ग्रई-1बी/37ईई-37/86-87—ग्रत मुझे, निसार ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हूं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० कार्यालय नं० 37, तल माला, कला भवन्स ग्रांफीय प्रिमायसेस की-ग्रांप० हाउसिंग मोमायटी लि०, पेरा हाउस, बम्बई-4, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रमुस्थी में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है ग्रीर जिसका करार-नामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1901 की धारा 269 क,ख के ग्रिधीन बंबई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 14-7-198।

को प्रविक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा वत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मुक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अग्य की बादत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उसरे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थत् :-- (1) श्री ब्रहम दत्त सुद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दीपक जयंतीलाल मिस्त्री।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तः सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर समाति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में व्याप जा सकी।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त बब्दों और प्रदीं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुस्ची

कार्यालय न० 37, तल माला, कला भवल्स आंफीस प्रिमायसेस को-आंप० हाउसिंग सोसायटी लि०, आंपेरा हाउस, वस्बई-4 में स्थिस है।

श्रनुसूची जैमा की ऋ०सं० श्रई-1बी/37ईई-10570/85-86 ग्रीर जो मक्षम प्राधिकारी, बंबई द्वारा दिनाक 14-7-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1बी, बंबई

दिनांक : 5-3-1987

# प्रकम जार्च ही पन प्रम .....

# नावजड विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के अधीन स्वता

#### ब्राइव च्डकाड

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रंज-1-बबर्ड

बंबई, दिनांक 10 मार्च 1987

निदेश सं० अई-1बी/37-ईई-38/86-87--- प्रत: मुझे, निसार अहमद,

बाबकार अधिविषय, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें स्वयं प्रकास 'उस्त मधिवियम' कहा का ही, की धारा 269-स से वर्षीय समय प्रतिकारी को सह विकास करने का समय हैं कि स्थाप करते के समय हैं कि स्थाप करते हैं।

श्रीर जिसकी स० निवासी पलेट न० 39, 1की मजिल, भिलन, नाडदेव रोड, बम्बई-34 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद श्रम्सूची में और पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1901 भी धारा 269 क,ख के ग्रधोंन बंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ही है, तारीख 14-7-1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संधाप्चोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का क्ष्मह प्रतिखत से अधिक है और जंतरक (जंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तब पावा क्या प्रति-फल निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है:——

# हैं भिष्यक्षण में इंड्रमें किसी बाद की नायत क्या विश्वतिक्षण में क्यींच कहा दोने में सम्बद्धक से स्वतिस्क में कती कहाने का उक्कों नहानों में सुविधा से किए; कोड़/सा

(क) एसी किसी नाम या किसी भन या जन्म आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती विजयालक्ष्मी नानालाल कामदारश्रौर ग्रन्थ।
  - (भ्रन्तरक)
- (2) श्री ममलदास लालजी भावसार और ग्रन्य। (ग्रन्तरिती)

को यह स्वामा जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहिना करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन क तारीख से 4.5 दिन की जबिच या तत्सम्बन्धी व्यवित्रमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की बारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितब्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरि के पास सिवित में किए जा सकीं।

स्वव्यक्तिरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनता जिथितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मया है।

# धनुसूची

े नियासी पलेट नं० 39, 1ली मंजिल, मिलन, ताइदेश रोड, बम्बई-34 में स्थित है।

ग्रनुसूत्री जैसा की कि० सं० ग्रई-1नी/37-ईई-10574/ 85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बंबई ब्रारा दिनांक 14-7-1986 को रजीस्टर्फ़ किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 बी, बंबई,

दिनांक: 10-3-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (विरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज 1 बी, बस्बर्ह बस्बर्ह, दिनांक 9 मार्च 1987 निदेश सं० श्रर्ह-1बी/37हर्ह-40/86-87--श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसमें प्रचास जिस्त नियमित्रम कहा गया हैं), की भारा 269 के अधिन समान प्रमिकादी को वह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित, जिसका उक्ति बाजार मूल्य 1,00,000/- क. से अधिक हैं

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 10, जो 384-एम, कालबा-देवी रोड, तीसरी मंजिल, बम्बई-2 में स्थित है और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)और किसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी. के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 14-7-86

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य वे कम के क्यमान प्रतिफस के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने ला उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन का अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

बतः वय, उस्त अधिनियम की धारा 269-त के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थ्यक् :--- (1) कम्पलेदसा महे और ग्रन्य।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स शिवा शटिंग लिमिटेड ।

(म्रन्तरिती)

को नह स्थाना जाएी करके पूर्वोक्त सम्बद्धि के अर्थन के जिस् कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

# उनत् सम्पृति के अर्थन् में संबंध में कोई भी बाधरे ध-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन को भी तर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित ब्र्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसिक में किए जा सकेंगे।

स्वकाक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों जीर पदों का, जो अक्ष जिया के जभ्याय 20-क में परिकाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्सूची

कार्यालय नं 10, जो 384-एम, कालबादेबी रोड, तीसरी मंजिल, बम्बई-2 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कि० सं० श्र-ई 1बी/37ईई/10580/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-7-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1बी, बम्बई

दिनांक: 9-3-1987

भोहर:

प्ररूप आहु. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज—1बी, बम्बर्श बम्बर्श बम्बर्श, दिनांक 10 मार्च 1987 निदेश सं० ग्रर्इ-1बी/37ईई/41/86-87—-ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 66, ताख्येव कोर्ट को०-म्राप हार्जिसम सोसायटी लि० 251, ताख्येव रोड, बम्बई-7 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में और पूण रूप से वर्णित है)और जिसका करारनामा म्रायकर म्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 14-7-1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व मे कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हू भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्स अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री चंद्रकांत श्रमृत लाल मेहता।

(म्रन्तरक)

(2) श्री वाई० के० भगवागर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपश्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरण : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया नया है।

# **श्रनुसू**ची

फलैट नं० 66, ताडदेव कोटे को-ग्रांप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 251, ताडदेव रोड, बम्बई--7 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० श्रई-1वी/37ईई/10587/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-7-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1बी, बस्बई

दिनांक: 10-3-1987

## मुक्त नार्कः, टी., एन्., एच., -------

नाधकर व्यथितियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन स्थार

#### मारत परकार

# कार्याल्य, बहाबक सावकारु नाय्यक् (विश्रीक्य)

श्चर्जन रेंज-1बी, बम्बर्र बम्बर्ड, दिनांक 5 मार्च, 1987 निदेश सं० श्चर्र-1बी/37ईई/11976/86-87--श्नतः मुझे निसार श्रहमद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फलैंट नं० 1107-ए, 11वीं मंजिल पंचरत्न को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, मामा परमानन्द रोड, ग्रापेरा हाउस, अम्बई-400004 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1901 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रधि-कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 14-7-1986। को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के क्रयमान प्रपिक्त के सिए जन्दिरत की गई हैं और मुक्ते यह निक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक हैं और जंतरक (अंतरकाँ) और बंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के सिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्विश्य से उन्नत अन्तरण लिखित के बास्तविक रूप में कथित महीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण संहुर्य किसी काय की वावता, उसत अधिनियम् के व्यीत कह दोने के बंदहक के राजित्य में कभी करने या उसते वचने में स्विधा के लिए; बॉर/वा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्ही भारतीय जानकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उजत अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अंतरिली क्षारा प्रकट नहीं किया गना या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए:

अतः अष, धक्त अधिनियम कौ भारा 269-म कै अमृतरण .मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) . को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती प्रभालेन पंकज कोठारी।

(ग्रन्तरक)

(2) सुभाकरन गोएंका।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को वह भूषवा त्राएँ करके वृत्रोंकत सञ्जीत के वर्षन के निध् कार्यवाहियां चुक करता है।

सबस सम्मति के वर्षम के सम्मन्य में कोई भी वाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीण वें 45 विन की जबीध या तत्सम्बन्धी स्वितियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी अविध नाम में समाप्त होती हैं। के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्वितित हुमाया;
- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिंद- वृक्ष किसी व्यक्ति द्वारा. वशोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकोंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पैरिशाणित है, बही अर्थ होगा. को उन्हें अध्याय सै दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लेट नं० 1107, 11वीं मंजिल, पंचरत्न को-म्रांप० हाउसिंग सोसायटी लि०, मामा परमानंद रोड, श्रांपेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ०सं० श्रई-नै/37-ईई/10590-ए/ 85-86 और जो सक्षग प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 की बम्बई:

तारीख: 5-3-1997

# प्रकप बाह्ये ही , एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज 1थी, बंबई बंबई, दिनांक 12 मार्च 1987

निदेश सं० श्रई-1बी/37-ईई-42/85-86---श्रतः मु निसार श्रहमद,

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि जिसका विस्तार 185.62 औरस मिटर है। जो इमारत के साथ जिसका एन० ए० नं० 7775 और सी० एस० नं० 567, गिरगांव डिविजन बम्बई में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1901 की धारा 269 क,ख के अधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 14-7-1986।

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार म्ल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और म्झे यह विष्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उंसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का नंबह प्रतिकात से बीभक है और मंतरक (मंतरका) जीर मंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के तिए तय नामा नवा प्रतिफल मिम्निवित संद्र्षके से उच्त अन्तरम कि बित के बास्तिक कम से काथव नहीं किया गया है —

- (क) बन्तरण से हुन्दें किसी जान की बावत, अवस नियम के अधीन कर दोने के जंतरक के बाबित्य की कमी करने या उससे बचने में सुविधा की शिष्ट्र बीट/वा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य बास्तिजों को जिल्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया जवा धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के स्थीन निम्निलिविश व्यक्तिमां, व्यक्ति \*\*\*\*

- (1) श्रीमती कमलाबेन हिमतलाल गहा। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सुनीता कमल जैन।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त कम्माच के अर्थन की सिक् कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त संस्पत्ति के अर्थान के सम्बन्ध में कीर्य भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 दिन की अविध, को भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थितायों में से बिली स्थावित द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपन को प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति को हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति व्वारा कथोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भवा **€**1

## अनुस्की

भूमि जिसका विस्तार 185.62 चौरस मिटर है। जो इमारत के साथ, जिसका एन०एस० नं० 7775 और सी०एस०नं० 567, गिरगांव डिविजन, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ०सं० श्रई-1बी/37ईई-10588/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बंबई द्वारा दिनांक 14/7/1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1बी, बंबई.

**पि**नांक: 12-3-1987

मोहरः

इक्त आई<sub>ट</sub> टॉ<sub>..</sub> प्त<sub>ु</sub> एस<sub>ु</sub>-----

नायकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नधीन सुचना

#### बारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज 1, बंबई

बंबई विनांक 12 मार्च 1987

निवेश सं० ग्रर्ह-1/37-ईई-12030/85-86---श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00000/र रुपये से विधिक हैं

और जिसकी सं० कार्यालय प्रिमायमेस नं० 307, योगेश्वर, 3री मंजिल, 135/137, काजी सैयद स्ट्रीट, बम्बई-3 में स्थित हैं) और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, खे के अधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 8-7-1986। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के श्रममान प्रतिफल के सिए बन्तरित की गई है और मुध्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके श्रममान प्रतिफल से, ऐसे श्रममान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (बन्तरका) और बन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरभ से हुई किसी बाव की बावस अवस जीध-अधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्व वें कमी करने वा उससे बुचने में सुदैवधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या धन या अन्य आस्तियों की, जिस्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियत व्यक्तियों, अर्थात्:——

(1) नटबरलाल, उर्फ देविदास बी॰ घोकसी, श्री प्रदीप कुमार चोकसी।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती मिलन नरेंद्र पाटकर।

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह ध्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना कारी करको पूजाँकत सम्मत्ति को मर्चन को सिए कार्यवाहियां करता हूं !

उक्त उम्मित्त के वर्षन के बंबंध में कोई भी बाध्ये :---

- (क) इस सूचना के रावपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों, में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्रिवब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा वभोहस्ताक्षरी के पाड सिवित में किए या सकींगे।

स्वक्षीकरण:-- इसमें प्रयुक्त क्षव्यों बाँद पवां का., वां जनत विधानयम के बच्चाय 20-क में परिभावित हाँ, वहीं वर्ध होता, वां उस बच्चाव में विवा नवा हाँ।।

#### अनसची

कार्यालय प्रियायसेस नं० 30%, योगेश्वर, 3री मंजिल, 135/137, काजी सैयद स्ट्रीट, बस्बई-3 में स्थित है। प्रानुसूची जैसा की ऋन्सं० प्राई-1/37-ईई-10537/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बंबई द्वारा दिनांक 8/7/1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त - (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बंबई

तारीख : 12−3−1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना.

#### भारत सरकार

कार्यात्म, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1बी, बंबई

बंबई, दिनांक 12 मार्च 1987

निदेश सं० ग्रई-1बी/37-ईई/27/86-87—-ग्रतः मुझे, निसार श्रहसद,

बायकर अभिनियम, 1961 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 259-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सी०एस०नं० 137/4 और सी०एस०नं० 137सी/4, परेल सिवरी डिविजन, बस्बई है तथा जो बस्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, 10509 बस्बई में रिजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 1-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार भूस्य ते कम के अस्वमान प्रतिकान के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास अरने का कारण है कि यथाप्यॉक्त सम्मत्ति के उपित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के लिए तथ पाया मना प्रवा प्रतिकाल निम्नोनियित सद्वोच्य से उन्त अंतरण निविद्य में भारतिकाल कप से क्षित नहीं किया प्रशा है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः जस, उक्त किंधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

> (1) मेहरवानजी रतनमां चमारबागवाला, (2) श्रीमती ग्रमी होमी दमानिया और (3) श्रीमती माणेक ज्हांगिर गगरात ।

> > (ग्रन्तरक)

- 2. (1) इलियास भोलू खन्नी
  - (2) भोलु स्लेमान खन्नी
  - (3) ग्रमीन सुलेमान खत्री
  - (4) सबीर श्रमीन खन्नी
  - (5) नूरजहान भ्रमीन खत्री
  - (6) इलियास रमझान सोलंकी
  - (7) आरीफ इलियाम सोलंकी
  - (8) कुमारी रसीया इलियाम सोलंकी
  - (9) कुमारी हलीमा रमझान सोलंकी
  - (10) सलिम श्राय सोलंकी
  - (11) मोहमद इस्माईल जे० थिम
  - (12) श्रब्दुल सतिफ जे० थिम
  - (13) श्रलताफ एम० इस्माईल थिम
  - (14) रिफिक ग्रब्दुल लितिफ थिम
  - (15) मक्बुल इज्ञाहीम कुरेशी
  - (16) रिफक मुक्बाल कुरेणी
  - (17) ग्रायुत मक्बुल कुरेशी
  - (18) रुशातम मक्बुल कुरेशी
  - (19) सलिम ग्रहमद जिद्रम, और
  - (20) सिकल सफी जिद्रम जो, एस०ए० जिद्रम एण्ड झांस, बी-1/9, खिरा नगर, एस०वि० रोड, सांताऋझ (प), बम्बई-400 054 में स्थित बिझनेस कर रहे हैं।

को यह सूचना जारी करको पूर्वोकत सम्पत्ति है अर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के शायपन में प्रकाशन की तारीय कें... 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पशु सूचना की तामील से 30 दिन की जबधि, वो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेत्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा
- (क) इस सूचना के तावपण में प्रकावन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विविध में किस् वा सुकेंचे ।

स्वस्विकरणः----इसमें प्रयुक्त सम्बं कीर पर्ध का, को उपत अधिनियम के बच्चाय 20-क में परिभाषित ह", नहीं अर्थ होगा को उस बच्चाय में विका गुशा ह"।

#### मनुसूची

जमीन का वह हिस्सा जिसके ऊपर स्थित इमारतें और जिसका सी०एस०नं० 137/74(अंग), परेल सिवरी डिविजन, जमीन का वह हिस्सा जिसके ऊपर स्थित इमारतें जिसका सी० एस० नं० 1378(1/74 परेल सिवरी डिविजन और जमीन का वह हिस्सा जिसके उपर स्थित इमारतें और जिसका सी०

एस० नं० 137सी/74 परेल सिवरी डिविजन है। और भ्सिका पूरा वर्णन 16-4-1986 के एग्रीमेंट की तीनों अनुसूचियों में दिया गया है।

> निसार अहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 1की बम्बई,

वाराख: 12-3-1987

मोहर:

प्रकृष नार्यं, टी. एन. एस., क्यान्यक्त निवस्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के नृथीन स्वना

#### CHANGE PROPERTY

पत्रवासूध, सद्वावक बायकर आयुवस (निरक्तिकार) ग्रजन रेंजाबी, बंबई

बंबई, दिनांक 12 मार्च 1987

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

जिसकी संव सम्पत्ति जो, 30, मोतीबाई स्ट्रिट, प्लॉन्ट नंव 79, स्किम नंव 11, आग्रीपाडा वेस्ट इस्टेट, जिसका सीव एसव नंव 3/1634, भायखला डिविजन, अम्बई है तथा जो अम्बई में स्थित है (और इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, अम्बई में रेस्जिट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन 9-7-1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफक्ष के लिए देजिस्ट्रीकर्ता विलेख के बनुसार जंतरित की शई है और मुक्ते यह विववस करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे इच्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से जिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त बन्तरण सिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एरेसी किसी नाय का किसी भग या जन्य नारिसयों काँ जिन्ही धाउसीय जाय-कर निभिन्यम, 1922

(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के इवाचनार्व बन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, क्रियाने में स्विधा व खिया

जतः जब, उक्त जाभीनयम की भारा 269-न के जनुजरण में, में, उक्त जभिनियम की भारा 269-क की उपधारा (1) के अभीन, निम्नतिकित व्यक्तिवाँ, अर्थात् क्र----

(1) करमचंद पी० डोडेजा और श्रीमती इंदावती के० डोडेजा

(ग्रन्तरक)

(2) अब्दुल गफूर अब्दुल लितफ और मोहमद युन्स अब्दुल गफूर।

(श्रन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रश्नोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्व है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ८---

- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन की ठाड़ीक के 45 दिन की जब िया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की ठामील से 30 दिन की जबधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेचित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत बुवारा, अथोहस्ताक्षरी के पात विविद्ध में किए का वृद्धेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्त्री

श्रनुसूची जैसाकि विलेख सं० बोम-2222/80 और जो उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 9-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

सम्पत्ति जो, 30, मोटलीबाई स्ट्रिट, प्लाँट सं० 79, स्किम नं० 11, ग्राम्रीपाडा बेस्ट इस्टेट, जिसका सी०एस० बं० 3/1634, भायरबला डिबीजन, जिसका बिस्तार 1052 भीरस बार्ड तथा 879.60 चौरस मिटर है।

निसार **ग्रहमद** सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रामकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1बी, बस्बई,

तारीख: 12-3-1987

# प्रकार मार्च अ हो । एवं अ पूर्व ।

# नावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-न (1) से अभीन स्पना

#### बारत बहुकार

# कार्यानय , सहायक वायकर वायुक्त (रिजरीकार्ज) ध्रार्जन रेंज 1ती, बंबई

बंबई, दिनांक 12 मार्च 1987

निदेश स० श्रई-1बी/37-जी/5422/86-87---ग्रनः मुझे, निसार श्रष्टमद,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विंखें इतमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्या है कि स्थायर सस्यीत, विसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं प्लॉट नं 85, ग्राग्रीबाडा, बेस्ट इस्टेट, जिसका विस्तार 1091 चौरम यार्ड है। याने 912.22 चौरस मिटर है। जिसका सी एएस नं 1/1880, भाय- खल डिविजन, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 28-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान क्षितिकाल के लिए जन्तरित की गई है और मृत्रके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके क्रयमान प्रतिकास से, एसे क्षयमान प्रतिकास का क्षयमान प्रतिकास का क्षयमान प्रतिकास का क्षयमान प्रतिकास के विश्व के विश्

- (क) करारण से हुई किसी बाव की बावत , उक्क अधिनियम के क्षेत्रीत कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के कियु; की ≱/वा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की चिन्हों भारतीय नायकर विभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) हाजी दलीयात हाजी हुसैन और हाजर हाजी इलीयास। (अन्तरक)
- (2) मोहीयुक्तीन तैयब सोनी और यूसुफ अवदुल्ला पटेल। (अस्तरिती)
- (3) टेनट्स

1909)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की कविष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (च) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहुं किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विचित्र में किस वा सकेंने।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## सन्स्वी

श्रनुसूची जैसाकि विलेख सं० वोम-2354/81 और जो उप-राजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 28-7-1986 को राजिस्टर्ड किया गया है।

और जिसका प्लाट नं० 85, ग्राग्रीपाडा वेस्ट इस्टेट, जिसका विस्तार 1091 चौरस यार्ड तथा 912.22 चौरस मिटर है। जिसका सी०एस०नं० 1/1880, भायखना डिनिजन, अम्बर्द है।

> निसार ग्रहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज बंबई

तारीख: 12-3-1987

प्रकृष् आइं.टी.एन.एस.-----

नायकर नाभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यांक्य, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्राजीन रेंज-2ए, बम्बई

· बम्बर्ष, दिनांक 12 मार्च 1987 निदेश सं० ग्रई-2ए/37ईई~36841/86-87--ग्रतः मुझे, ए० वैद्य,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी फ्लैंट सं० 601, जो सी कस्टल, 7 बंगला रोड, वर्सोवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं,) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क,ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई के रजिस्ट्री है, दिनांक 24-7-1986,

को पृथोंकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से . कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण किखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आध कौं बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उक्स बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

आतः अव, जन्म अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मी, उन्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्योक्तयों, अधीत :-- (1) मैंसर्स डिम्पल इण्टरप्राइजेंस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रिझावाना ठाणाबाला श्रीर शौकत ठाणाबाला। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारौंस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीक सी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पंत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्पव्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में विमा गया है।

# अमसची

"फ्लंट सं० 601, 6वीं मंजिल, सी कस्टल इमारत, जिसका फ्लांट सं० 15, सर्वे सं० 82, सी० टी० एस० सं० 1291, 7 बंगला, बर्सोवा, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि श्र० सं० अई-2/37ईई/36841/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० वैद्य सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2ए, बम्बई

विनांक : 12-3-1987

# क्ष्म बाई ्र स्ट्रीह प्रमान हरे .. अन्य-क

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नेथीन बुक्वा

#### वारत तरकार

# कार्यातमः, सहायक नायकार नायुक्त (विराधानी

श्रर्जन रेंज-2ए, बम्बई, बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1987

निदेश सं० श्रई-2/37ईई-36840/86-87--श्रतः मुझे, ए० **वैरा**,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पर्वात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निरुवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित् बाजार मृह्य

1,00,000 /- फ. से अधिक हैं।

भौर जिसकी सं० फ्लैट सं० 602, 6वीं मंजिल, सी० कैस्टल इमारत, 7 बंगला, वर्सोवा, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 24-7-1986,

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाबार बृत्व ने कम से संबंधान प्रतिक्रस के लिए बन्तरित की गई है बार मुन्ने वह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उतके स्रयमान प्रतिफल से एते स्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और वह अन्तर्क (अंतरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के निश् तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- हुक) अन्तरण से हुइं किसी बाव की बावरा । खबर अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिष्तृ और/का
- (व) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को चिन्ही भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपने अभिनियम, वा चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा वी विद्वा

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के वधीन, निम्निसिद व्यक्तियों, नथीन :--

(1) मेसर्स डिम्पल इण्टरप्राइजेस ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री फरीद ठाणावाला श्रीर श्रीमती जी० ए० ठाणा-वाला ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना धारी करके पूचे क्या सम्मिति के वर्षत के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

बाब्द बम्परित के बर्बन के बंबंध हो कोई भी आर्थन ह—

- (क) इत स्थान के रायपण के प्रकाशन की दार्यांच से 45 विन की अवधि या तत्त्वस्त्रांची स्पष्टित्यों पर सूचना की तासी से 30 विन की अवधि, यो सी अवधि वाद र समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों यो से किसी व्यक्ति बृगाडा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त श्रीभिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं मधी होगा, वो उन मध्याय में दिया गया ही।

#### अनसची

फ्लैट सं० 602, 6वीं मंजिल, सी कैस्टल, जिसका प्लाट सं० 15, सर्वे सं० 82, सी० टी० एस० नं० 1291, 7 बंगला, वर्सोवा, भ्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/36840/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० वैद्य सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 12-3-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेज-2ए, सम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1987

निदेश सं० न्नई-2ए/37ईई/35215/86-87—न्नतः मुझे, ए० वैद्य,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 201, होरीक्षोन व्हु आफ जय प्रकाण रोड, वर्सोवा, श्रंधेरी (प), बस्वई-61 में स्थित है) श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है (श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269क,ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्वई में रजिस्ट्री है दिनांक 3-7-1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बेचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (!) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों. अर्थात् :-- (1) मेसर्स के० श्रार० एसोसिएट्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कल्पना के० शहा कारशि भी मिता डी० शहा ।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वानित सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुसुची

फ्लैट सं० 201, होरीक्षोन व्हयू-1, प्लाट सं० 70, सर्वें सं० 91ए (भ्रंग) भीर 95ए (भ्रंग), श्राफ जय प्रकाग रोड, वर्मोवा, श्रंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं० श्रई-20/37ईई/35215/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 3-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० **वैद्य** सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2ए, बस्बई

विनांक : 12-3-1987

प्ररूप आइ<sup>2</sup>.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1987

निवेश सं० ग्रई-2ए/37ईई/36721/86-87--श्रतः मुझे, ए० वैध,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी पर्लैट नं० 102, होरी झोन-3, प्लाट सं० 70, मर्वे सं० 91ए (श्रंश) वर्सीवा, श्रंधेरी (तप), बम्बई— 61 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क,ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 18-7-1986,

को पूर्वो क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी गायत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय था किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उत्कत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में, उत्कत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् — (1) मेमर्स के० ग्रार० एसोसिएटस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती खेस्ताजान ममूद खान ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

ज कत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्यों।

स्पष्टीक रण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अन्स्ची

प्लैंट सं० 102, होरीझोन व्हयू 3, प्लाट सं० 70, सर्वें सं० 91ए (श्रंग) ग्रीर 95ए (श्रंग), श्राफ जय प्रकाण रोड, वर्सीवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है ।

प्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० प्रई-2v/37ईई/36721/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० वैद्य सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2ए, बस्बई

विनांक : 12-3-1987

मोहर

## प्रमण नार्धाः हतीः एव ् पुर्वः ----

# नायकड निभिन्यसः, 1961 (1961 का 43) जी भारा 269-व (1) के नमीन सुमना

## नारम वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-2ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1987

निवेश सं० ग्रई-2ए/37ईई-36838/86-87--ग्रतः मुझे, ए० वैद्य,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्भें इस्कें परवात् 'बक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-च के वभीन सभम प्राधिकारी को यह निश्वात करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी पैलैट सं० 204, होरीक्षोन व्हयू-1, प्लाट सं० 70, स्नाफ जय प्रकश रोड, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम की धारा 269 क,ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 24-7-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य संकम को कथमान प्रतिफल को लिए अन्तरितृ की गई और मुभ्टे यह विद्यास

करने का कारण है कि यथापृशेंकत सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिखत से विभिक्त है और वंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) न्यारण वे हुई किसी बाब की बाबत, उकत विधिनियम के बचीन कार येने के अन्तरक के वाजित्व में क्यी करने वा उक्यें वचने में सुधिधा के लिए; जौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की चिन्हों भारतीय आय-कर जीभनियम, 1922 (1922 का 11) या अवस जीभनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ध्योचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में इतिथा के लिए;

बतः जन, रुक्त विभिन्नम की भारा 269-ग के बनुसरण जे, जे, उक्त विभिन्नम की भारा 269-च की उपभाषा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 14—16 GI/87

- (1) मेसर्स कैं श्रार एसोसिएट्स ।
  - (घन्तरक)
- (2) श्रीमती शांता गौरी शंकर्लाल भट्ट और श्री शंकर-लाल जे० भट्ट

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वान जारी करके पूर्वोक्त स्मिति के वर्षन के सिए कार्यपाहियां सुक करता हुई।

उन्द बन्दित में न्दंन ने संबंध में कोई भी आओप :---

- (क) इस त्यान के ट्राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की बद्धि या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तारीय से 30 दिन की जनिय, यो भी व्यक्तियों में से समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब में 45 वित्र के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बब्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकोंगे।

ल्यक्दीकरण — इसमें प्रयुक्त कच्यों और पयों का, जो उच्च अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस ल्प्याय में विवा प्रा है।

## अनुसूची

पलैट सं० 204, होरीझोन व्हयू-1, प्लाट सं० 70, सर्वे सं० 91ए (अंग), और 95ए (अंग), श्राफ जय प्रकाश रोड, सेवर्सोना, अंग्रेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कर संर श्रई-2ए/37ईई/36838/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० वैद्य सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2ए, बम्बई

दिनांक : 12-3-1987

प्रस्य बाह्र, टी. एन. एत ् राज्यान्त्रामा

बायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के जभीत स्चना

#### भारत वरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरोक्षण)
श्रर्जन रेंज-2ए, बम्बई
बम्बई, विनांक 12 मार्च 1987

निदेश सं० श्रई-2ए/37ईई-3679988/86-87--श्रतः मुझे, ए० वैद्य,

आयंकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उन्त विधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हुँ कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार भून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हुँ

और जिसकी पलैट सं. 103, होरीक्षोन व्हयू, प्लाट सं० 70, श्राफ जय प्रकाश रोड, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम की धारा 269 क,ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, विनांक 18-7-1986,

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृक्ते यह विद्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाधार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिहात से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे बंदरण के प्रिप् तब बाबा बना प्रति-स्वय विम्निसित्य स्वयंद्य से स्वयं बन्दरण विक्ति के बास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुंई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधील कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अवस् अधिनियम, वा धवकर अधिनियम, वा धवकर अधिनियम, वा धवकर अधिनियम, वा धवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा से निय;

जतः अब, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के, जनूसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधार (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स के० ग्रार० एसोसिएट्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री तुलसीदास टी० देवनानी, श्रीमती, किशनीबाई टी० देवनानी और श्री कैलाश टी० देवनानी । (ग्रन्तरिती)

**वां प्रमुख्या आडी करके पूर्वोक्छ ब्ल्ड्रिय वो वर्धन के बिए** कार्यवाहियां करता हो।

# वन्य वस्पृतित के वर्षन के बस्तरभ में खोड़ों भी बाक्षेत्र :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास मिचित में किए वा सकी।

स्थानिकरणः --- इसमें प्रयुक्त खल्यों जरि पर्यों का, जा उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 10?, होरीझोन व्हूयू-1, फ्लैट नं० 70,9ए (ग्रंश) 95ए,(श्रंश,) श्राफ़ जय प्रकाश रोड़, वर्सीषा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है।

श्रनुसूचि जसा कि कि के संब्यई-2ग्र37ईई/36788/86-87-ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-7-1986 रिनस्टर्ड किया गया है।

> ए० वैध सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,2ए, **अम्**बरू

तारीख: 12-3-1987

## श्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यातब, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1987

निदेश सं० म्रई $-2\sqrt{37}$ ईई-35216/86-87---म्रतः मुझे, ए० वैद्य,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी फ्लैंट सं० 401, होरीझोन व्हयू-1, श्राफ जय प्रकाश रोड, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269क,ख धीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 3-7-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में नास्तिवक रूप से किश्त नहीं किया गया है है—

- (क) बंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, डक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- ेख) एसी किसी जाम या किसी धन या जन्य जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में हविभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की की धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन, निम्निलियित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) मेसर्स के० ग्रार० एसोसिएट्स ।
- (अन्तरक)
- (2) श्री जयप्रकाश मुरलीधर सोमानी, श्रीमती पुष्पादेवी जयप्रकाश सोमानी, श्री शिव रतन मुरलीधर सोमानी और श्री मदन मोहन जयप्रकाश सोमानी । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# वनत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वासेष 🎾

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

#### अन्सूची

फ्लैट सं० 401, होरीझोन व्हयू-1, प्लाट सं० 70, सर्वे सं० 91ए (अंश) और 95ए (अंश), ग्राफ जय प्रकाश रोड, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2ए/37ईई/35216/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० बैद्य सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण ग्रर्जन रेज-2ए, बम्बई

दिनांक : 12-3-1987

प्ररूप आई.टो.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज-2ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1987

निदेश सं० श्रई-2/37ईई-36594/86-87--अतः मुझे, ए० बैदा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपये से अधिक हैं

और जिसकी फ्लैट सं 101, होरीक्षोन व्हयू-3, जय प्रकाश रोड, बर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई--61 में स्थित है) और इसम उपाबढ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारतामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 के,ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 11-7-1986,

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्ल सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मृक्त अन्तरण लिखित वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (६) ऐसी किसी आय या घट या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अबः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) मेसर्स के० भार० एसोसिएटस । (श्रन्सरक)
- (2) श्री नौशिरवान बी० फैलफेली । (म्रस्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तरां बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हिस्सब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वनसूची

फ्लैट सं० 101, होरीझोन व्हयू-3, प्लाट सं० 70, सर्वे सं० 91ए(अंश), और 95ए (अंश), ग्राफ जय प्रकाश रोड, वर्सोबा, अंधेरी (प), बम्बई--61 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/36594/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-7-1986 को रजिस्टई किया गया है ।

ए० **बैद्य** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रावेन रेंज-2ए, बम्बई

दिनांक : 12-3-1987

मोहर 🌣

प्ररूप आई. टी. एन . एस . -----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1997

निदेश सं० श्रई-2ए/37ईई/36779/86-87-श्रतः मुझे, ए० वैद्य,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यहविष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी प्लैट मं० 502ए और 502बी, 5वीं मंजिल, हिरानन्दानी काम्प्लैक्स, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 18-7-1986,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल के पदह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप में किथात नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की जपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) हिरानन्दानी बिल्डर्स ।

(ग्रन्तर्क)

(2) श्री सुरजीत सिंग छेडा ।

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरको

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीलर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमबूध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्ध्या है।

### अनुसूची

फ्लैट सं० 502ए और 502बी, 5वीं मंजिल, कासमास— ए— विंग, हिरानन्दानी काम्पलेक्स, ओशिवरा, 4 बंगला, अंग्रेरी (प), बम्बई–58 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि क्र॰ सं॰ ग्राई-2/37ईई/36779/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक-18-71986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० **बैद्य** सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायक र ग्रायुक्त (निरीक्षण**)** ग्रर्जन रेंज–2ए, बम्बई

दिनांक: 12-3-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2ए, बम्बई

बस्बई, दिनांक 12 मार्च 1987

निदेश सं० श्रई—2ए/3**७**ईई/37013/86—8**7——ग्र**तः सुङ्गे, ए**० वैद्य**,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षमं प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० लिज होल्ड लैण्ड जिसका सर्वे सं० 24, एच० सं० 1, स्ट्रकचर "एफ" ग्रौर "सी" के साथ, ग्रगरवाल इण्ड-स्ट्रियल एस्टेट 25— एस० वी० रोड, जोगेश्वरी बम्बई में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुभूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क खंके ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 25—7—1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तियक रूप से किथत नहीं द्वित्या ग्रंगा है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तां अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री राजेन्द्रभुमार प्रग्रवाल

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गोविद वि० शेटये ग्रीर जे० एच० बंकर । (भ्रन्तरिती)

(3) भाडुत

(बह व्यक्ति जिसके

म्रिभियोग में संपत्ती है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# **जन्**त्रची

लिजहोल्ड प्रापर्टी जिसका सर्वे सं० 24, एच० सं० 1, जो स्ट्रक्चर "एफ" ग्रौर "सी" इमारत "एफ" के साथ ग्रौर 77.50 चौरस फिट, श्रग्रवाल इण्डस्ट्रियल एस्टेट, एम० वी० रोड, जोगेश्वरी (४), बम्बई में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अर्ह-2/37ईई/37013/86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25--7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० वैद्य संक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रंज-2,ए, बम्बई

दिनांक : 12-3~1987

प्रकृष बाई . टी . एन . एस . -----

बावकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-2ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1987

निदेश सं० ग्रई-2ए/37ईई/36743/86-87--ग्रतः मुझे, ए० बैद्य,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िवसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० हरिमयन हाउस, जो एस० बी० रोड, श्रंधेरी (५), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनाम श्रायकर श्रिधिनयम की धारा 269 क,ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टी है, दिनांक 18-7-1986,

क कायालय, बम्बइ म राजस्ट्रा ह, दिनाक 18-7-1986, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनचत बाबार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का सम्बद्ध प्रतिस्ति से विश्व है बीर संतरक (बंदरका) बीर बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मिलिख उद्देश्य से उक्त अंतरण निवित्त में बास्त-विक रूप से किया नहीं किया नहीं किया नहीं है

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीधनियम के अधीन कर दोने के अंतरक को दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) दि सेंट्रल बैंक एक्सीक्युटर एण्ड ट्रस्टी कम्पनी लिमिटेड ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री निवन एच० सोमैया ।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

हरिमन हाउस, जो एस० वी० रोड, ग्रंधेरी (प), बम्बई में जमीन ग्रौर इमारत के साथ जिसका सी० टी० एस० सं० 460, 461, 416/1 से 461/11 ग्रौर 1233 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि के सं ग्रई-2/37ईई/36743/86-87 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-7-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० बैद्य सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2ए, बम्बई

दिनांक : 12-3-1987

प्ररूप आहाँ. टी.एन.एस.-----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2ए, बम्बर्ह बम्बर्ह, दिनांक 12 मार्च 1987 निदेण सं० ग्रर्ड-2ए/37ईई/36271/86-87—ग्रतः मुझे, ए० बैदा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षमं प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/। रहे से अधिक है

थौर जिसकी फ्लैंट सं० 301 थ्रौर 302, 3री मंजिल, प्रेरणा इमारत, थ्रोशिवरा, वर्सोबा, बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में थ्रौर पूर्ण रूप से विजित है) थ्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनिमय की धारा 269 क,ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 4-7-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे उन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/सा
- (ग) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियं को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) मिश्रित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मसर्सं रामलाल एण्ड कम्पनी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती निसग कबिरुद्दीन काझी !

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

- उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकना।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लैंट सं० 301 ग्रौर 302, तीसरी मंजिल, प्रेरणा इमारत, ग्रोणिवरा, वर्सोवा, बम्बई-58 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं ग्रई-2ए/37ईई/36271/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० बैद्य सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकंर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2ए, बम्बई

दिनांक: 12-3-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1987 निदेश सं० ग्रई-2ए/37ईई/36382/86-87--ग्रतः

मुझे, ए० बैद्य,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं श्रौर जिसकी सं० कम्पार्टमेंट सं० 60, मरोल इण्डस्ट्रियल इस्टेट लि०, मरोल नाका ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 4-7-1986,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के इश्यमन प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके छ्रयमान प्रतिफल से, एसे छ्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--15-16 GI/87

(2) श्री किशन गोपाल खेतान ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स संगत सिंग एण्ड कम्पनी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

कम्पार्टमेंट सं० 60, मरोल इण्डस्ट्रियल इस्टेट लि०, मरोल नाका, ग्रंधेरी (पू०), बम्बई में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2ए/37ईई/366382/ 86-87 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> बैद्य ए० सक्षम प्राधिकारी, सहायक । यकर आयुक्त (निरीक्षण), म्पर्जन रेंज-2 ए, बम्बई ।

दिनांक : 12-3-1987 मोहर:

# प्रकल कार्याः, द्वीत प्रनात एकत्र-----

# नायकर भौधिनयम, 1961 (1961 का 43) नी भारा 269-घ (1) के नधीन स्चना

## भारत तरकार

# कार्यालय, सहायक वायकर मायुक्त (निरीक्न)

श्रर्जन रेंज-2ए, बस्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1987 निदेण सं० श्रई-2ए/37ईई/36523/86-87-श्रतः मझे, ए० बैद्य,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भाग 269-ज के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट सं० ए-6 एम० ग्राई० डी० सी०, श्रंधेरी (पू), बम्बई-93 जो, इण्डस्ट्रियल स्ट्रक्चर के साथ में स्थित है श्रौर इसमें उपाद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है, श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 कथा के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 11~7-1986

को पूर्वोज्य सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोज्य सम्पत्ति का उचित बाजार मृष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे अध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण सिचित में बान्सिक रूप से कथित नहीं किया गया है द

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाद की बादत, अक्त विभिनियम के वभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने बा उसते बचने में सुविधा के लिए; ब्रॉट/या
- (ब) एसे किसी बाय या किसी धन या जन्य जास्तियों करों, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया बाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिए;

कतः अव. उक्त अधिनियम की धारा 269-म सै अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के क्षभीन, जिस्सानिकित व्यक्तियों, अर्थात है--- (1) फायबर फाइल्स प्राइवेट लि॰।

(धन्तरक)

(2) सेनिथ काम्युटर्स लि०।

(भ्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरितियों

. (बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को बहु स्थान बारी करके प्रवेक्त सम्परित के वर्षन जी लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

# दक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्मन्य में कोई थी आक्षेत्र ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की समिथ या तत्सम्बन्धी क्यक्तिमाँ पर सूचभा की तामील से 30 दिन की जबिथ, को भी जबिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिकों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (प) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गरा हैं।

# मनुस्ची

प्लाट सं० ए-6 एम० श्राई० डी० सी०, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-400093 जो इन्डस्ट्रियल स्ट्रक्चर के साथ स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-2ए/37ईई/36523/86-87 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० बैद्य मक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2ए. बम्बर्द

दिनांक : 12-3-1987

प्र**रूप बार्ड**् टी., एम., एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यास्य, सञ्चयक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

म्रर्जन रेंज-2ए, धम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1987 निदेश सं० श्रई-23/37ईई/36761/86-87--श्रतः मुझे, बैद्य,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रथात् 'उन्त नियनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के जभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्परिल, जिसका उचित नाचार भ्रम्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं प्रौर जिसकी संव इस्टेट, प्राफ महाकाली केवज रोड, प्रधेरी (पू०), नम्बई— 93, में स्थित है (ग्रीर इसमे उपानद प्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विजित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, नम्बई में रजिस्ट्री है, विनांक 18—7—1986,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, सब विश्वास प्रतिफल है, एवं स्थमान प्रतिस्क का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीक एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) संबद्धक वं हुइर्ड किसी बाय की नामक., जन्द अर्डियन के वर्षीन कर वाने के अन्तरक के वाधित में कभी कार्य वा अवर्ष नामने में बुनिया के लिए; कांक्र का
- (क) ऐसी किसी आयु या किसी धन या अन्य जास्तियों वृत्वाद जांचिन्वम्, 1957 (1957 का 27) के मुबोक्वार्थ बंद्यियों वृत्वारा प्रकट नहीं किया की, विन्हें प्रारतीय जानकड व्यापिन्वम्, 1922 का 11) या उपत विधिनियम या व्याप्त वा विका जाना काहिए था किया में स्विधा वी सिष्

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण वं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की जन्भाया (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् मन्द

- (1) मेसर्स गिर मास्टर इंजीनिययरिंग कारपोरेशन । (भन्तरक)
- (2) मेसर्स पूर्णिमा सुणील श्रीर श्रन्य । (भ्रन्तरिती)

की वह सूचना बारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किस कार्यवाहियां करता हूं।

उपस सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इक त्या के ट्रावपत में प्रकाशन की तारांच के 45 दिन की नवीं वा तत्त्वस्वाची व्यक्तियों पत्र क्या की तामीन से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्थानत्त्रों में से किसी न्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुष किसी बन्न व्यक्ति हुनाय, वधोहस्ताक्षरी है सह विश्व के विश्व का सकी थे।

स्वक्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त सम्बों मीर पत्ते का, जो उक्त मिन् तियम के कथ्याय 20-क में परिभाणित हैं। हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस मध्याय में देवा नया हैं।

# अनुसुची

यूनिट सं० 13, तल माला, सर्वोदय इण्डस्ट्रियल इस्टेट, ग्रॉफ महाकाली केटल रोड, ग्रंधेरी (पू०), बम्बई-93 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि श्र० सं० श्रई-2ए/37ईई/36761/ 86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० वैद्य सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2ए, बम्बई।

**धिनांक**: 12-3-1987

मोहर 🛚

# प्रकप बाइं.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजीन रेंज-2ए, बम्बर्द अम्बर्द, दिनांक 12 मार्च 1987 निदेश सं० प्राई-2ए/37ईई/36810/86-87---भतः मुझे, ए० बैद्य,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० ए-33, मरोल इंण्डिस्ट्रियल एरिया, बिलेज मुलेयान, श्रंधेरी (पू०), बम्बई में स्ट्रक्चर के साथ में 'स्थित है श्रीर इसमें उपाबद्ध मनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 18-7-1986

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती प्रतिकल, निम्नलिखित उच्चदेष से उक्त मन्तरण लिखित में बास्तीविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से बुद्ध किसी भाष की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (क) एसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयं कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती. द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, क्रियाने में सुविधा के सिए।

मतः अब, उस्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, में, उस्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिस्ति स्वित्यमें अर्थात् :—

- (1) मेसर्स भारकेन रवर वर्क्स प्राइवेट लि०। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मनहरलाल कालीदास सयानी । (ग्रन्तरिती)
- (3) श्रन्तरिती । (यह व्यक्ति,जिसके श्रिधिभोग में संपत्ति है)
- (4) महाराष्ट्र इण्डस्ट्रियल डेवेलपमेंट कारपोरेशन (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह. संपत्ति में हितबद्ध है)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत संपत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कार्द्र भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 विन की जबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों धर सूचना की ताशील से 30 विन की अविश जो और जबिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, गहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याभ में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका प्लाट सं० ए-33, जो मरोल इण्डस्ट्रियल एरिया, विलेज मुलेयान, तालूका श्रंधेरी, जिला बम्बई सबर्बन जिला, जिसका विस्तार, लगभग 1000 चौरस मीटर है। जो स्ट्रक्चर के साथ बम्बई में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि कि सं मई-2ए/37ईई/36810/ 86-87 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया ।

> ए० **बैग्र** सक्षम प्राधिकारी∎ सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज−2ए, बम्बई

दिनांक: 12-3-1987

# क्ष्म कार्<sub>छ</sub> टौ<sub>उ</sub> पुर<sub>छ</sub> पुरु<sub>छ</sub> स्टब्स

# नायकड निभित्तिवसः, 1961 (1961 सन 43) की

धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

# कार्यभ्य, बहायक भागकर बाद्कर (निर्दाक्षक)

श्चर्जन रेंज, 2ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1987 निदेश सं० श्चई-2ए/37ईई/36701/876-87--श्चतः मुझे, ए० **बै**द्य,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट जिसका सर्वे सं० 57, एच० सं० 5 (श्रंश), सी० टी० एस० सं० 13—38, विलेज मुलगांव, श्रंधेरी (पू०), में स्थित है श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, विनांक 18—07—1986

को प्वेंक्स सम्पर्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि युवापुर्वेक्स सम्पर्ति का उषित बाजार शृत्य, उसके व्ययमान अतिफल के एसे व्ययमान प्रतिफल कर पहुद्द प्रतिचत से विभिन्न है और अंतरिक (बंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरम के लिए तय पाया गया प्रति- कम निम्निवित्त उपुर्वेक्य से अवत बंतरण विवित्त में वास्तविक कम निम्निवित्त उपुर्वेक्य से अवत बंतरण विवित्त में वास्तविक कम से कथित नहीं किया नवा है द—

- (क) बन्बरण में सुर्ध किसी नाम की बावत , उक्त निभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरकः के वायित्व में कमी करने या उससे अभने में स्विधा के निए; बॉर/बा
- (व) एसी किसी भाग या किसी धन या मन्य आस्तिय। को, चिन्हें भारतीय नाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उवत निधिनयम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ वन्तियमी, विधाय प्रकट नहीं किया गया था वा विधाय आपा जाहिए था कियाने में सुविधा के किया

बदा वब, उच्छ वॉशिनियम की बादा 269-म की वनुबदुक वे, वें, उच्छ विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धत् हि— (1) मेसर्सं स्निमूर्ति फिल्स प्राइवेट लि॰।

(ग्रन्तरक)

(2) मसर्स यूनियन डेबलपमेंट्र कारपोरेशन । (अन्तरिती)

की यह तुषना जारी करके पूर्वोक्त सम्मर्टित के वर्षन के जिल् कार्यवाहियां करता हो।

उस्त सम्पत्ति के वर्जनु के संबंध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के ते 45 दिन की वनीय मा तत्कम्याची व्यक्तियों पड़ सूचना की तासील से 30 दिन की नविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति इवारा
- (ब) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीबा बैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंने ॥

\*पस्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, को खक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गंगा है।

## अनुसुची

प्लाट जिमका सर्वे सं० 57, हिस्सा सं० 5 (श्रंश,) सी०टी० एस० सं० 13-38, विलेज मुलगांव, महाकाली केव्ज रोड, ग्रंधेरी (पू०) बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2ए/37ईई/36701/86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० : **बैस** सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण); भर्जन रेंज-2ए, **बस्स**ई

दिनांक : 12-3-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2ए, बम्बई
अम्बई, विनांक 12 मार्च 1987

निवेश सं० अई-2ए/37ईई/36518/86-87--मतः मुझे, ए० वैद्य,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० यूनिट सं० 10, केटूब इण्डस्ट्रियल इस्टेट, कोंडिबिटा बिलेज रोड, आफ अंधेरी कुर्ला रोड, अंधेरी (पू०), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाब अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कखा के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 11-7-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से ए से इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ए से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उव्दिश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आर्य या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

. अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अधीत्:---

(1) मिठादिल इण्डस्ट्रीज ।

(ग्रन्तरक)

(2) शामसुन्दर के० ब्रहुजा ।

(म्रन्तरिती)

(3) मेसर्स सुमेर इण्टरप्राइजेस । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपहित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ले 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वनसूची

यूनिट सं० 10, तल माला, केट्व इण्डस्ट्रियल इस्टेट, कोंडी-विटा, विलेज रोड, ग्राफ अंधेरी कुर्ला रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित हैं।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2ए/37ईई/36518/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० वैदा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण);
श्रर्जन रेंज-2ए; बम्बई ।

विनांक: 12-3-1987

प्रारूप आई. टी. एन. एस......

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के सभीन सूचना

#### भारत चरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायकत (निरीक्षण)
श्रर्जन, रेंज-2ए, डम्बई
वस्बई, दिनांक 12 मार्च 1987

निदेश सं० श्रई-2ए/37ईई/37066/86-87--श्रतः मुझे, ए० बैदा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है' कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं० एस० सं० 153, सी० एस० सं० 1332, वसींवा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 28-7-1986, को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के जिवत बाजार मृत्य से कम केंद्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरिताों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उच्कत विभिनियम के बंभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बंचने में सूर्विशा के सिए; बरि/बन
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) कें अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्स खत्री एण्ड खावी ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स नताशा कल्स्ट्रक्शनस प्रा**इवेट्ट खि**र्डे (अन्तरिती)

(3) श्रन्तरकों । (वह व्यक्तित जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) ग्रन्तरकों । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रध हस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितवद है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जभाहस्ताक्षरी के पाद निवास के किस सा स्थाने ।

### अम्सूची

सम्पत्ति जो वर्सोवा, तालुका अंधेरी में, जिसका एन० ए० सर्वे सं० 153, नया सिटी सर्वे सं० 1332, वर्सीवा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कर सं० अई-2ए/37ईई/37066/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० बैस्र सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2ग, बम्बई

दिनांक : 12-3-1987

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के मुभीन सूचना

### ATCH SERVE

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
ग्रर्जन रेज-2ए, बम्बई
बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1987
निवेश सं० ग्रई-2ए/37ईई/36927/86-87--ग्रतः

मुझे, ए० बैच,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मसि, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 79, सी० टी० एस० सं० 368/279, विलेज मोग्रा, अधेरी, बम्बई में स्थित है और इसमें उपाब ह ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है और जिसका करारनामा आयकर ग्रिधिनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, विनाक 25-7-1986 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐस दश्यमान प्रतिकल के पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्धेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) श्रास्त्र वे हुई किसी बाव की वाबसः अकत अधिदिवन वे बचीन कर दोने से ग्रीटरक के लियान में करी बहने वा क्यूड नुमर्ग में ब्रिया से जिया बोह्/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्यः आस्तियों की. चिन्हं धारतीय शावकर विधिनयमः 1922 (1922 का 11) वा अवतः अधिनियमः या धन-कर विधिनयमः, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्व बन्दरिती बनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) मेसर्स जयसी कन्स्ट्रक्शन कम्पनी ।

(भ्रन्तरक)

- (2) मेसर्स सो० के० बिल्डर्स एण्ड डेव्हलोपर्स । (भ्रन्तरिती)
- (3) अन्तरितियों । (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- (4) शें -इ-पंजाब को०-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्व है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोचतः सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

# उक्त संपरित के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की व्यक्ति या तत्संबंधी क्यक्तियां पर सूजना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी नविष वाद में समाप्त होती हो के मीतर पूर्वोक्त आंतरामें में से फिसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस भूजना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्णि ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# जन्**स्**ची

खुला जमीन का हिस्सा, प्लाट जिसका सं० 79, सी०टी० एस० मं० 368/279, जिमका विस्तार 500 चौरस यार्ड, जो, बिलेज मोग्रा, तालुका अंधेरी बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्र\$-2ए/37\$\$\$86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्ब\$ द्वारा दिनांक 25-7-1986 को रजिस्ट\$ किया गया है ।

ए० बैद्य मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रंज-2ए, बम्बई

दिनांक : 12-3-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

The production of the second s

आग्रकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 घ (1) की अधीन सचाक

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज-2ए, बम्बई
बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1987

निदेण मं० प्रई $-2\sqrt{37}$ ईई-36872/86-87---म्रतः मुक्ते, ए० बैदा,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हो

और जिसकी सं० सी० टी० एस० सं० 219, एस० सं० 5, सं० 1, एस० वि० रोड, जोगेश्वंरी, बम्बई में स्थित है और इससे उपाबद्व प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है और जिसका करारनामा ध्रायकर प्रधिनियम की धारा 269कख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में जिस्ट्री है, दिनांक 24-7-1986

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (२) अन्यरण म हाइ किसी बाय की बायल्, उक्त अभिनियम के अभीत कर दने के अन्यरक के प्रियस्त में कभी करने या उसने यचने में मुक्तिभा की लिए; भीर/भा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का फिल्ड भारतीय आय-कर ऑधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या अलक्त वृद्धी किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने मां सुविधा के लिए,

अस: अब, उन्मनं अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्मन अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मनि खित व्यक्तियों, मर्थात् :---16—16 GI/87

(1) पेपर मिल प्लाण्ट एण्ड मशीनरी मैन्युफैक्च सं कम्पनी लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री जमनादास मोहनलाल चोकसी और 4 श्रन्य । (श्रन्तिरिनी)
- (3) श्रन्तरकों । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध ग्रंथ में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वीक्च क्यक्तियों में से किसी स्वीक्त प्रवास प्रवास
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबस्थ किसी जन्म व्यक्ति स्थाय अभाहत्ताकरों के शास लिखिस में किए वा सकोंगे !

स्थाप्टीकरण:-----इसमें प्रयुक्त शब्दां भौर पर्यो का, जो सबस विधिनियम के अभ्यास 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिया भगा हैं

# नन्स्ची

सम्पत्ति जिसका सी०टी० एस० मं० 219, एस० सं० 5, एच० सं० 1, बादीवली विलेज, एस०वि०रोड, जोगेश्वरी, बम्बई में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं० श्रई-2ए/37ईई/36872/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-7-1986 को एजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० **वैद्य** सक्षम प्राधिकारी 'पहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरी**क्षण**) श्रर्जन रेंज−2ए, **क्रम्बई**

दिनांक : 12-3-1987

# प्रक्प बाई. टी. एन. एस.---

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-व (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्मन रेज-2ए, बम्बर्ड वम्बर्ड, दिनांक 12 मार्च 1987

निदेश सं० ग्रई-4/37ईई/30858/84-85--भ्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम ,1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, 1,00,000/৮ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं खुला जमीन का हिस्सा जिकसा सर्वे सं 99, यहसा सं 1, सी टी एस मं 1518, विलेज एक्सार, तालूका बोरियली, बम्बई में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बणत है), श्रौर जमका करारनामा आयकर श्रधनियम 1961 की धारा 269 कद के श्रधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-7-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उमित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त संपत्ति का उमित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निसित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूर्विभा के लिए; और/बा.
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सरिधा के लिए;

(1) मेसर्स गणेश कन्स्ट्रबन्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स भरीहृंत एसोसिएट्स ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संगीत के अर्घन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जमिंध या तत्त्वंचंभी व्यक्तियों पर तूचना की तामिल से 30 दिन की नविध, को भी नविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत विकाशों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीबा से 45 विशन के मौतर उथस स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य म्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में जिए का सकेंगे।

स्यक्टीकरण: --इसमें प्रश्नुक्स शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिकम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उसे अध्याद में दिया गया है।

#### जन संची

खुला जमीन का हिस्सा जिसा सर्वे सं० 99, हिस्सा नं० 1, सी० टी० एस० नं० 1518, विलेज एक्सार, तालुका बोरि-वली, वम्बई में स्थित है ।

श्रमुसूची जैसा कि क० सं० श्र $\frac{5}{4}37-\frac{25}{5}$  $\frac{1}{30858}$  $\frac{1}{85-86}$  श्रीरंजी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलांक 1-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्रधिकारी सह। यक श्रायकर श्रायुक्त (नरीक्षण) श्रुजन रेंज-4, बम्बई

अतः अध , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अन्सरण में, में, उक्तत अधिनियम को धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, व्यक्तिकत व्यक्तिवाँ, अर्थीन :---

दनांक : 12-3-1987

(भ्रन्तरक)

प्रारूप आई. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना.

### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (विरीक्षण) अर्जन रेज--4, अम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1987

निदेश सं० ग्रई-4/37-ईई/30619/84-85--श्रतः मुक्के, लक्ष्मण दास,

आयकर अभिनियम . 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'सकः अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सस्पित्त जिसका उचित गाजार मृत्य 1,00,000/- रह से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं प्लाट व. उस पर गता स्ट्रक्चर जिलक सी बि टी ब्एप व नं 113, मर्वे सं 56 (श्रंग) ग्रीर 70 (श्रंग), प्लाट नं 75, बिलेज पहाड़ी, तालूका बोरि वली, वोथ वली (प), बम्बई — में स्थित है (ग्रीर इससे उपावस भनुसूजी में श्रीर पूर्ण क्य से वर्णित है), प्रिशियम, करारनामा भ्रायकर भिवित्यम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-7-1986,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के लिचत भागार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एके दश्यभान प्रतिकल के पद्मह प्रतिशत से अधिक े और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नितिस्त उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक इस से कथित नहीं किया गया है :—

- (५) अन्तरण स हुइ तकसी आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के यायित्व मा कभी करने वा उससे अधने में सृदिधा के लिए; अर्र/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्सियों की., जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की सिए;

जंतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री बी० भाटलागर ग्रीर ग्रन्य ।
- (2) भाटनगर एण्ड एसोसिएट्स । (म्रन्तरिती)

को यह सूचना बारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निध् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत संपत्ति के वर्षम के संबंध में भोड़ों भी आक्षोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के गेरर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर जकत स्थात्र उपित में हिसदक्ष किसी कन्य स्थित इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्सित में किए वा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमा प्रमृक्त शब्दों और पदों का, जो उसके अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

## भन्स्ची

प्लाट व उस पर बना स्ट्रक्चर जिसका सी० टी० एस० सं० 113, सर्वे सं० 65(श्रंश) श्रौर 70 (श्रंश), प्नाट सं० 75, विलेज पहाड़ी, तालूका बोविली, बम्बई में स्थित है ।

अपनुसुची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37 ईई/39619 श्रीर जी सक्कम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन र्राज-4, बस्बई

दिनोंक : 12-3-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1987

निदेश सं० प्रई-4/37—ईई/30547/85-86—-प्रतः मुझे, लक्ष्मण बास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रापिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० रा हाउस नं० 10, प्लाट नं० 7, गुलजी नगर, एस० वि० रोड, बोरियली, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम की 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, दिनांक 1-7-1986,

को पूर्वेक्स सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिद्यात में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्थ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तविद्य रूप से किया गया है:---

- (क) बन्तरण संहुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दर्शियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्र/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कर: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थत् :--- (1) रमेश कन्स्ट्रक्शन कम्पनी (बाम्बे) ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रेखा किशोर शहा श्रीर केंऽडी० शहा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस सूभना के राजपत्र मों प्रकाशन की ताराख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबङ्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

रा हाउस नं० 10, प्लाट नं० 7, मुलजी नगर, एस० वि० रोड. बोरिवली, बम्बई में स्थित हैं ।

श्रनुसूची जैमा कि ऋ० सं० श्रर्ध-4/37—ईई/30547/85–86 जौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (तिरीक्षण) ग्रर्जन रैंज-4, बम्बई ।

दिनांक: 12-3-1987

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)
- ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई
बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1987

निदेश सं० ग्रई-4/37-ईई/30859/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बावक ह विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात् 'तकत् विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/- रा. से बिधक हैं

स्रौर जिसकी सं खुला जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे नं 190, हिस्सा नं 1, सी टी एस नं 2374 स्रौर 2376, विलेज दिहसर, तालूका बोरिवली, बम्बई में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), के स्रौर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम, 1961 की धारा 269 ख के स्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-7-1986,

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृल्य से कम के क्यबान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जावित बाबार कृष्य, उबके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यसमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बधिनियम के बधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) खें प्रयोजनार्थ बन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-**घ की उपधारा** (1) कों अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मेसर्स गणेश डेवलोपमेंट ट्स । (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स ग्ररीहंत कन्स्ट्रवशन्स । (ग्रन्तरित) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की वर्वींभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर बूचना की तामील से 30 दिन की वर्वींभ, को भी ब्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति इवारा, अभोहस्ताकारी के पास विविद्य में किये वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस स्थाय में दिशा स्वाह थें।

# वनुसूची

खुला जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे सं 190, हिस्स सं 17 स ० टी० एस० सं 2374 ग्रीर 2376, गिलेज दिहसर, तालुका बोबिली, बम्बई में स्थित है ।

ग्रनुसूपी जैसा कि क० सं० ग्रई-4/37-ईई/30859/ 86-87 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई A

दिनांक : 12-3-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यापय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बर्ध बम्बर्ध, दिनांक 12 मार्च, 1987

निवेश सं० भ्रई-4/37ईई/32795/84-85 ---मुझे, लक्ष्मण द.स,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह धिश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

खुला जमीन का हिल्सा जो व्हिल्ल बोरियली, तालूका बोरियली ट बम्बई में स्थित हैं। जिसका एजिस्ट्रेशन डिस्ट्रेक्ट और सब्रिड्ट्रिक बम्बई में हैं। जिसका विस्तार 2208 चौरम माटर या 26437 चौरम यार्ड है। जिसका सर्वे नं० 39 (अंग) हिस्सा नं० 6 (अंग) सो०टा०एम०नं० 267 (अंग) है। में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण-रुप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधियनम 1961 की धारा 269 कथ के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशतः से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अनिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बासविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिबों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विश्वासन अधिनियम, विश्वासन अधिनियम, विश्वासन अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) मेनर्स जयराज बिल्डर्स । (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स कोरीया कन्स्ट्रक्शन कम्पनी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आंभी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पर्णक्त विक्तों में से किसी व्यक्ति ब्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थापर सम्पन्ति में हिराबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा नो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रनु सूची

खुला जमीन का हिस्सा जो विलेज बोरिवली, तालूका बोरिवल, बम्बई में स्थित है। जिसका विच्तार रजिस्ट्रीकरण डस्ट्रीक्ट भ्रहेर सविङस्ट्रीक्ट बाम्बे सबबंन है जिसका विस्तार 2208 चौरस मीटर या 2643.7 चौरस यार्ड है। जिसका सर्वे संठ 39(भ्रंण) हिस्सा संठ 6 (श्रंश), सीठ टीठ एस० संठ 267 (श्रंण) है।

श्रनुसूची जैसा कि का सं० श्रई-4/47-ईई/32795/ 85-86 पोर जा सजन प्राजिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1986 को रजिस्टई किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

तारीखाः 12-3-1987

मोहरः

प्ररूप आहुरे. टी. एन. एस.-----

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन स्चना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

भम्बई-4. दिनांक 12 मार्चे, 1987 निदेश सं० श्रई-4/37ईf/32787/84-85---श्रतः मुझे, लक्षमण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रीधिकारी की, यह विद्धास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजिक बाजार मृस्य 1900,000/- रहत से अधिक है

और जिसकी सं० सब-डेव्हलीपमेंट राईट प्लाट नं० 5 में जिसका सर्वे नं० 161, हिस्सा नं० 2(अंग) सी०टी०एस० नं० 2802, जिसका विस्तार 500 चौं० याई है जो विलेज एक्सार में स्ट्रकचर के साथ, नालूका बोरिवली, बस्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) श्रिधकारी के कार्यालय, बस्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के [कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 1-7-86

को पूर्वित्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि समाप्ने कित सपित का स्विध बाजार मूल्य, जसके बश्चमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती को बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित सब्देश्य से उन्नत अन्तरण निम्नलिखित सं

- (क) लन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सामित्व में कभी करण या उसक अधन में मुविधा के लिए, और/या
- (का) एसी किसी आग या फिसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाता बाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए:

अतः उदा, उद्यत अभिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में , में , उदत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेरार्स काशिक एसोसिएट्स।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स अजीब इन्वेस्टमेंट प्रायवेट लि०। (श्रन्तरिती)

की यह तुषाना आरी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन की लिए कार्यवाहिणं करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हु-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की सर्विध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त स्पक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की लारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध . किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पाधिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, को उक्त अधिनियमः, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होग जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सब-डेव्हलोपमेंट राईट प्लाट नं० 5 में, जिसका सर्वे नं० 161, हिस्सा नं० 2(अंश) दिशिव्दीव्यस्त नं० 2802, जिसका विस्तार 500 चौरस यार्ड । जो ब्लिज एक्सार, स्ट्रकचर के नाथ, तालूका बोरिवली बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० श्रई-4/37ईई/32787/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 1-7-87 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनांक: 12-3-87

प्ररूप बार्ष: टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-व (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यक्रिय, सहायक आथकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1987

निदेश सं० म्रई-4/37-ईई/30851/84-85--म्रतः मुझे, लक्षमण दासं,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- क से अधिक है

और जिसकी मं० द्रकान नं० 1, जिसका विस्तार 448 चौरस फिट बिल्ट अप है। भौर बेसमेंट का विस्तार 224 चौरस फीट बिल्ट भ्रप है। निर्माणाधीन इमारत, श्री गिरीराज शापिंग सेन्टर, जिसका सर्वे नं० 110, एच नं 0 1, सी 0 टी 0 एस 0 नं 0 68, और 69 (1) से (9), मालाट नार्थ, म्युनिसिपल बी-वार्ड नं० 1071/ 1075 स्ट्रीट नं० 179, 181, ए/1, 180, 181 और 188ए, एस० वी० रोड पारेख लेन के सामने, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्द्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, बम्बई में, और जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-7-1986 को पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसक क्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंनाह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस जन्तरण के जिए तब पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उददोस्य से उक्ता अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम क अभीन कर याने क अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे अबने में सृक्षिधः के लिए: बौर/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट रही किया गया था या किया गाना चाहिए था, स्थिपान में सुविधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्स श्री जी बिल्डर्स।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती ललिताबेन डी० हिरानी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

जमरा सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्धाराः
- (स) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित्रब्रुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के एम लिखित में विकार जा सकीय।

स्पट्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाक्ति है, यही अर्थ तोश को उस अधाय मा रिक्या गया है।

### बन्स्ची

दुकान नं० 1, जिसका विस्तार 448 चौरस फीट बेल्ट प्रप हैं। और बेंसमेंट का विस्तार 224 चौरस फीट बिल्ट प्रप हैं। निर्माणाधीन इमारत, श्री गिरीराज शापिंग सेन्टर, जिसका सर्वे नं० 110, एच नं० 1, सी० टी० एस० नं० 68, और 69 (1) से (9) मालाड नार्थ, म्यूनिसिपल बी—वार्ड नं० 1071/1075 स्ट्रीट नं० 179, 181, v/1, 180, 181 और 188 v, v, v, v वी० रोड, v, v ने के सामने, कांदिवली v

श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० श्रई-4/37ईई/30851/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ंलक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक श्राधुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 12-3-198*7* 

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

णायकर त्रीघीनसम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सभीन स्थना

### भारतं सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1987

वायकर मधिनिवस, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परभात् 'उक्त मिनियस' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्बद्धि, जिसका उचित्त बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फलैट नं० 801, मार्टीनस बेस्ट, सान्ताकुज (प०) बम्बई 54 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है)और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के श्रधीन, बम्बई स्थित अक्षम प्राधिकारी कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 25-7-86

स्ते बुवोक्त संस्पत्ति को उचित वाकार बृत्य है और वह विकास करने का कारण है कि यथाएगोंकत सम्पत्ति का उचित वाजार कृत्य का कारण है कि यथाएगोंकत सम्पत्ति का उचित वाजार कृत्य, उचके स्वयमान प्रतिकत का सम्बद्ध प्रतिकत से अधिक है और जैतरक (जैतरका) बार बंबिसी (सन्तिरित्यों) के योच एसे अन्तरण के लिए तब पावा ववा हिस्सी, विकास , विक्वितिष्ठ के सम्बद्धिक , विव्यविद्धिक , विविद्धिक , विव्यविद्धिक , विव्यविद्यविद्धिक , विव्यविद्धिक , विव्यविद्धिक , विव्यविद्धिक , विव्यविद्

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-जियम के अभीन कर बंध के अध्ययक के दायित्व के अभी करण या उनसे अधार्य में सुविधा के सिए, और/वा
- (ल) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय नाम-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरिती क्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) श्री रमेश एच० रामनानी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री महेन्द्र ग्रार० लिखिते, श्रीमती स्तेहलता रमाकांत लिखिते और श्री रमाकांत शंकर लिखिते।

(भ्रन्तरिती)

को यह भूचना जारी करको पृथांकित सम्पत्ति के अर्जन को लिए काशवाकियां करता हुं।

# उस्त सम्पत्ति के शर्मन के सम्बन्ध में कोई भी बाओर :---

- (क) इस श्रुचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की जनभिया तत्संबंधी व्यक्तिमां वर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी जनभि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रिंगल व्यक्तियों में से किसी स्थीक्त द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाषन की तारीन के 45 दिन को जीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्या कि कि अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तार्थरी के वास सिविष्य को किए जा सक्ती।

स्थलकिएन:---इसमें प्रयुक्त प्रथ्यों और पदों का, जो जवन अधिनियम, के अध्याम 20-क में नरेरकारण है, वहीं अधि होना, जो जस सध्याप रोजा 1600 वया है।

### वनस्पी

फलैंट नं० 801, जो मार्टीनम बेस्ट को० प्रॉप हाउसिन सोसायटी, टी०पी० एस० 4, सेन्ट्रल एवेन्न्यू सान्ताकुज (प०) बम्बई 400054 में स्थित है।

प्रनेसुची जैसा की कि० सं० प्रार्ठ-2वी/37ईई/37163/ 37064/36941/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्वई द्वारा दिनांक 20-7-86 को एजिस्टई किया गया है।

> एम० एम० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज--2वी, वस्बई

तारीख: 10-3-1987

# प्ररूप आहुरै, टी. एन. एस.,-----

# ज∨यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीम स्चना

### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जेद रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1987

निर्देश सं० %ई-2बी/37ईई/36619/86-87--म्रतः म्झे, एम० एस० राय,

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिह बाकार मृल्य

1,00.000/- रा. में अधिक हैं

और जिसकी सं० फलैंट नं० 19, नगेट सोसायटी, खार, बम्बई 52 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियभ की धारा 269 क, ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री तारीख 14-7-1986

को प्यंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्ये यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित राजार मृत्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल निम्नितिसित स्ववंदय से उक्त अन्तरण निम्नित के वास्तिक रूप से किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, जक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान् :—- (1) श्रीमती मीरा वाय केलकर।

(श्रन्तरक)

(2) श्री रेवाचंद एन० खुशलानी और श्री हरीण ग्रार० खुशलानी।

(ग्रन्ति√ती)

(3) ग्रन्तरिती। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पति है)

को यह स्वना बारी करके प्रवीवंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के शरीन के सम्बन्ध में की हैं भी आक्षेप ह

- (क) इस स्पान के राजपत में प्रकाशन की तारीश से 45 कि कि बिविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुभन के रामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवन्त;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रय्यक्ष शब्दों और पदों का, ओं उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होशा की उस अध्याय में दिया णया है।

## अन्स्थी

फलैंट नं० 19, जो नगेट को० ग्राप० हाउसिंग सोमायटी लिमिटेड, 62, चित्रकार, धूरंदर मार्ग, ग्रठग्वा रोड, खार, बम्बई 400052 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कि० सं० श्रई-2बी/37ईई/36619/36672/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-7-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

एम० एस० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, अम्बई

तारीख: 10-3-8*7* 

# प्रस्प बार्ड. टी., एन्<u>..</u> प्रस्<sub>र,-------</sub>

# भागकर मीधिनयस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

### शहत ब्रह्मा

# कार्यांगर्व, सहावक बायकर बायुक्त (निर्देक्तिक) श्रर्जन रेंज 2 बी, बस्बई

बम्बई, दिनांक 10 मार्च, 1987

निदेण सं० ग्रई-2बी/37ईई/36733/36807/86-87

श्रतः मुझे, एम० एम० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उनित बाजार मृत्य 1,00,000/- स्त. से विधिक है

श्रौर जिसकी सं फलैंट नं 601, होली होक, सान्ताकुज (प) बम्बई 54 में स्थित हैं (श्रौर इसा उनाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित हैं) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख, के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 18-7-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दरवजान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास सदने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिक्षल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मसिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिस्ति के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) नंतरण से हुई किसी नाय की बावत उक्त जिथ-नियम के बभीन कर दोने के अक्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए भीर/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ अक्रोजनार्थ अन्तरिंसी ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में युविधा के लिए;

अत: अब. उबत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलेखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मुरेण टी जाछवानी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री म्रात्माराम भी तहीं तरमानी म्रौर श्री लालचंद म्रात्माराम तही तरमानी।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्री विनय भ्राठले। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

(4) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्तति में हितबद्ध है)

को बहु बुचना बारो करके पूर्वा का सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुरू अर्थन हु।

# उक्त सम्मल्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की च्विचि मा तरक्षम्ती व्यक्तियों प्र स्वा की साथील से 30 दिन की संवीध, जा भी सविच नाद में दनान्य होती हो, के भीतर प्रवित का किएवों में से किसी की किस स्वारा,
- (स) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर स्थत त्यादर सम्पत्ति में हितबहुध किसी जन्म व्यक्ति बुगरा स्थोइस्ताक्षरी के नास निवित्त में किए जा सकता।

स्थळीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्यों और पक्षों का, को उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बहुी नर्भ होगा जो तस अध्याय में दिया ग्या है।

# अनुसुची

फलैंट नं० 601, जो होली होक को० म्नाप० हाउसिंग सोसायटी इद्रनारायन लेन सान्ताकुज(प), बम्बई 400054 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की करु संरु श्रई-2बी/37ईई/36733/36807/86-87--श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक <math>18-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम० एस० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2वी, बम्बई

तारीख: 10-3-87

प्ररूप आहु<sup>\*</sup>. टी.एन.एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-2बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मार्च, 1987

निदेश सं० श्रई—2बी/37ईई/36934/86—87——श्रतः सुझे, एम० एस० रायः,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 719, एस एस 7, खार, बम्बई में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम की धारा 269 क, ख, के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के यार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है नारीख 25-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कमन्के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गारा गया प्रतिफल, निम्नेलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्षित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/सा
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेसर्स पेरामरउट बिल्डर्स।

⊭ (भ्रन्तरक)

- (2) पेरामांउट जाधवानी एसोसिएटस। (भ्रन्तरिती)
- (3)भडोत्री। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विकत द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका प्लाट नं० 719, एस एस नं० 7, एस नं० डी-900-सी/1, खार बम्बई में स्थित है।

श्रनुमूची जैसा की ऋ० सं० श्रई-2बी/37ईई/36934/ 86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनाक 25-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एम० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2बी, बम्बई

तारीख: 10-3-1987

मोहर।

## त्यम् वाव्ै.टो . एन . एव . -------

# भाषकर नृभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म (1) के नभीन सूचना

#### TITO STATE

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2बी, बम्बई

बम्बई, विनाक 10 मार्च 1987

निदेश सं० श्रई-2बी/37ईई/35,247/86-87-श्रतः मुझे, एम० एन० राय

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विश्वे इसमें इसमें परचात् उनत अधिनियम कहा गया है।, को भारा 269-व के नधीन सक्षम प्राधिकारी को नह विश्वेस कर्मे का कारण है कि स्वादर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000 रा. से अधिक ही

ग्नौर जिसकी सं० फलैट नं० 402, ग्रन्ता ग्रापार्टमेंट, सान्ता-कुज (प), बम्बई 54 में स्थित है (ग्रार इसमें उपाबस ग्रामुची में ग्रीर पूर्ण रूप सर्वाणत है) श्रीर जिसका करार-नामा ग्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है तारीख 3-7-1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वाम करने का कारण है कि समापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजाइ कृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाय। गया प्रति-क से निम्नामितिक सब्बोक्त से उचन अंतरण सिरीचत में वास्त्रिक क्य निम्नामितिक सब्बोक्त से उचन अंतरण सिरीचत में वास्त्रिक

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधितियंत्र के बंधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे अवने में मृतिका के तिहार; सार/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का il) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया आना चाहिए था, कियाने में हिस्सा के निए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैंसर्स सिप्पी एसोसिएटस।

(ग्रन्तरक

(2) श्रीमती पदमा मुलाधार।

(म्रन्तरित

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता शुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीक्षर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाब्दीकरण: — इसमे प्रयुक्त अब्बॉ और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

## अनुसूची

फलैट नं० 402, जो म्रन्ना म्रपार्टमेंट 14, म्रवेन्यू सान्तावुज(प), बम्बई 400054 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा की कि सं० ग्रई-2बी/37ईई/35247/86-87 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  $\cdot 3-7-1986$  की रजिस्टर्ड किया गया है।

एम० एन० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2बी, बम्बई

तारीख: 10-3-1987

मोहरः

प्ररूप आहें टी. एन . एस . ------

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-म (1) के अधीन स्थना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रूपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फलैंट नं० बी-63, नरेन्द्र श्रपार्टमेंट खार, बम्बई 52 में स्थित है और इसमें उपाबढ़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है तारीख 4-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या, धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सिया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) मैसर्स ग्रार एम ए बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुनित कुमार राय।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के क्वान के किए कार्यवाहियां करता हूं।

ं उक्त संपत्ति के अर्क्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस मूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वनुसूची

फलैट 'नं० बी-63, जो छठवीं मंजिल, नरेन्द्र अपार्टमेंट, खार दांडा, बम्बई 500052 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० श्रई-2बी/37ईई/36280/ 86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-71-986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एम० एन० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2बी, बस्बई

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—-

तारीख: 10-3-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 मार्च 1987

सं० राज०/महा० भ्रा० श्रर्जन/2706—यनः मुझे सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिसांक 3 जलाई 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक एप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बेचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

- (1) श्री भीम सिंह पुत्र ठाकुर इन्द्र सिंह राजपूत निवासी न्यू मंडाबा हाउस, संसार चन्द्र रोड़, जयपुर । (श्रन्तरक)
- (2) श्री चन्द्रभान जी शर्मा पुत्र श्री भूरा मल जी जोशी प्लाट नं र 74-डी, घीया भवन, घीया मार्ग, जयपुर। (ग्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वाकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस स्ट्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुं कियी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त कुर्व्यो और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हो, तही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हो।

# अनुसूची

जमीन स्थित ग्राम टोड़ी रमजानीपुरा तहर मागानेर जो उम्म पंजियक, जपपुर दारा कप संख्या 2123 दिनांक 3 जुलाई, 1986 पर पंजियद विकय पत्र में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :----

दिनांक: 13-3-1987

## संघ लोक सेवा आयोग

### नोटिस

अनुसूचित काति/अनुसूचित कनकाति के उम्मीववारों के लिए प्रेड-। (अवर सचिव) सीमित विभागीय प्रतियोगिता धरीक्षा 1987

# नई दिल्ली, विनांक 11 अप्रैल, 1987

सं. एफ. 25/1/87 प. । (ख)-भारत सरकार के राजपत्र विनांक 11 अप्रैल, 1987 में कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे परा 2 में उल्लिखित सेवाओं के ग्रेड-। की चयन मूचियों में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों के सामने, और नाम जोड़ने के लिए संघ लोक सेवा आयोग वंबई, कलकसा, विस्ली, मज़ास, मागपूर तथा विदोश स्थित कुछ चूने हुए भारतीय मिशनों में 15 सितम्बर, 1987 से एक समिमलित सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यदि चाहे तो उक्त परीक्षा के उपर्युक्त केन्त्रों तथा तारोकों में परिवर्तन कर सकता है । यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिए उभकी पसन्द के केन्द्र दोने के सभी प्रयास किए आएंगे तो भी आयोग परिस्थिति वस किसी उम्मीदवार को अपनी विवक्षा पर अलग केन्द्र दो सकता है । जिन उम्मीदवारों को उस परीक्षा में प्रवेश दो विया जाता ही उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों की जानकारी दो दी आएगी) नीचे अन्-बंध का परी 7 देखिए ।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर जिन सेवाओं में भर्ती की जानी है उनका तथा उन सेवाओं में उपलब्ध रिक्तियों की अनुमानित संख्या का विवरण इस प्रकार है।

वर्ग- ।

कन्द्रीय सचित्र का ग्रेड-। 14\*

बर्ग-।।

भारतीय निवंश मेवा, शासा ''स'' के सामान्य संवर्ग का ग्रेड-।

> 5(3 अन्सूचित जाति तथा 2 अ.ज.जा.के उम्मीसवारों कें लिए)

\*अ. जा. तथा अ. ज. जा. के लिए अलग-अलग रिक्तियों की संख्या सरकार ने नहीं दी 0 है।

उपर्युक्त संस्थाओं में परिवर्तन किया जा मकता है।

- 3. उम्मीदवार अपने आवेदन पत्र में उस वर्ग को स्पष्ट रूप से अवश्य उल्लेख कर जिसके लिए वे प्रतियोगिता में भाग लेना चाहते हैं।
- 4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार मंलग्न आवेदन पत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउत्स, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करें। निर्धारिक आवेदन पत्र

तथा परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउउस, नर्इ दिल्ली-110011 से प्राप्त किए जा सकते हैं।

दिष्पणी :- उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन पत्र अनुसृष्टित जाति तथा अनुसृष्टित जाति के लिए ग्रेड-। (अवर सचिव) सीमित विभागीय परीक्षा 1987 के लिए संलग्न निर्धारित आवेदन-पत्र पर ही प्रस्तुत करें। अनुसृष्टित जाति तथा जनजातियों के लिए ग्रेड-। (अवर सिचव) सीमित विभागीय परीक्षा, 1987 के लिए निर्धारित आवेदन प्रपत्र से अलावा अन्य आवेदन प्रपत्र पर प्रस्तुत आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा ह्आ आवेदन पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग धौलपर हाउन्स, नई दिल्ली-110011 को 8 जून, 1987 (8 जून, 1987 से पहले ही किसी तारीब से असम, मंघांलय, अरुणाचल प्रदेश, मिजीरम, मिणपूर, नागालैंड, त्रिप्रा, सिकितम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौन और स्पीति जिले तथा चम्बा जिले के पांगी उपमंदल अंडमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्दिप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 22 जून, 1987 तक या उससे पहले अवश्य भिजवा दिया जाए। निधारित तारील के याव प्राप्त होने वाले किसी भी आवेबन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

असम, मंघालय, अरुणाचल प्रवंश, मिजोरम, मणिपूर, नागालैंड, त्रिप्रा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लववास प्रभाग, अंडमान और निकाबार द्वीप समूह, हिमाचल प्रवंश के लाहाँ ते और स्पीति जिले तथा चम्बा जिले के पांगी उपमंडल या लक्षववीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 8 जून, 1987 से पहले की किसी तारील से अमम, मंघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपूर, नागालैंड, त्रिप्रा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर के लद्दाल प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहाँ ल और स्पीति जिले तथा चम्बा जिले के पांगी उपमंडल अंडमान और निकाबार ववीप समूह या लक्षदवीप या विदेशों में रह रहा था।

हिष्पणी:—जो उम्मीदवार एमें क्षेत्रों के हैं जहां के रहने वाले आवंदन की प्रस्तृति होत् अतिरिक्त समय के हकदार हैं उन्हें आवंदन-पत्र के संगत कालम में अपने पतों में अतिरिक्त समय के हकदार इलाके या क्षेत्र का नाम (अर्थात् असम, मेषालय, जम्मू तथा कश्मीर राज्य का लददाल प्रभाग आदि) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए अन्यथा हो सकता हैं कि उन्हें अतिरिक्स समय का नाभ न मिल मके।

> डी. पी. राय अवर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग

## अन्बंध-।

## उक्ष्मीदवारों को अनुबोध

 उम्मीवयार आयेवन-पत्र भरने से पहले नोटिस और नियमा-बली को ध्यान से पढ़कर यह दोख लें फि वे परीक्षा में बैठने कें षात्र भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्ती में छूद नहीं वी जा सकती हैं।

आविशन पत्र भेजने से पहले उम्मीववार को नोटिस के पैरा-। में बिए केन्वों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा बेने का न्हच्छुक हो, अंतिम रूप से चुन लोगा चाहिए ।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से संबद्ध अन्योध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया आएगा किन्त् यदि कोई उम्मीदवार अपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परिक्षा होता और अपने आवंदन में निर्विष्ट किया था तो उसे सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को इस बात का पूरा आधिरण बताते हुए एक एक रिजरिट डिंड कि से अवस्य भोजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। एसे अन्योधी पर गुणवता के आधार पर विचार किया आएगा किन्त् 17 अगस्त, 1987 के बाद प्राप्त अन्योधी को कियी भी स्थित में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

यवि कोई उन्मीदवार किसी विविध स्थित भारतीय मिशन में परीक्षा वेना भाहता है तो उसे अपनी पसंव के कमान्सार वो अन्य भारतीय मिशन (वह स्वयं जिस बोश में ही उससे भिन्न बोशों में स्थित) के नाम भी वैकल्पिक केन्द्रों के रूप में बोने चाहिए। आयोग यवि चाही तो, उन्मीदवार को उसके ब्वारा उल्लिखित तीन किशनों में से किसी एक में परीक्षा में बैठने के लिए कह सकता है।

2. उम्मीदवारों को आवेदन प्रपत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ से स्याही से या बाल पाइट पैन से ही भरने चाहिए । अध्रा या गलत भरा हाआ आवेदन पत्रक. अस्वीकार कर दिया आएगा।

उम्मीदवार यह ध्यान रखे कि आवेदन पत्रों को भरते समय भारतीय अंकों के अन्तर्राष्ट्रीय रूप का ही प्रयोग किया जाना है। वे इस बात का दिश्ये ध्यान रखें कि आवेदन पत्र में की गईं प्रविष्टियां स्पष्ट और सपाठाय हों। यदि प्रविष्टियां अपाठाय या भूमाक होंगी तो अनके निर्वेचन में होने दाले भूम तथा संदि-ग्यता के लिए उम्मीदवार उत्तरदायी होंगे।

उम्मीदवारों को यह और ध्यान रखना चाहिए कि आयोग आवेदन पत्र में उनके द्वारा की गयी प्रविष्टियों को बदलने के लिए कोडें पत्र आदि स्वीकार नहीं करेगा। इसलिए उन्हें आवेदन पत्र सही रूप में भरने हो लिए विकोध सावधानी बरतनी चाहिए।

उम्मीदवार को अपना आवेदन पंत्र सम्बंद्ध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मर्फत ही भेजना चाहिए जो संगत प्रविष्टियों का सत्यापन करके आवेदन पत्र के अंग में दिए गये पृष्ठांकन को भर कर आयोग को भेज दोगा।

- उम्मीदवार अपने आवेदन पत्र के साथ निम्निलिखित पत्र आवश्य भेजे ।
  - (1) उम्मीदिवार हाल ही के पारपत्र आकार (लगभग 5 मों मी भित्र में मी ) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां जो कि एक आवेदन एपत्र पर और दासरी उपस्थिति पत्रक में निर्धारित स्थान पर चिपकाई गई हों। तम्बीदवार को फोटो की प्रत्येक प्रति पर सामने की थोर स्याही में हस्ताक्षर करने वाहिए।

- (।।) लगभग 11.5 सें.मी. ×27.5 सें.मी. आकार कें विना टिक्स लगें हुए दो लिफाफे जिन पर अपना पता लिखा हो ।
- (।।।) विधियत् भरा हुआ उपस्थिति पत्रक (आवेदन प्रपत्र के साथ संलग्न) ।
- 4. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन पत्र भरते समय कोई भूठा ब्यौरा न वे अथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपाएं।
- 5. आवेदन पत्र दोर से प्रस्तृत किए जाने पर दोरी के कारण को रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन प्रपत्र को अमृक तारीस को भेजा गया था। आवेदन प्रपत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सचक न होगा कि उसे पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।
- 6. आयोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक आवेदन पत्र की पावती वी जाती है तथा आवेदन पत्र की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संख्या जारी कर दी जाती है। यदि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के आवेदन पंत्र प्राप्त करने के लिए निर्धारित अंतिम तारील के एक माम के अंदर पावती नहीं मिलती है तो उसे तत्काल आयोग से पावती होत् संपर्क करना चाहिए।
- हस तथ्य का कि उम्मीदवार की आयेदन पंजीकरण संख्या जारी कर दी गयी है अपने आप यह अर्थ नहीं है कि आवेदन पत्र सभी प्रकार पूर्ण है और आयोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।
- 7. इस परीक्षा में प्रवेश चावने वाले प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन पत्र के परिणाम की संबना यथाशीष्ट्र दे थी जाएगी। किन्तु यह नहीं केहा जा सकता कि परिणाम कक्ष संचित किया जाएगा टेदि परीक्षा शुक्र होने की तारील में एक मुहीने तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारों में संघ लोक सेवा आएगे से कोई सबना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आएगे से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने एसा नहीं किया तो वह अपने सामले में विचार किए जाने के दावे से विचार हो जाएगा।
- 8. परीक्षा में सिम्मिलित होने के लिए उम्मीदवार को संघ लोक सेवा आयोग से कोई यात्रा भत्ता नहीं मिलेगा।
- 9. आवंदन पत्र से संबद्ध पत्र-व्यवहार :—-आवंदन पत्र से संबद्ध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लेक सेवा आयोग, धौलप्र हाउत्स, नर्ज विल्ली-110011 को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा क्याँरा अतिवार्य रूप से विया जाए :—-
  - (i) परीक्षाका नाम
  - (ii) परीक्षा का मास और वर्ष
  - (iii) उम्मीवसार की शावेठन पंजीकरण संख्या अनुक्रमांक अथवा उन्म सिथि यदि आवेबन पंजीकरण संख्या अन्-क्रमांक समित यहीं किया गया है।
  - (iy) उक्कीव्यार का नाम (पुरा सथा बड़े अक्षरों में) ।
  - (v) आवेदन पत्र में विया पत्र-व्यवहार का पता

18\_16 GI/87

विकथ ध्यान : —-जिन पत्रौं आदि में यह ब्यौरा नहीं होगा संभवत: उन पत्रों पर विशेष ध्यान नही दिया जाएगा।

िश्चेष ध्यान :---

परीक्षा समापा होने के बाब यीव उम्मीद-बार से कोई पत्र/सूचना प्राप्त होती हैं और उसमें उसका पूरा नाम अनुक्रमांक नहीं लिखा है, तो उस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा और कोड़ कर्षवाई नहीं की जाएगी। 10. भते में परिवर्तन : - उम्मीदबार को इस बात की अध्यस्था कर संनी चाहिए कि उसके आवेदर पत्र में उल्लाखित पते पर भेड़े गए पत्र आदे, आवदयक होने पर उसके बदले हुए पते पर मिल जामा करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचुना, उपर्यूच्त परा 9 में उल्लाखित म्यौरों के साथ यथालीचू वी जानी चाहिए यहाँप आयोग एसे परिवर्तनों पर ध्यान वेने का पूरा पूरा प्रयास करता है फिर भी इस विषय में कोई जिम्मेवारी स्वीकार नहीं कर सकता ।

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, he 5th March 1987

No. A.32014/1/87(i)-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following Senior Personal Assistants (Grade B of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission as Private Secretary (Grade A of CSSS) in the same cadre on ad-hoc basis for the period as indicated below against their names or until further orders, whichever is earlier:—

Si. No	Name					Period
	B ,	2				3
1.	S/Shri Tarsame Singh		•		•	2-3-1987 to 31-5-1987
2.	K. S. Bhutani			•	•	do-
3.	P. P. Sikka		•		•	-do-
4.	M. M. L. Chandna					-do-
5.	M. M. L. Dua					-do-

2. The above-mentioned persons should note that their appointment as Private Secretary (Grade A of CSSS) is on ad-hoc basis and will not confer on them any title for absorption in Grade A of CSSS or seniority in that Grade. Further, their appointment to the aforesaid Grade will not be a case of promotion as the pay scales of Grade A and E of CSSS stand merged in a single revised pay scale of Rs. 2000—3500, w.e.f. 1-1-1986.

No. A.32014/1/87(ii)-Admn,I.—The President is pleased to appoint the under-mentioned Personal Assistants of the CSSS cadre of Union Public Service Commission as Senior Personal Assistants (Grade 'B' of CSSS) in the same cadre on ad-hoc basis for the period as indicated below against their name, or until further orders, whichever is earlier:—

Sł.	N	me					Period
No.			-	-			
~							
1.	Smt. Saroj I	ζ. Ka <sub>l</sub>	<b>3</b> 00r		•		2-3-1987 to
	-				•		31-5-1987
2.	Lekh Raj Gur	ota		•	•	•	-do-
3.	K. K. Garg				•	-	-do-
4.	Rameshwar I	Dass			٠	-	-do-

2. The above-mentioned persons should note that their appointment as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) is on ad-hoc basis and will not confer on them any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that Grade.

M. P. JAIN Under Secy. (Per. Adm.) Union Public Service Commission-

MINISTRY OF PERSONNEL & TRG., ADMINISTRATIVE REFORMS, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSION (DEPARTMENT OF PERSONAL & TRAINING)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-3, the 13th March 1987

No. 3/2/87-AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police/Special Police Establishment is pleased to appoint Shri T. G. Krishnan Nair. Dy. Superintendent of Police, an officer of the Kerala Police to officiate as Deputy Superintendent of Police on deputation in

CBI, Cochin with effect from the forenoon of 2nd March 1987, until further orders.

D. P. BHALLA Admn. Officer (E) CBI

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110003, the 3rd March 1987

No. P.VII-1/82-Estt.I.Vol.IV.—The President is pleased to appoint on promotion the following Inspectors of CR4" the post of Dy. S.P./Company Commanders/Quarter Musters in CRPF on ad-hoc/regular basis.

2. They took over the charge of the post in the unit or dates indicated against their names

SI.	Name of	Ad-h	oe basis	Regular basis	
No.	Officer	Unit	Date of taking over charge	Unit	Date of taking over charge
S/\$h				<del>```</del>	<del></del>
	injit Singh RLA-2263)	105 Aux Bn.	6-11-84	74 Bu	28-10-85
	N. Sharma (IRLA-2328)		_	37 Bn	<b>24-</b> 8-85 A.N.

#### The Coth March 1987

No. OH-1159/73-Estt.1. -The services of Shri S. P. S. Nogar, Assistant Commandant 83 Bn, CRPF are placed at the disposal of Delhi Transport Corporation on deputation basis with effect from the afternoon of 6th March, 1987

M. ASHOK RAJ Assistant Director (Estt.)

# DIRECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 13th March 1987

No. E-16013(2)/31/84-Pers.L/23.—On appointment on deputation, Shri Harish Kumar, IPS (Har: 1977) assumed charge of the Post of Assistant Inspector General Central Survey Team, CISF Headquarters, New Delhi with effect from the forenoon of 6th March, 1987.

No. E-32015(4)/1/87-Pers.I/24.—The President is pleased to appoint the following Inspectors (Ex.), on promotion as Assistant Commandant in CISF with effect from the date mentioned against each on purely ad hoc basis and temporary upto 18th August, 1987 or till such time regular appointments are made whichever is earlier:—

SI. No.	Name of office	Date of assumption of charge is Asstt. Comdt. (Ad-hoc)	CISF Office assumed	Unit/ w tore charge
1	2	 3	4	
	S/Shri . K. Bhawal	 23-1-87 (AN)	NPC Hyd	lerabad

1	2		3	4
2.	G. P. Gandhi		29-1-87 (FN)	BHEL Hardwar
3.	H. C. Pathak	٠	10-2-87 (FN)	ATPP Anpara
4.	S. Shanmuganandan	-	(FN)	BSL Bokaro
5.	Raghubír Singh .	٠.	16-2-87 (FN)	Trg. Ros. Ss Madras.
ΰ.	B. B. Siugh	•	18-2-87 (FN)	RSP Rourkela
7.	D. B. Chauhan		23-2-87	BCCL Jharia.

No. E-32015(4)/1/87-Pers.1/25.—The President is pleased to appoint Shri P. S. Nair, on promotion as Assistant Commandant on regular basis in CISF Unit, TPT Tuticorin with effect from the forenoon of 16th February, 1987.

Sd./- ILLEGIBLE Director General/CISF

## INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I, ANDHRA PRADESH

## Hyderabad, the 17th March 1987

No. Admn.I/Prom/8-132/86-87/197.—The Accountant General (Audit)-I, Andhra Pradesh, Hyderabad is pleased to promote the following Assistant Audit Officers to officiate as Audit Officers in the scale of Rs. 2375—75—3200—EB—100—3500 with effect from the dates noted against them until further orders.

	Name				Date of Assumption of charge
<u> </u>					
1.	B. Sriramachandra Mur	thy	-		12-3-1987 (A.N)
2.	M. Subba Rao-II	•			12-3-1987 (A.N.)
3.	R. Narasimhan-I	•	•	•	13-3-1987 (F.N.)
4.	P. Doraiswamy Naidu				13-3-1987 (F.N.)
		-1		~	

The promotions are ordered without prejudice to the claims of their seniors, if any, and is also subject to the result of the writ petition in the A.P. High Court/Supreme Court. They should exercise their option within one month of their date of promotions in terms of Government of India O.M. No. F.7/1/80-Estt. (Pt. J. dated 26-9-1981).

St. Dy. Accountant General (Admn.)

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (ACCOUNTS) I, BIHAR

Rauchi, the 6th March 1987

No. Admn-Promo-2847 to 2848.—The Accountant General (Accounts) I, Bihar, Ranchi has been pleased to promote Shif Dhanapati Pal Section Officer to officiate as Accounts Officer from the date he assumes charge of the post of Accounts in the office of the Accountant General (A&E) II, Bihar, Patna till further orders.

Shri Dhanapati Pal assumed charge as Accounts Officer on 23-12-1986 (FN).

J. L. GAUBA Deputy Accountant General (Admn.)

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) I. WEST BENGAL

#### Calcutta-700001, the 12th March 1987

No. Admn.I/Promotion-93/AO/3390.—The Accountant General (Audit) I, West Bengal has been pleased to appoint Shri Samirendra Nath Mitra, Asstt. Audit Officer to officiate as Audit Officer in a temporary and officiating capacity with effect from the forenoon of 4-3-1987 in the offices of the Accountant General (Audit)-I, W. B. and Accountant General (Audit) II, West Bengal, Calcutta until further orders.

The promotion is subject to the final outcome of the Writ Petition now pending before the Central Administrative Tribunal, Calcutta.

The newly promoted Audit Officer shall have to exercise option within one month in terms of para 2(b) of G.I.M.H.A. U.M. dated 26-9-1981 for either to lix his pay under FR 22(a)(i) on the date of promotion and then under FR 22C from the date of next increment in the lower grade or under FR 22C from the date of promotion straightway.

Sr. Dy. Accountant General (Admn.)
West Bengal.

# MINISTRY OF LABOUR (LABOUR BUREAU)

Shimla-171004, the 3rd April 1987

No. 5/1/87-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base: 1960=100 decreased by two points to reach 686 (Six Hundred Eighty Six) for the month of February, 1987. Converted to Base: 1949=100 the index for the month of February, 1987 works out of 834 (Eight Hundred Thirty Four).

VIIAY KUMAR Dy. Director Labour Bureau

# MINISTRY OF STEEL & MINES (DEPARTMENT OF STEEL) IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 13th March 1987

No. EI-2(8)/82(.).—In continuation of this Office Notification No. EI-2(8)/82, Iron & Steel Controller hereby extends the term of appointment of Shri K. K. Gayen, Assistant to officiate in the post of Senior P.A. on ad-hoc basis w.e.f. 27-2-1987 (AN) for a further period of six months.

S. K. SINHA, Dy. Iron & Steel Controller

### (KHAN VIBHAG)

#### GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 5th March 1987

No. 1695B/A-19011(1-DN)/86-19A.—The President is pleased to appoint Shri Deo Nath to the post of Geologist (Jr.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1200/- in an officiating capacity with effect from the afternoon of the 19-1-1987 until further orders.

A. KUSHARI, Director (Personnel)

# MINISTRY OF SCIENCE, & TECHNOLOGY INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT New Delhi-3, the 17th March 1987

No. E(I)81530.—The undermentioned Assistant Meteorologists of India Meteorological Department retired from the

Govt, service on 28-2-1987 on attaining the age of super-annuation.

Sl. No.	Name		r		Office	from Retire	which od
			<b></b>				
(1)	Shri R. P. Pole	•	•	•	-		teorologi-
	4				cai C	entre,	Bombay.
(2)	Shri D. C. Mehta	,	•	•		-do	-
(3)	Shrı A. K. Biswas		•		Regiona	l Me	teorologi-
					cal C	entro,	Calcutta.

ARJUN DEV,
Meteorologist (Gaz. Estt.)
for Director General of Meteorology

### New Delhi-3, the 18th Murch 1987

No. E(I)-00813.—Shri O. P. Agarwal, Meteorologist Grade i, India Meteorological Department, has retired voluntarily from the Government service with effect from the afternoon of 28-2-1987 under rule 48(A) of C.C.S. (Pension) Rules, 1972.

S. K. SAHA, Director (Establishment)

for Director General of Meteorology

#### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 11th March 1987

No. 4(53)/75-SI(Vol.1).—Shri B. R. Bhargava, Programme Executive, All India Radio (now Assistant Secretary, Sangeet Natak Akademi) consequent on his permanent absorption in the Akademy resigned from Govt. Service with effect from 14th August, 1984.

I. L. BHATIA, Dy. Director of Admn. for Director General.

#### FILMS DIVISION

Bombay-26, the 17th March 1987

No. A-32014/4/84-RC.—The Chief Producer, Films Division, has appointed Shri H. B. Sharma, Officiating Superintendent in Films Division, New Delhi to officiate as Assistant Administrative Officer on regular basis in the same office in the scale of pay of Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500 from the forenoon of 1st January, 1987, until further orders.

V. R. PESWANI.
Assistant Administrative Officer
for Chief Producer

## New Delhi-110011, the 11th March 1987

No. A-12025/17/82-NMEP/PH(CDL).—The President is pleased to appoint Shri T. Sankaranarayan to the post of Assistant Director (Chemistry) in the temporary capacity with effect from the forenoon of 16th February, 1987 and until further orders.

SMT. JESSIE FRANCIS, Dy. Director, Administration (PH)

New Delhi, the 11th March 1987

No. A. 12025/2/83-Admn.-l.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Aloke Kumar Sanyal

to the Post of Assistant Architect in the Central Design Bureau of the Directorate General of Health Services in a temporary capacity with effect from the forenoon of 2nd March, 1987 and until further order.

P. K. GHAI Deputy Director Admn. (C&B)

#### CENTRAL RESEARCH INSTITUTE

## (ADMINISTRATION SECTION)

Kasauli, the 12th March 1987

No. 25-18/69-Admn.—The Director, Central Research Institute, Kasauli, is pleased to appoint Sh. O. P. Naithani to the post of Hindi officer at the Central Research Institute, Kasauli w.e.f. Forenoon of 21-2-1987 and until further orders.

S. N. SAXENA Director.

### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

#### NARORA ATOMIC POWER PROJECT

NAPP TOWNSHIP, the 13th March 1987

No. NAPP/Rectt/7(3)/87/S/2069.—Project Director, Narora Atomic Power Project, Narora appoints Shri M. M. Gupta a permanent Scientific Assistant B and officiating as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in Rajasthan Atomic Power Station to officiate as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in Narora Atomic Power Project in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 with effect from the forenoon of January 5, 1987 until further order.

SAMIR HUKKU Chief Administrative Officer.

#### DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 085, the 17th March 1987

No. DPS/41/17/85-Adm./10301.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Meenatheril Raghhavan Prakash, a permanent Storekeeper, to officiate as an Asstt. Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 from 5-1-1987 (AN) to 27-2-87 (AN) in the same Directorate, vice Shri P. K. Radhakrishnan, Asstt. Stores Officer granted leave.

B. G. KULKARNI Administrative Officer

## NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 10th March 1987

No. NFC/PAR/0703/559.—Further to this office notification No. NFC/PAR/0703/414 dated February 12, 1987, the appointment of Shri N. Bharathan, Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200 on ad-hoc busis is extended upto 5-6-1987 or until further orders, whichever is earlier.

GOPAL SINGH Manager, Personnel & Admn.

#### TARAPUR ATOMIC POWER STATION

TAPP-401 504, the 7th March 1987

No. TAPS/1/57/86-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station. Department of Atomic Energy, appoints Shri K. V. Raghavan, a permanent Selection Grade Clerk to officiate as Assistant Personnel Officer on ad-hoc basis in the Tarapur Atomic Power Station with effect from 23-10-1986 (FN), until further orders.

M. L. MALOO Administrative Officer-II

# DEPARTMENT OF SPACE CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560 009, the 10th December 1986

No. 6/39/84-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space, is pleased to appoint Smt. Usha Kurian Koshy as Engineer-SB in the Civil Engineering Division, Department of Space in an officiating capacity with effect from the forenoon of 30-6-1986 and until further orders.

K. E. RAVINDRANATHAN
Administrative Officer-II
for Chief Engineer

Bangalore-560 009, the 19th December 1986

No. 6/39/84-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space, is pleased to appoint Shri D. Venkata Sesha Sai as Engineer-SB in the Civil Engineering Division, Department of Space, Sriharikota in an officiating capacity with effect from the forenoon of 26-5-1986 and until further orders.

#### The 7th February 1987

No. 6/39/84-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division of Department of Space, is pleased to appoint Shri V. Manjunath as Engineer-SB in the Civil Engineering Division of the Department of Space, in an officiating capacity with effect from the forenoon of 17-9-1986 and until further orders.

K. INDIRA DEVI Admn. Officer-I For Chief Engineer

## ISRO: SHAR CENTRE

## P & GA DIVISION

Sriharikota-524 124, the 9th January 1987

No. SCF-PGA/ESTT-III/2-44.—The Director, SHAR Centre hereby appoints the following officials on promotion to the post of Scientist/Engineer-SB in the SHAR Centre, Sriharikota in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- with effect from 01-10-1986 until further orders:—

SI. No.	Name	Designation	
	<i></i> S/Shri		
1.	N. Vijayan		Scienti. t/Engineer SB
2.	Ch. Ravikumar · ·	-	-đo-
3.	Shashikantha Sarma	•	-do-
4.	P. Radhakrishna		-do-
5.	B. V. V. S. N. Prasad Rao	•	do
<b>₁6</b> .	K. Srirama Murthy	•	do
7.	V. Kumbakaranan		do
8.	G. Chandrasekaran	•	do
9.	M. Nagasat yanarayana		· do

#### The 12th January 1987

No. SCF/PGA/EST1-III/2-44.—The Directo. SHAR Centre hereby appoints the following officials to the post of Scientist/Engineer-SB in the SHAR Centre, Sriharikota in an officiating capacity with effect from the dates indicated against each and until further orders:—

SI. No	Name		Desig- nation	<u>-</u>	Date of appointment
	S/Shri/Kum./Smt.				
1.	K. Venkidswamy		Sci·/ E	ngr 650-30-740-35-	.04-11-85
2.	A. Bendicose		SB	810-EB-35-880-	26-12-85
3.	Namo Naravana Ji	1.1	-do-	-40-1000-EB-40-	31-12-85
4.	K. Ponginan		-do-	1200/- (Pre-	03-03-86
5.	N. Subramonia Pil	lai	-do-	rovised)	20-03-86
6.	G. Mohan Rao		-do-		14-04-86
7.	Umesh Kumar		-do-	Rs. 2000-60-2300-	24-04-86
8.	R. Shashisekhar		-do-	EB-75-3200-	14-07-86
9.	G. Narahari Datta	•	-do-	100-3500/-	22-9-86
10.	E. Shanmdga Sundari		-do-	Revised Scale	03-10-86
11.	M. D. Palani		-do-		04-12-86
12.	R. Sonthil Kumar		-do-		05-12-86
13.	A. Syed Hamood		-do-		23-12-86

P. S. NAIR
Head, Personnel & General Administration
for Director

#### CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Allahabad, the 5th March 1987

C. No. II(3) 103-Et/85.—The Collector of Central Excise, Allahabad is pleased to appoint the following Inspector (S.G.) to the post of Superintendent Group 'B' during the year 1986 w.e.f. the date indicated against each:—

Sl. No.	Name of Officer				Date of appointment		
	 S/Shri					·— ·	
1.	S. N. Pandey				24-8-86		
2.	K, B, Shrivastava	•			17-2-86		
3.	S. K. Chakravorty		•		10-2-86		
4.	K. K. Ghosh	•	•	•	1-8-86		
5.	S. P. Srivastava	•			27-6-86		
6.	R. M. Singh		•	•	27-5-86	(date of issue of orders)	
7.	B. K. Tripathi				1-8-86	-do-	
8.	Virendra Narain		•		22-8-86		
9.	A. W. Caleb				29-9-86		
10.	S. P. Tewari		•	•	23-10-86		
11.	Jagdish Tripathi	•			18-10-86		
12.	K. K. Pandey			•	28-11-86		
13.	Hardeo Singh	•	•	-	(Nut joined Yet)		

C. No. II(3) 103-Et/85.—The Collector of Central Excise, Allahabad is pleased to appoint the following Office Superintendent to the post of Administrative Officer/Assistant Chief Accounts Officer/Examiner of Accounts during the year 1986 w.e.f. the date indicated against each :—

SI. No.	Name	of Of	— ficer			Date of appoint- ment
S	S/Shri					
1.	Mohammed	Aman		٠	•	31-1-86
2.	Hans Raj Kh	ιąπ	•		•	10-2-86
3.	R. P. Rai	•		•		4-11-86
4.	J. P. Nigam	. •	٠		•	2-12-86

DINESH KACKER Deputy Collector (P&E)

### Bombay-400 020, the 17th March 1987

No. II/3E(a)3/87.—The following Group 'B' Gazetted Officers/Supdts., in Bombay-I Central Excise Collectorate have retired on the dates shown against their names.

Sr. No.	Name and Designati	ion	Date of Rertirement ment
1. S	hri J. V. Gokulgandhi	,	27-1-1987 (F/N) under clauses J(i) of Rule 56 of the Fun- damental Rules.
2.	Shri K. M. Daulatani		31-1-1987 (A/N) Voluntarily Retired
3,	Shri E. P. Venugopalan		1-2-87 (F/N) Voluntarily Retired
4.	Shri S. V. Patekar	. v	1-3-87 (F/N) oluntarily Retired

A. M. SINHA Collector

## CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110 066, the 18th March 1987

No. A-19012/1183/86-Estt. V.—Chairman. Central Water Commission hereby appoints Shri Basudeb Samanta, Junior Engineer to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and adhoc basis in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 28-11-1986.

No. A-19012/1188/86-Estt. V.—Chairman. Central Water Commission hereby appoints Shri Nirmal Chandra Kundu. Junior Engineer to officiate, in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300/EB-75.329-100-3500/- for a period, of one year or till the post

is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 25-8-1986.

No. A-19012/1209/86-Estt. V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Chandra Bhushan Shrivastava, Design Assistant to officiate in the grade of Extra Assi tant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and adhor basis in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the afternoon of 26-8-1986.

#### The 19th March 1987

No. A-19012/1104/85-Estt. V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), Chairman. Central Water Commission appoints Shri Bashishta Rai, Design Assistant to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) in the Central Water Commission on a regular basis Inabsentia under 'Next Below Rule' while working on deputation on foreign service with the Bihar State Hydro-Electric Power Corporation Ltd., in the pay scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- with effect from the forenoon of 10-6-1986 until further orders.

M. R. SINGI E Under Secy. Central Water Commission

# DIRECTORATE GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 27th February 1987

No. 27(2)(M)/70-EC IX.—Shri H. C. Mathur, Director of Horticulture, in this Department retires from Government Service, on attaining the age of superannuation, from the afternoon of 28th February, 1987.

PRITHVI PAL SINGH Deputy Director of Administration

#### MINISTRY OF INDUSTRY

# (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act. 1956 and of M/s. Halchem Limited (Pursuant to Section 445 (2) of the Companies Act. 1956)

### Hyderabad, the 16th March 1987

No. 1482/Lio—By an order dated 30-11-1984 in Company Petition No. 14 of 1983 of the High Court of Judicature. Andhra Pradesh, Hyderahad it has been ordered to be wound up M/s. Haichem Limited.

R. K. BHATTACHARJEE Registrar of Companies Andhra Pradesh

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Raj Rani Service Station Private Limited.

#### Calcutta-20, the 12th March 1987

No 29645/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Rai Rani Service Station Private Ltd., unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Kodarma Service Station Private Limited

Calcutta-20, the 12th March 1987

No. 29646/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act. 1956 that ut the expiration of three months from the date hereof the name of the Kodarma Service Station Private Ltd., unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Ananda Service tSation Private Limited

Calcutta-20, the 12th March 1987

No. 29647/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Ananda Service Station Private Ltd... unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dossolved.

In the matter of the Companies Act. 1956 and of Pal Choudhuri & Associates Private Limited

Calcutta-20, the 12th March 1987

No. 79631/560(3).—Notice is hereby given nursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Pal Choudhuri & Associates Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Anupam Plastics Private Limited

Calcutta-20, the 12th March 1987

No. 32169/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies. Act, 1956 that at the excitation of three months from the date hereof the name of the Anuram Plastics Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of General Service Agency Private Limited

Calcutta-20, the 12th March 1987

No 19541/560(3).—Notice is hereby given nursuant to Suh-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the General Service Agency Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Power Tools Technocrafts (Durgapur) Private Limited

Calcutta-20, the 12th March 1987

No. 31084/560(3)—Notice is bereby given nursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies. Act. 1956 that at the expiration of three months from the date bereaf the name of the Power Tools Technocrafts (Durannum Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

HAR LAIT
Addl/Registrar of Companies, West Bengal

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Bimal Forging Private Ltd.

Bangalore; the 16th March 1987

No. 4631/560/86.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Bimal Forging Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Karnataka SBM Engineering Industries Ltd.

Bangalore, the 16th March 1987

No. 4511/560/86-87.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Karnataka SBM Engineering Industry Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Bangalore Pure Beverages Private Ltd.

Bangalore, the 16th March 1987

No. 5857/560/86.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Bancalore Pure Beverages Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Geekays Vigyan Equipments Private Ltd.

Bangalore, the 16th March 1987

No. 4211/560/86.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act. 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Geekays Vigyan Equipments Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. J. R. Textiles Private Ltd.

Bangalore, the 16th March 1987,

No. 5006/560/86.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. J. R. Textiles Private Itd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd./- ILLEGIRI F Registrar of Companies, Karnataka, Bangalore.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Ambattur Bright Steel Company Private Limited

Mardas, the 17th March 1987

No. DN/5798/560(3)/87.—Notice is hereby given nursuant to sub-section (3) of Sec. 560 of the Companies Act. 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Ambettur Bright Steel Company Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd./- ILLEGIBLE Asstt. Registrat of Companies. Tamil Nadu, Madras In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Sonepat Industries Association

New Delhi, the 17th March 1987

No. 79981/8457.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Sonepat Industries Association Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Dubary Electronics Private Limited

New Delhi, the 19th March 1987

No. 9599/8495.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Dubary Electronics Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

B. M. ANAND Asstt, Registrar of Companies Delhi & Haryana. In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Timpati Balaji Steels Private Limited, Gwalior

Gwalior-474009, the 18th March 1987

No. 2909/PS/CP/1810.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Titupati Balaji Steels Private Limited, Gwalior unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Fixopan Loom Engineers Private Limited, Gwallor

Gwalior 474009, the 18th March 1987

No. 3122/PS/CP/1813.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Fixopan Loom Engineers Private Limited, Gwalior unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. K. KARMAKAR. Registrar of Companies, Madhya Pradesh, Gwalior.

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th March 1987

Ref. No. IAC/(Acq)/R-I/37-EE/8-86/3213.— Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 411 situated at 38, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the Ilability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Gulmohar Estates (P) Ltd.,
 415, Devika Tower,
 6, Nehru Place,
 New Delhi,

(Transferor)

(2) M/s. Mandira Creations (P) Ltd., B-4/53 Safdarjung Enclave. New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 411 at 38 Nehru Place New Delhi Mg. 605 Sq.

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the efforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-3-1987

#### FORM ITNS ---

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 11th March 1987

Ref. No. IAC./(Acq)/R-I/37-EE/7-86/3211.— Whereas, I, SH. S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 19at No. 412, Area 605 sq. ft situated at 38, Nehru Place.

New Delhi, tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income-tax Rules, 1962 in July 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

M/s. Gulmohar Estates (P) Ltd.,
 415, Devika Towers,
 Nehru Place,
 New Delhi

(Transferor)

(2) M/s. Mandira Creations (P) Ltd., B-4/53 Safdarjung Enclave New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 412, 38 Nehru Place, New Delhi, Area 605 sq. ft.

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggnrwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 11-3-1987

(Transferor)

#### FORM ITNS-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# (2) Mrs. S. Jaya P. Kamath, W/o Sri S. Prabhakar Kamath, Benai. Mangalore.

(1) Shri Ullal Bala Krishna Rao, S/o Late Sri Ullal Rama Rao,

F-9, Model House, Bombay-400 004.

# (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th March 1987

C.R. No, 62/50226/86-87/ACQ/B.—
Whereas, I, R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred,
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
RS No. 601-1, TS No. 187-1B situated at Casba Bazar Village, Market Ward Mangalore City
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at 1908) in the office of the Registering Officer at Head Quarters, Mangalore on 9-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective per-sons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 922/86-87 Dated 9-9-1986]. Immovable property of Warg right situated in Casba Bazar, Village, Market Ward, Mangalore City, bearing RS No. 601/1, T.S. No. 187-1B measuring 6.48 Cents (Southern portion) and morefully described in the schedule to the sale deed dt. 9-9-1986.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-3-1987

#### FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th March 1987

C.R. No. 62/50204/86-87/ACQ/B.--Whereas, J, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act; 1961 (43 or 1961) hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property naving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Municipal Nos. 2, 3, 4, 5, 6 and 7 situated at Ekambaca Sahuji Lane (Chickpet Cross) Division No. 25/16, Banga-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar Bangalore on 25-9-1986 for an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value or the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration for such apparent consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) recurrency the reduction of evention of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sale Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

 Sri S. Neela Kantha Rao
 Late Sri B, N. Sadashiva Rao
 Sri S. Shankara Narayana Rao
 Late Sri B. N. Sadashiva Rao
 Both residing at No. 12, I Cross, Gavi Puram Extension, Bangalore-560 019.

(Transferor)

(2) 1. Sri P. Nagaraj,
S/o P. A. Padmanabha Setty,
No. 4, Kempanna Lane,
Nagarathpet Cross,
Bangalore-560 002.
2. Sri T. R. Subba Rama Setty,
S/o Late T. Ramakrishna Setty,
No. 1, Viswanatha Rao Road,
It Cross, Mandhava Nagar,
Hangalore-560 001.

Bungalore-560 001.

3. Sri S. N. Aswath, S/o Singri Narasimha Setty, Ramamurthynagar.

Ramamuruynagar,
Bangalore-560 016.
4. Sri V. N. Srirama Setty,
S/o Muniswamy Setty,
No. 127, 4th Cross,
Hanumantha Nagar, Bangalore-560 019.

5. Sri V. S. Chandrashekar. S/o V. M. Srirama Setty, No. 127, 4th Cross, Hanumentha Nagar, Bangalore-560 019.

Sri N. N. G. K. Gupta, S/o N. G. Narayana Setty, No. 39, H. B. Samaja Road, Basavana Gudi, Bangaloro-560 004. 7. Sri N. G. Santosh, S/o N. N. G. K. Gupta, No. 39, H. B. Samaja Road, Basavana Gudi, Bangalore-560 004.

Bangalore-560 004.
Rep. by Father & natural Guardian
Sri N. N. G. K. Gupta,
8. Sri B. N. Nanda Kumar,
S/o B. C. Narasimha Setty,
No. 49. Appaii Rao Road,
C. T. Street Cross,
Bangalore-560 002.
9. Sri P. V. Ravcendra Nath,
S/o P. Varadarajulu Chetty.
No. 2, Kempanna Lane,
Nagarata Pet Cross,
Bangalore-560 002.

Bangalore-560 002.

10. Sri N. Ashok Kumar S/o Sri Raja Nanjardiah Setta, No. 45, Ratna Vilas Road, Basavana Gudi, Bangalore-360 004.

(Transferees)

(3) 1. Shri H. G. Mehta
2. Sri Gangaram Tikandas
3. Sri G. B. Patil Municipal Nos. 2 to 7, Ekambara Sahaji Lane (Chickpet Cross), Bangalore.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1759/86-87 Dated 25-9-86]

Three-fourth portion (Northern portion) of property bearing Municipal Nos. 2, 3, 4, 5, 6 and 7, Ekambara Sabuji Lane (Chickpet Cross) Division No. 25/16, Bangalore, in all measuring about 368.712 sq. mtrs, and more fully described in the schedule to the sale deed dated 25-9-1986.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 10-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT,1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th March 1987

C.R. No. 62/50210/86-87/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ, being the Competent Authority, under sec. 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. SR No. 26/7 stinated at Kodagu—Srirangapatna Village, Ammathi Hobli, Viraj Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Virajpel on 29-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sri T. B. Sham Prasad S/O T. N. Belliappa Kurubara Mote Estate, Sidapur, Kadugu.

(Transferor)

(2) M/s. Bombay Burmah Trading Corporation Ltd. P. A. Holder Mr. C. S. Machia, Elkhill Estate, Sidapur, Kadugu,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 377/86-87 Dated 29-9-1986].

35 acres of Sagu Coffee area at Survey No. 26/7, Kodagu. Sriranga Patna, Ammathi Hobli, Kodagu and more fully described in the schedule to the sale deed dated 29-9-1986.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-3-1987

#### FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th March 1987

C.R. No. 62/50224/86-87/ACQ/B.—
Whereas, I, R BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Construction of Development of 4 undivided wings to
construct 60,000 sq. ft. (including 10% area to be reserved
for Government nominees) on the piece or parcel of land
situate at Village Eksar, Borivli (W), bearing following SurRS No. 618, 619/2 TS No. 44, 43/2 situated at Kusbu
Bazar Village, Central Ward, Mangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Head Quarters, Mangalore City on 29-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Smt. Sashi Kala M. Rao W/o N. D. M. Rab G.P.A. holder

Smt. Padma V. Shastri
2. Smt. Padma V. Shastri
W/o N. V. Shastri
'Shanthi Nivas'
Hughes Road, Bombay-400 007.

(Transferor)

(2) 1. Sri Manjeshwar Achutha Bhat

S/s Late M. Vasudeva Bhott,
2. Svi Gurupur Pai S/o Late Narasimho Pai C/o M/s. Chanara Transport Co., Gollerkery Street, Mangalore-575001.

(Transferee)

(3) 1. Sri Achutha Bhat Sri G. Madhava Pai M/s Canara Transport Co., Gollerkery Street, Mangalore-575 001.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this metics in the Official Guzette or a period of 10 days from the service of metics on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1021/86-87 Dated 29-9-1986]. Properties of Muli right bearing RS No. — T.S. No. 618 — 44 619/2 — 43/2,

situated in Kasha Bazar Village, Central Ward, Mangalore City, measuring 52 Cents and more fully described in the scheduled to the sale deed dated 29-9-1986.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 10-3-1987

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 10th March 1987

C. R. No. 62/50221/86-87/ACQ/B.—Whereas, I R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Corporation No. 260, situated at Hal II Stage, Defence Colony, Indira Nagar, Bangalore-560 038 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Shivaji Nagar, Bangalore on 30-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri T. B. Mody, S/o Sri B. W. Mody, No. 23, Ulsoor Road, Bangalore-560 042.

(Transferor)

(2) Smt. Kuldip Kaur Bedi, W/o Sri Pritam Singh Bedi, No. 17, Rajamahal Vilas Extension, Bangalore-560 080.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1746/86-87 Dated 30-9-1986.]

All that piece and parcel of the residential building in the site bearing Corporation No. 260, Hal II Stage, Defence Colony, Indira Nagar, Bangalore-560038, Consisting of Ground floor (measuring 2147 sq. ft. plinth area), First floor (measuring 3105 Sq. ft. plinth area) and Second floor (measuring 550 Sq. ft.) and more fully described in the Schedule to the Sale deed dated 30-9-1986.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bongalore

Date: 10-3-1987

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 10th March 1987

C. R. No. 62/50206/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ.

R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 76, (old No. 417/1) situated at VI Main Road, Malleswaram, Corporation Division 3, Bangalore-560 003

(and more fully described in the Schedule approved hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Rajaji Nagar, Bangalore on 26-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iocme-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Lact or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followng persons, namely:--!0-16GI/87

(1) Sri M. N. Ramanathan, S/o Late M. K. Narasimha Iyer, No. 76, VI Main Road, Malleswaram. Bangalore-560 003.

(Transferor)

(2) Smt. Parvathi, W/o Sri K. L. Chandrasekhar, No. 10, Subramanya Swamy Temple Street, Visveswara Puram, Bangalore-560 004.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a eriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2188/86-87 Dated 26-9-1986]

Entire property bearing No. 76, (old No. 47/1) VI Main Road, Malleswaram, Corporation Division 3, Bangalore-560 003 and more fully described in the schedule to the sale deed dated 26-9-86.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-3-1987

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-550 001.

Eangalore, the 10th March 1987

C. R. No. 62/50223/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing RS No. 603/1A TS No. 185/1A (Part) situated at Kasha Bazar Village of 13th Market Ward Mangalore City (and, more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Head Quarters, Mangalore on 17-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property us aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as

agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. New Taj Mahal Cafe Private Ltd., Car Street, Mangalore City, Rep. by its Managing Director, Sri Kudpi Jagadish Shenoy, Car Street, Managalore City.

(Transferor)

(2) M/s. Pai Provision Stores, Market Road, Mangalore City. Rep. by its Managing partner Sri T. Annappa Pai, Gowrimutt Street, Mangalore City.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and exprossions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 975/86-87 dated 17-9-1961)

Immovable property of Narg right bearing RS No. 603/1A, T. S. No. 185/1A, (patt) now sub-divided as RS No. 603-IAI, T. S. 185/IAI in the Revenue records as RS No. middle portion of Vendor's holding [marked-185-1A (16)] in the plan annexed to the sale deed and situated in Kasba Bazar Village, of 13th Market Ward of Manugalore City measuring 12-96 Cents and more Jully described in the scheduled to the sale deed dt. 17-9-86.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 10-3-1987

#### FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN BARK, KANPUR-208 612

Kanpur, the 17th March 1987

Ref. No. 1114/86-87.—Whereas, I, V. K. SINGHAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. D. 13 Sect. VIII situated at NOIDA (G. Bad) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at NOIDA under registration No. 5220 date 9-7-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Oswal Enterprises Pvt. Ltd. Through its MD Sh. Satish Chand Jain s/o Shri J. C. Jain R/o C-124A Greater Kailash I, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Pradisc Plastics Enterprises Ltd. Al Narana Vihar, New Delhi, Through its Director Shri Satish Verma S/o Sh. Ramji Dus Verma, R/o A-1, Narain Vihar, New Delhi.

(Transferce)

(3) -do-

(Person in occuration of the property)

(4) —do—

(Persons whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Industrial plot D-13 Sect-VIII, NOIDA, Ghaziabad.

V. K. SINGHAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 17-3-87 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

\_\_\_\_\_\_

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 10th March 1987

Ref No. M 1113/86-87.—Whereas, I, G. C. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-127 Sector-V situated at NOIDA (G. Bad)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at NOIDA under registration No. 5683 date July 86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Kaustubh Exports Pvt, Ltd., W. 79, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Usebare India Pvt. Ltd., 240 Ram Nagar, Krishua Nagar, Delhi-110051.

(Transferce)

(3) —do—

(Person in occupation of the property)

(4) —do---(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazet'e or a period of 30 days from the servce of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. B. 127 Sector V, NOIDA, Ghaziabad.

G. C. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 10th March 1987

Ref. No. MD31, 86-87.—Whereas, I. G. C. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable projectly having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing Khasra No. 443 situated at Dholpura Firozabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Firozabad under registration No. 10060 date 28-1-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kumar & Raj Kumar Se/o Shri Maharani Yadav R/o Dhalpura, Firozabad.

(Transferor)

(2) Director General Roman Catholic Diocese of Agara (Pvt.) Ltd. Through father Thomas K. C. S/o Shri Chako Agara.

(Transferee)

(3) —do—

(Person's whom the undersigned knows to be

(4) —do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning a- given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Khasra No. 443 Dhalpura, Firozabad.

G. C. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LAININ PARK KANPUR-208 012

Kanpur, the 10th March 1987

Ref. No. MD/29/86-87.—Whereas, I, G. C. SHRIVASTAVA, being the Competent Aûthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 87, 88, 90, 91 situated at Nekpur Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Farukhabad under registration No. 5791 on 18/7/86 for an apparent consideration which is less than the fair to believe that the fair market value of the property as market value of the aforesaid property and I have reason to aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Prekash Mani & Anand Mani S/o Sadh Miramani R/o Sadhwara Farukhabad.

(Transferor)

(2) M/s, S. R. Cold Storage Through Shri Lala Ram Bharosc Lal Aggarwal S/o Lala Ram Swarup Aggarwal R/o Nchru Road, Farukhabad.

(Transferee)

(3) S. R. Cold Storage Through Shri Lala Ram Bharose Lal Aggarwal, S/o Lala Ram Swarup Aggarwal R/o Nehru Road, Farukhabad.

(Persons in occupation of the property)

(4) S. R. Cold Storage Through
Shri Lala Ram Bharose Lal Aggarwal,
S/o Lala Ram Swarup Aggarwal
R/o Nehru Road, Farukhabad.

(Persons whom the undersigned

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Nekpur Kalan Pargana-Pahara Farukhabar.

G. C. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
106/282, Kanchan Bhawan,
Gandhi Nagar Opp. Lanin Park, Kanpur.

Date: 10/3/1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur, the 10th March 1987

Ref. No. MD/28/86-87.—Whereas, I, G. C. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

situated at Kashpur Manoharpur (Mathura)

(Mathura) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi under registration No. 1715 on 12-8-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforessid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Triveni Engineering Works Ltd. 26, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Satish Kumar, 10/10A Radha Nagar, Mathura (U.P.).

(Transferee)

(3) Shri Satish Kumar, 10/10A Radha Nagar, Mathura (U.P.).

(Persons in occupation of the property)

(4) Shri Satish Kumar, 10/10A Radha Nagar, Mathura (U.P.).

(Persons whom the unersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Keshopur Manoharpur Mathura.

G. C. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
106/282, Kanchan Bhawan,
Gandhi Nagar Opp. Lanin Park, Kanpur.

Dato: 10/3/1987

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur, the 10th March 1987

Ref. No. MD-27/86-87.—Whereas, I, G. C. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (bereinnfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 447 ka 416 situated at Ghatwaran Agra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra under registration No. 11325 dated 22-8-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforemaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Surya Nagar Cooperative Housing Society Ltd. through Secretary Shri Yogesh Kausbal S/o Sh. Kali Charan Kausal 15/370 Noon Gate, Agara.

(Transferor)

(2) M/s. Ramji Sahakari Avas Samit Ltd. Agara through Secretary, Shri Anil Kumar Malhora R/o 1, Bagh Farzama Road, Agra-2.

(Transferee)

(3) M/s. Ramji Sahakari Avas Samiti Ltd. Agra through Secretary, Shri Anil Kumar Malhora R/o 1, Bagh Farzama Road, Agra-2.

(Persons in occupation of the property)

(4) M/s. Ramji Sahakari Avas Samit Ltd. Agara through Secretary, Shri Anil Kumar Malhora R/o 1, Bugh Farzama Road, Agra-2. (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Khasara No. 447 ka 416

G. C. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
106/282, Kanchan Bhawan,
Gandhi Nagar Opp. Lanin Park, Kanpur.

Date: 10/3/1987

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RAINGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

> > Kanpur, the 10th March 1987

Ref. No. MD-26/86-87.—Whereas, I, G. C. SHRIVASTAVA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'); have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1 00 000 and bearing No. property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Rosemary Cottage Estate Mussoori (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under registration No. 6637 on 18/8/86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value for the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or disclosed by the transferce for which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

21-16G1/87

(1) 1. Shri Devid Paul S/o Sh. Louis Paul R/o 26, Inder Road, Dehradun Sh. Sanjay Ahuja
 S/o Sh. Tejaswi Kumar Ahuja, R/o 7, Negi Road, Dehradun.

(Transferor)

(2) Diamond Resorts Pvt. Ltd.
 63, Gandhi Road, Dehradun, Through
 its Director Shri Vipul Ahuja.

(Traneferee)

(3) Diamond Resorts Pvt. Ltd., 63, Gandhi Road, Dehradun, Through its Director Shri Vipul Ahuja.

(Persons in occupation of the property)

(4) Dimaond Resorts Pvt. Ltd., 63, Gandhi Road, Dehradun, Through its Director Shri Vipul Ahuja. (Persons whom the undersigned knows to be

interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Rosemary Cottage Estate, Mussoorie Area 2.66 acres Dehra-

G. C. SHRIVASTAVA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 106/282, Kanchan Bhawan, Gandhi Nagar Opp. Lanin Park, Kanpur.

Date: 10/3/1987

#### FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RAINGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LAININ PARK KANPUR-208 012

Kanpur, the 10th March 1987

Ref. No. MD-25/86-87.—Whereas, I, G. C. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 6 situated at Agra Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 29/8/86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. Jagat Singh IFS (Retd.)
   S/o Rai Bahadur Sardar
   Lehna Singh,
   R/o 12, Laxmi Road, Dehradun,
   Present R/o 6, Agra Road, Dehradun.
- (2) Welham Boys School Through its Principal & Secreary Shri S. K. Kandhari, Debradup

(Transferee)

(Transferoi)

- (3) Welham Boys School Through its Principal & Secretary Shri S. K. Kandhari, Dehradun,
- (Persons in occupation of the property)

  (4) Welham Boys School Through its
  Principal & Secretary Shri S. K. Kandhari,
  Dehradun.

(Persons whom the uncreigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE 3CHEDULE

Property No. 6, at Agar Road, Dehradun.

G. C. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-'ax
Acquisition Range
106/282, Kanchan Bhawan,
Gandhi Nagar Opp. Lanin Park, Kanpur.

Date: 10/3/1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RAINGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur, the 10th March 1987

Ref. No. MD-19/86-87.—Whereas, I, G. C. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Pl-102 situated at Civil Lines Agra

No. Pl-102 situated at Civil Lines, Agra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 12/8/1986

Agra on 12/8/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: ment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Sulabh Sahkari Avas Samiti Ltd., Reg. No. 409, Shop No. 23, Jaipur House, Agra.

(Transferor)

(2) Shri Sushil Kumar Agarwal, 63, New Raja Mandi, Agra.

(Transferce)

(3) Shri Sushil Kumar Agarwal.

63. New Raja Mandi, Agra.

(Persons in occupation of the property)

(4) Shi Sushil Kumar Agarwal,

63. New Raja Mandi, Agra.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 102 Civil Lines Agra.

G. C. SHRIVASIAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 106/282, Kanchan Blawan, Gandhi Nagar Opp. Lanlu Pack, Kanpur,

Date: 10/3/1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur, the 10th March 1987

Ref. No. M. D. 17/86-87.—Whereus, I, G. C. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding No. 1,00,000/- and bearing No. 370, 371, 372, 393, 396, 366, 370, 367, 368 & 369 situated at Eastern Doon (and proper fully described in the Spheduly approach bursto). (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under registration No. 6126 on 29/7/86 at Denradun under registration No. 6126 on 29/1/86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of. transfer with the object of.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuasce of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Priti Bhadwar W/o Naveen Bhadwar Shri Iqbal Kumari Badhwar W/o Sh. Iqbal Bhadwar 14/1, Municipal Road, Dehradun.

(Transferor)

(2) Smt. Manju Jindal W/o Shri B, S. Jindal R/o 4A Race Course, Dehradun Mrs. Beena Jain W/o Sh. M. K. Jain R/o UA Race Course Dehradun.

(Transferee)

(3) Smt. Manju JindalW/o Shri B. S. JindalR/o 4A Race Course, Dehradun Mrs. Beena Jain W/o Sh. M. K. Jain R/o UΛ Race Course, Dehradun. (Persons in occupation of the property)

(4) Smt. Manju Jindal W/o Shri B. S. Jindal R/o 4A Race Course, Dehradun Mrs. Beena Jain W/o Sh. M. K. Jain R/o UA Race Course Dehradun. (Persons whom the undersigned knows to be interested inthe property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural Land Khasra No. 370/2, 371, 372, 397/1, 397/2, 396/2 366, 370/1, 365, 368, 369 Total Area 13.33 acres, village Harrawala Eastern Doon, Dehradun,

G. C. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Dated: 10/3/1987

### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208012

Kanpur, the 10th March 1987

No. M.D. 16/86-87.—Whereas, I, G. C. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 172/175 situated at Mokhampur

Meerut

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1980 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 17764 on 16-7-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

1. Smt. Hira Devi w/o. Shri Balwant Singh, Village Hafijabad, Mebla, Meerut.

(Transferor)

M/s. Sanwario Drugs & Allied Industries Ltd., 195/1, Civil Lines, Meerut.

Through Shri Jitendra Kumar Agarwal.

(Transferee)

(3) —do—

(Person (s) in occupation of the property)

(4) —do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the progerty)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this
  notice in the Official Gazette or a period of 30
  days rfom the service of notice on the respective
  persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. 172/175 Village, Mokhampur, Meerut.

> G. C. SHRIVASTAVA Compotent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-3-87

Seal .

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208012

Kanpur, the 10th March 1987

No. M.D. 15/86-87.—Whereas, I, G. C. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 657, 58, 59 situated at Begum Brij Mccrut (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi under registration No. 1593 on 28-7-86

1593 on 28-7-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Weslth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

- 1. Smt. Uma Mukerji widow of Shri Anil Deo Mukerji, Shri Anand Kumar Mukerji s/o. Shri Anil Deo Mukerji, R/o B-705, Maha Nagar, Lucknow. (Transferor)
- M/s. Shri Bharat Associates, "Sidharth", 61, Shivaji Road, Meerut City. Through Shri Shakti Prakash & others. (Transferee)
- 3. M/s. Shri Bharat Associates, "Sidharth", 61, Shivaji Road, Meerut City, Through Shri Shakti Prakash & others.

(Person in occupation of the property)

M/s. Shri Bharat Associates, "Sidharth", 61, Shivaji Road, Meerut City, Through Shri Shakti Prakash & others.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servce of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. 657, 58, 59, Begum Brij, Mcerut.

G. C. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-3-87

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208012

Kanpur-208012, the 10th March 1987

No. M.D. 14/86-87.—Whereas, I, G. C. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 657, 58, 59 situated at Begum Bridge Meerut (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi Under Registration No. 1593 on 28-7-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Uma Mukerji widow of Shri Anil Deo Mukerji, Shri Anand Kumar Mukerji s/o. Shri Anil Deo Mukerji, R/o B-705, Maho Nagar, Lucknow, ('Transferor)
- M/s. Shri Bharatar Associates, "Sidharth", 61, Shivaji Road, Meerut City. Through Shri Shakti Prakash & others.

(Transferce)

- (3) M/s. Shri Bharatar Associates,
  "Sidharth" 61 Shivaji Road, Meerut city
  through Shri Shakti Prakash and others,
  (Persons in occupation of the property).
- 4. M/s. Shri Bharatar Associates
  "Sidharth" 61, Shivaji Road, Meerut city,
  through Shri Shakti Prakash and others.
  (Persons whom the undersigned knows to
  be interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. 657, 658, 659, Begum Bridge, Meerut,

G. C. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208012

KANPUR-208012, the 10th March 1987

No. M.D.13/86-87.—Whereas, I, G.C. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

roperty, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
situated at Cold Storage Building
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transfered and registered under registration No.
dated 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; that Chapter.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1. Mahendra Cold Storage, Thandi Sarak, Farrukhabad.

(Transferor)

2. Umesh Chand Agarwal s/o. Late Sh. Laxmi Narain Agarwal, Mittoo Kuncha Farrukhabad.

(Transferee)

 Umeshchand Agarwal S/o Late Shri Laxmi Narain Agarwal Mittoo Kuncha Farrukhabad.

(Person in occupation of the property).

Umeshchand Agarwal S/o
 Late Shri Laxmi Narain Agarwal
 Mittoo Kuncha Farrukhabad.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Cold Storage Building, Mittoo Kuncha, Farrukhabad.

G. C. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-3-1987

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX OFFICE OF

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1987

No. AR-I. 37EE/11893/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. N-4, 14th Floor, Garage No. 6, Breach Candy Apartments, New Breach Co-op. Hsg. Society Ltd., Bhulabhai Desui Road. Bombay-400 026.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Russi J. Jeejecbhoy

(Transferor) (s)

(2) Basf India Limited

(Transferce) (s)

(3) Employee of Basf India Limited

(Person in occupation of the property)

(4) N. A. (Person whom the undersigned knows to be

interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapetr XXA of he said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. N-4, 14th Floor, Garage No. 6, Breach Candy Apartments, New Breach Co.op. Hsg. Society Ltd., Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10493 on 1-7-1986.

NISAR AHMFD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-22-16 GI/87

Date: 5-3-1987

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1987

No. AR-I/37EE/11895/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 17, 4th Floor, Capri, 9, Manay Mandir Road, Rombay-6

Bombay-6.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/7/1987.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- moneys or other assets which have not been or (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the a oresaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Smt. Priyalata K. Shah & Another.
  - (Transferor) (s)
- (2) Smt. Panna V. Vakharia & Another (Transferee) (s)
- (3) N. A,

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 17, 4th Floor, Capri, 9, Manay Mandir Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR-I 37EE/10494 on 1-7-1986.

> NISAR AHMFD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombuy

Date: 5-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1987

No. AR-1/37EE/11902, 86-87.—Whereas, 1, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 1301, 13th Floor Bldg. A, Raja Shreepal Co. Op.
Hsg. Souty. Ltd., Harkness Road, Bombay-6.
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on

1 7/1986 for an apparent consideration which is less than the fair. market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Gaurang M. Desai & Others

(Transferor) (g)

(2) Smt. Manjulaben Amratlal Solanki

(3) N. A.

(Transferce) (s)

(Person in occupation of the property)

(4) Not Known

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servce of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1301, 13th Floor Bldg. A, Raja Shreepal Co. Op. Hsg. Socty. Ltd., Harkness Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10499 on 1-7-86.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: '5-3-1987

#### FORMS ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th March 1987

No. AR-I/37EE/11910/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 30, 6th Floor, Girichhaya Co.op. Hsg. Socty. Chow-

patty Band Stand, Loyalka Estate, Bombay-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on

1/7/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of instrument of transfer with the object of :--

- (1) Shri Jagmohandas S. Mehta & Others
- (Transferor) (s) (2) Shri Karamshibhai R. Patel (Raghavji) & Others
- (Transferee)(s) (3) Transferees are in occupation from 30/4/86
  - (Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 30, 6th Floor, Girichhaya Co.op. Hsg. Socty. Chowpatty Band Stand, Loyalka Estate, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10502 on 1-7-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-3-1987

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF. TAX

### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1987

No. AR-I, 37EE/11937/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Flat No. 506-E, 5th Floor, Simia House, Nepean Sea Road, Bombay-36.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on

1/7/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of tarnsfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Karnidan

(Transferor) (s)

(2) Arif Ally

(Transferee) (s)

(3) None(4) None

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used hereis as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning a given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

I'lat No. 506-E, 5th Floor, Simla House, Nepean Sca Road, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10507/ on 1-7-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-3-1987

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1987

Ref. No. AR-1/37EE/11953/86-87.—Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 51, 5th Floor Nanik Niwas No. 3 Bhulabhai Desai

Road, Bombay-26.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ramdas Morarji

(Transferor) (8)

(2) Chaitanya S. Mehta

(Transferee) (s)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

(4) Nil

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, withn 45 days from the date of the publication of the notice n the Offical Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used heren as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given . in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 51, 5th Floor Nunik Niwas No. 3, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10512 on 8-7-86.

NISAR AHMED Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-3-1987

Şeal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1987

Ref. No. AR-I/37EE/11958/86-87.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
A-7, Sneh Sadan, Indian Union Co.op. Hsg. Society, Ltd.,

Navroj Gamadia Road, Cumballa Hill, Bombay-26.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on

8/7/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Savita S. Bhagwat

((Transferor)

(2) Shri Nandkishore B. Maniyar

(Transferee)

(3) All Co Owners are in occupation

(Person in occupation of the property) (4) As per Annexure 1

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said properly may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. A-7, Sneh Sadan, Navroj Gamadia Road, Cumballa Hill, Bombay-26.

The agrement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10514 on 8-7-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 5-3-1987

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1987

Ref. No. AR-I/37EE/11959/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000, and bearing No. A-8, Sneh Sadan, Indian Union Co. op. Hsg. Socty 1 td. Navroj Gamadia Road, Cumballa Hill, Bombay-26.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8 7/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evation of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or this said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Prithviraj S. Bhagwar

(Transferor)

(2) Shri Kamalkishore B. Maniyar

(Transferce)

(3) Annexure I are in occupied

(Person in occupation of the property)

(4) As per Annexure I

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A-8, Sneh Sadan, Indian Union Co. op. Hsg. Socty. Ltd. Navroj Gamadia Road, Cumballa Hill, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10515 on 8-7-1986,

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th March 1987

Ref. No. AR-I/37EE/11978/86-87.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a feir market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No.

Office No. H-11, 9th Floor Tardeo Premises Co.op. Socty.
Ltd. 156 Tardeo Road, Bombay-34.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8/7/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Ait, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (v) \_ailitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :---23-16 GI /87

(1) Mrs. Savitri Devi Chopra

(Transferor)

(2) Mr. Harish Jaggi and Mrs. Sankuntala Jaggi

(Transferee)

(3) Self Occupation

(Person in occupation of the property)

(4) N. A. (Person whom the undersigned knows to be interested in the proper y)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of rublication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning a- given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. H-11, 9th Floor, Tardeo Premises Co.op. Socty, Itd. 156 Tardeo Road, Bombay-34.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-J/37EE/10520 on 8-7-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 6-3-1987

Scal:

- (1) Malabar Industries Pvt. Ltd.
- (Transferor)
- (2) Shri Prithviraj Parikh,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) N. A. (4) N. A.

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1987

Ref. No. AR-I/37EE/11985/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 11, 'D' Bldg., Petit Hall, C. S. No. 356 Malabar &
Cumballa Hill Division, Bombay.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8 '7/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to oclieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of tht liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or 11 李柱 💏

# THE SCHEDULE

Flat No. 11, 'D' Bldg, Petit Hall, C. S. No. 356 Malabar & Cumballa Hill Division, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10524 on 8-7-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMFD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 6-3-1987

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 6th March 1987

Ref. No. AR-I/37EE/11996/86-87.-Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plat No. 121, 3rd floor, Navyug Nagar, Forget Hill Road.

Bombay-36.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iocme-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Rameshchand Keshoram Khanna
- (Transferor)
- (2) Ram Gopal Lalaram Gupta & Others

(Transferce)

(3) None (4) None

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a eriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 121, 3rd floor, Navyug Nagar, Forget Hill Road, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10525 on 8-7-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Date: 6-3-1987

Scal:

#### FORM I.T.N.S.—

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1987

No. AR-I/37EE/12005/86-87.—Whereas, J, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 91, 16th Floor, Dariya Mahal Co. op. Hsg. Socty.
Ltd., Nepean Sea Road, Bombay-6.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under section
269 AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the
Competent Authority at Bombay on
14.77.11986

14/7/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Vijay Kumar Dhariwala

(Transferor)

(2) M/s Bagla Motors Pvt. Ltd.

(Transferee)

(3) Shri Lalit Kumar Bagla (Person in occupation of the property)

(4) Nil

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION S—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning to given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 91, 16th Floor, Dariya Mahal Co. op. Hsg. Socty. 1td., Nepean Sea Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10594-A on 14-7-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following mersons, namely :--

Date: 11-3-1987

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1987

No. AR-I/37EE/12008/86-87.---Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 91, 10th Floor, Deepak, Peddar Road, Bombay-26.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Com-

petent Authority at Bombay on 8-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, any income arising from the tran respect of and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Viren Nagindas Kapadia.

(Transferor)

(2) Vijaysing Balchandji Padode & another.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) N.A.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ant, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 91, 10th Floor, Deepak, Peddar Road, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10529/on 8-7-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 5-3-87

(1) Shri S, B. Agarwal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrí S. K. Chaudhari & others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 5th March 1987

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

No. AR-1/37EE/12023/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immo-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immorable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 42, 6th Floor, Dariya Mahal 3, Napean Sea Road, Bombay-6, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-7-1986 petent Authority at Bombay on 8-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat No. 42, 6th Floor, Dariya Mahal 3, Napean Sea Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10534/ on 8-7-

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 5.3-87

Scal:

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACOUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1987

No. AR-I/37EE/12029/86-87.—Whereas, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,600%—and bearing Flat No. 6B on 6th floor, Car parking space No. 19, and Garage No. 20 in 'RIZVI PARK' building at 5, Altamount Road, Bombay-6

Bombay-6

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Doulatram Jetaram Sadarangani Rajkumari Doulatram Sadarangani,

(Transferor)

(2) 1. Vikash T. Chudiwala, (2) Smt. Mohinidevi T. Chudiwala, Lachhiram Chudiwala, HUF, 4. Tolaram Vikashchandra Chudiwala, HUF, 5. Smt. Sangita V. Chudiwala, 6. Master Khushal V. Chudiwala, (Pather & Natural Guardian Vikash T. Chudiwala.

(Transferee)

(3) (1) Prabhat Terpenes & Synthetics Pvt. Ltd. (2) Prabhat General Terpene & Industries P. Ltd. (Person in occupation of the property)

(4) 1. Prabhat Terpene & Synthetics Pvt. Ltd.
2. Prabhat General Terpene & Inds. P. Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of .45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 6B on 6th floor and Car parking space No. 19 and Garage No. 20 in the building 'RIZVI PARK' situated at 5, Altamount Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10306/86-87 on 24-7-1986.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 11-3-87

(1) Sh. Atul Ambalall Barot & Ors.

(Transfer

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Shashi Kumar Jain & Others.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1987

No. AR-I/37EE/12034/86-87.—Whereas, I. NISAR AHMED

NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/-, and bearing
Flat No. 2A, 2nd Floor,
Bldg. Monolith, 7 Nepean
Sea Road, Rombay-6
situated at Bombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under section
269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-7-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the cocnealment of any income or any moneys or ether assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2A, 2nd Floor, Bldg., Monolith. 7 Nepean Sca Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10538/ on 8-7-1986.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 5-3-87

(1) Mrs. Dhaunmai Framroze Kapadia & others.
(Transferor)

(2) Nikhil Investment Co. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1987

No. AR-I/37EE/12038/86-87.—Whereas, I. NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 41, 4th Floor, along with covered garage Bakhtawar Bldg., Narayan Dabolkar Road, Bombay-6 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule unnexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or \*

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

24-16GI/87

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions need herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 41, 4th Floor alongwith covered garage, Bakhta war Bldg. Narayan Dabolkar Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10540 on 8-7-86.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 5-3-87

(1) K. V. Gidwani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Subash Kumar Gupta & another.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1987

No. AR-I/37EE/12044/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2, 42, Nanak Niwas, Warden Road, Bombay-400 026. situated at Bombuy

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesnid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

  Enichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

' FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2,-42, Nanak Niwas, Warden Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37FF/10543/ on 8-7-1986

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 5-3-87

Scal:

(1) H. B. IRANI:

(Transferor)

(2) Mr. Pradeep L. MEHTA & ANOTHER

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT,1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

OQUIDITION RIPROPER PORTER

Bombay, the 5th March 1987

No. AR-I/37EE/12047/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 29, Sub-Prabahat Co-op. Hsg. Socty. Ltd., 76, Warden Road, Bombay-400 026. situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section

269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 29, 6th Floor, Su Prabhat Co--op. Hsg. Society Ltd., 76, Warden Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10545 on 8-7-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 5-3-1987

(1) 5H. SHANKAR ANANT MAVLANKAR.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) SH, CHANDRESH CHIMANLAL SHAIL (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :--

#### JEFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombuy, the 5th March 1987

No. AR-I/37EE/12051/86-87.—Whereas, I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 304, 3rd Floor, Pleasant Park, 65, Peddar Road. NISAR AHMED

Peddar Road,

Bombay-26.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section

269AB of the Income-tux Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-7-1986 for an upparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been (ruly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days. from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION; -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning us given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evosion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 304, 3rd Floor, Pleasant Park, 65, Peddar Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10546/ on 8-7-1986.

> NISAR AHMI'D Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforested property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 5-3-1987

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th March 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12055|86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED being the Competent Authority under Section 269B

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

and bearing No.
Flat No. 42, Eur-Ul-Mulk Co.Op. Hsg. Socty. Ltd.,
26, Pandita Rambai Road, Gamdevi, Bombay-7.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) SHREE PRADEEP LALDAS DALAL & ANOTHER.
- (Transferor)
  (2) SHRI BHARAT SHANTILAL MEHTA & ANOTHER.
  - (Transferee)

(3) N.A.

(Person in occupation of the property)

(4) N.A.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication xzfiflvbxv in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 42, Dar-Ul-Mulk Co.Op. Hsg. Socty. Ltd., 26, Pandita Ramabai Road, Gamdevi, Bombay-7.

The agreement has been registered by the Commetent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10547 on 8-7-1986.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, Ihereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely:—

Dated: 6-3-1987

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INOCME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Acquisition Range.1

Bombay, the 6th March 1987

No. AR-I/37EF 12056/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, 16th Floor, 'Enterprise Apartments' Forjet Street, Cross Lane, Bombay-26.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the same is registered u/s 269 AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Hombay on 8-7-1986.

t, r an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .....

1. Smt. Nutan Rajendra Patel

(Transferor)

2. Snit. Nirmalal Chandraprakash Kothari (Transferee)

Transferec

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) By any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4, 16th Floor, 'Enterprise Apartments' Forjet Street, Cross Lane, Bombay-26,

The agreement has been registered by the Compathority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10548 Competent Authority, ੪-7**-**1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 6-3-1987

Scal:

#### 2893

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th March 1987

No. AR-I/37EE/12086/86-87.--Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 256, 25th Floor, Enterprise Apartments Forjet Hill Road, Tardeo Road, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 14-7-1986.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said linstrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

1. Smt. Jayalaxmi C. Thocker & others

(Transfulor)

2. Sumeshchandra Budhalid Verma H.U.F.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

\_\_\_\_\_\_

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 256, 25th Floor, Enterprise Apartments, Forjet Hill Road, Tardeo, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10554 on 14/7/1986.

> R. BHARDWAJ Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-I, Bombay

Dated 6-3 87 Seal:

1. Mr. S Queenie A. Mascarenhas & Another (Transferor)

2. Shri/Smt. Anil Mithala Shar.

may be made in writing to the undersigned:-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY** 

Bombay, the 5th March 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12087/86-87.—Whereas, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Flat No. 47, 4th Floor, Jaldarshan Co. Op. Hsg. Socty., Nepeansea Road, Bombay-36. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at IAC, Acqn. Range, Bombay on 14-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid person within a eriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 47, 4th Floor, Jaldarshan Co. Op. Hsg. Socty Ltd., Nepeansea Road, Bombay-36.

> NISAR AHMED Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 5-3-1987 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12089/86-87.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fajr market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 99, Ground Floor, Heera Panna Shopping Centre, Bhulabhai Desai Road, Tardeo, Bombay-34.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby ini inte proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-consideration for such transfer as agreed to between the persons, namely:

25-16GI/87

(1) Gopaldas Tikamdas Mahtani.

(Transferor)

(2) Mohamed Hanif Haji Ahmed Kapadia.

(Transferee)

(3) Self Occupation. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may he made is writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 99, Ground Floor, Heera Panna Shopping Centre. Bhulabhai Desai Road, Tardeo, Bombay-34.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10557/ on 14-7-86.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date :5-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-1, **BOMBAY**

Bombay, the 5th March 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12096/86-87.--Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 11-A, 6th Floor, Gangotri, 89/89A, Eanganga Rd.

Walkeshwar, Bombay-6. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 14-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Suketu & Subhash Majithia Family Settlement Trust,
  - (Transferor)
- (2) Dr. Shafali Rajendra Shah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 11-A, 6th Floor, Gangotri, 89/89A, Banganga Rd. Walkeshwar, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10558 on

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissiontr of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in npursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 5-3-1987 Seal :

4

#### FORM ITNS-

(1) Mahboob V. Sonavala.

(Transferor)

(2) Pran Nath Mehra & Another.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1987

Ref. No. AR-1/37EE/12114/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 103, 5, Naoroji Gamadia Road, Bombay-26 and one open shelter garage.

one open shelter garage situated at Bombay

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-7-1986

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act, in
   respect of any income arising from the transfer;
   and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-bax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 103, 5, Naoroji Gamadia Road, Bombay-26 and one open shelter garage.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE, 10562 on 14-7-86.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date :5-3-1987 Seal :

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 5th March 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12115/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 18, 6th Floor Rajhans, 6, Doongershi Road, Bombay-6.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 44-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Siction 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Nalin Nagardas Avlani & Others.

(Transferor)

(2) Smt. Purnima C. Mehta.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 18, 6th Floor, Rajhans, 6, Doongershi Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10563 on 14-7-86.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 5-3-1987

(1) M/s. B. Jamasji Mistry Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) India Safety Vakults Ltd.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA,

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th March 1987

Ref. No. AR-1/37EE/12121/86-87.—Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Basement in the Bldg. White Hall, at 143, A. K. Marg.

Bombay-400 036.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 14-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aci, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Basement in the Bldg. White Hall, at 143, A. K. Marg, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10564 on 14-7-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 6-3-1987

(1) Smt. Shahbibi Nurudin Padamsee.

(Transferor)

(2) Ramdas Murarjee.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor. (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX COMMIS-

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12124/86-87.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 8, 5th Floor Taher Mansion, Nepeansea Road, Rombay.6

Bombay-6. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-7-1986

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to selieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as exceed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any ocome arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notics on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 8, 5th Floor, Taher Mansion, Nepeansea Road,

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10565 on Authority, 14-7-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 11) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-3-1987

- (1) Mrs. Malti U. Patel.
- (Transferor)
- (2) Mrs. Lily D. Bhansali.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I. **BOMBAY**

Bombay, the 5th March 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12125/86-87.-Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 17, Nirmal Mahal 3rd Floor, Bomanji Petit Road.

Bombay-36

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of Competent Authority at

Bombay on 14-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been muly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any incom- or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 17, Nirmal Mahal, 3rd Floor, Bomanii Petit Rd. Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10566 on Bombay, under No. AR-I/37EE/10566 14-7-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 5-3-1987

#### FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 5th March 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12145/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2, Unit No. 1, 1st Floor, Chancellor Court, A/88, Carmichael Road, Bombay-26.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 14-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; **andlor**
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been even which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Ratnadevi G. Agarwal & Others.

(Transferor)

(2) Mr. Ramchand Atmaram & Another.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2, Unit No. 1, Ist Floor, Chancellor Court. A/88, Carmichael Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Comp Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10575 Competent 14-7-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 5-3-1987

Scal:



NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12151,—Whereus, J, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section .269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Mont Blanc Apartment, Flat No. 181, 18th Floor, Dadiseth Hill, August Kranti Marg, Bombay-7.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at

Competent Authority at Bombay on 14-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

26—16 G1/87

(1) Bhikhoo Sorabji.

Transferor(s)

(2) Toyo Engineering India Limited.

Transferee(s)

(3) Transferec.

(Person in occupation of the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saud Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 181, 18th Floor, Dadiseth Hill, August Kranti Marg, Mont Blanc Apart, Bombay-7.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/10577 on 14-7-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 5-3-1987

- (1) M/s. Chetan Associates.
- (Transferor)
- (2) Mr. Chandulal Gangji Framewala & Others. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 6th March 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12152/86-87. -- Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 11C, 11th Floor, Wing 'B', Abhilasha' C. S. No. 530, Gowalia Tank Road, Bombay-400 036. situated at Rombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed heretands been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reducction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 11 C, 11th Floor, Wing 'B', 'Abhilasha' C. S. No. 530, Gowalia Tank Road, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10578/ on 14-7-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-3-1987

(1) M/s. Chetan Associates.

(Transferor)

(2) Mr. Hasmukhlal Gangji Gada & Others.

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th March 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12153/86-87,—Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, '1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 11 D, 11th Floor, Wing 'B', Abhilusha' C. S. No. 530, Gowalia Tank Road, Bombay-36.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section, 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 14-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid properly and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Ait, in respert of any income arising from the transfer
- (b) failitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 11 D, 11th Floor, Wing 'B', 'Abhilasha' C. S. No. 530, Gowalia Tank Road, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10579 on Authority, 14-7-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-3-1987

Scal :

- (1) General Commercial Co.
- (Transferor)
- (2) Shri K. D. Hathiramani & Ors.
- Transferee(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 5th March 1987

Ref. No. AR-1/37EE/12164/86-87.-Whereas, I,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 21, Gr. Floor, Arun Chambers, Tardeo Road, Bombay-34, situated at Rombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 14-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1 YPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and for
- !b) facilitating the concealment of any income or any monoys or other assets which have not been or which ought to be dislcosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Shop No. 21, Gr. Floor, Arun Chambers, Tardeo Road, Bombay-34.

The agreement has been registered by the Competent Bombay, under No. AR-1/37EE/10582 on Authority, 14-7-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date -: 5:3:1987 Seal '

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECCING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th March 1987

No. AR-I/37EE/12165/86-87.—Whereas, I,

NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Acc'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 7, 4th Floor, Sorrento 12, Mount Pleasant Road,

Bombay-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair

market value of the affective that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pyrsons, namely:---

(1) Mr. Balram Dwarkadas Nagpal & Mrs. Vimla Balram Nagpal.

(Transferor)

(Transferee)

(2) Messrs Bayer (India) Limited.

(3) N.A.

(Person in occupation of the property)

(4) N.A.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 7, 4th Floor, Sorrento 12, Mount Pleasant Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10583 on

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Date : 6-3-1987

- (1) Shri Gangadas Pragji Mehta
- (Transferor)
- (2) Shri Reshmikumar Jethalal Zaveri & others. (Transferee)
- NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
- (3) Transferor

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1987

No. AR-I/37EE/12174/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Flat No. 21, 6th Floor, Blue Cradenia Off Peddar Road, Bombay-400 026

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 21, 6th Floor, Blue Gardenia, Off Peddar Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent utbority, Bombay under No. AR-I/37EE/10586 on Authority, 14-7-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 5/3/1987.

#### FORM I.T.N.S.—

(1) Shri P. R. Agarwal & another.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INOCME-

(2) Shri Dilipkumar Atmaram & another,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1987

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

No. AR-I/37EE/12189/86-87.—Whereas, I,

NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have reason to believe that the liminovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3 Unit No. 1, 2nd Floor, Chancellor Court, A/88, Carmicheal Road, Bombay-400 026 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appearent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-raz Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Unit No. 1, 2nd Floor, Chancellor Court,

A/88, Carmicheal Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10590 on 14-7-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :--

Dated: 5/3/1987.

Scal:

(1) Shri Omprakash Kapoor

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Pushpa Dhanji Thakkar

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1987

No. AR-J/37EE/12198/86-87.--Whereas, I,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 50, 7th Floor, Himgiri Coop. Hsg. Socty. Himgiri, Peddar Road, Bombay-26

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid accepts the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Ircome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 50, 7th Floor, Himgiri Coop, Hsg. Socty., Himgiri Peddar Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under No. AR-1/37EE/10592 on 14-7-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in npursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 5/3/1987.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1987

No. AR-I/37EE/12219/86-87.--Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing. Flat No. 15, 3rd Floor, Vasant, Peddar Road, Bombay-26 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tran ferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

27—16GI/87

(1) Smt. Phoorlarani Sehgal & another.

(Transferor)

(2) Shri S. B. Desai & other

(Transferce)

(3) None except transferors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 15, 3rd Floor, Vasant, Peddar Road, Bombay-26. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10597 on 14-7-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 5/3/1987.

#### FORM ITNS-

(1) Shri Kalidas Mohanlal Mehta

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferor)

(2) Shri Piyush Maftlal Mody

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY** 

Bombay, the 5th March 1987

No. AR-1/37EE/12221/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 21, 5th Floor, Nutam Prakash Co. Hsg. Socty. Ltd., 28 Ridge Road, Malabar Hill, Bombay-400 006

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), hus been transferred and the same is registered under section

269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authoriav at Rombay on 14-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 21, 5th Floor, Nutan Prakash Coop. Hsg. Socty. Ltd., 28 Ridge Road, Malabar Hill, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10598 on 14-7-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 5/3/1987. Seal :

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th March 1987

Ref. No. AR-1/5421/8687.—Whereas, I,

Ref. No. AR-1/5421/8687.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 10,00,000/- and bearing 1/0.
C.S. No. 791(pt.), 1/791 of Bulabhai Desai Road, Bombay Mallybar and Comballa Hill Division

Malabar and Comballa Hill Division

situated at Bombay

tand moe fully described in the Schedule annexed heretog has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 29-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as a greed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Shri Pushpakumar M. Thackersey, Shri Pradumana M. Thackersey, Shri Maliram G. Mittal & Shri Brahmadutt G. Mittal,
- (Transferor) (2) Mahalakshmi Sheela Premises Co-operative Society

(Transferee)

(3) Members of the Society.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said lmmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM-2365/79 and Registered on 29-7-1986 with the Sub-Registrar of Bombay, the property situated at 2, Bhulabhai Desai Road, in C.S. No. 791 (part), 1/791 of Malabar and Cumbala Hill Division, falling in D Ward No. D 3634(3A)4-@A-6, having an area of 1655.71 sq. mts.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 10-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th March 1987

Rcf. No. AR-1/5462/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 10,00,000/- and bearing I<sup>TO</sup>. Land with Bunglow thereon called "New Readymoney House" bearing CS No. 448 of Malabar and Cumballa Hill Division 49 Napoen Scal Road Bombay

49, Napean Seal Road, Bombay

situated at Bombay

(and moe intry described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-11-1986

for an apparent co-sideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer a agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :--

(1) Shri Hirji Cawasji Jehangir.

(Transferor)

- Shri Jehangir Hirji C. Jehangir. Shri Ardeshir Hirji Jehangir.
- (Transferee) (3) Transferor, Transferees and ther family members.
- (Person in occupation of the property)

(4) Transferees.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used hereis as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning a- given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentoned in the Registered Deed No. BOM. 1065/82 and Registered on 12-11-1986 with the Sub-Registrar, Bombay, and Land with bungalow thereon called 'New Readymoney House' with outhouses and garages at 49, Lady Laxmibai Jagmohandas Marg (Napean Sea Road), Bombay-400036, bearing C S. No. 448 of Malabar & Cumballa Hills Division, Muncipal Ward No. D-3295(1)/4049 and Ward No. D-3296(1AA)/47AA adm. 3398.86 sq. mts.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bombay

Date: 10-3-1987

Shri Piyush Mafatlal Mody.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vinay Babulal Shah.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 10th March 1987

Ref. No. AR.IB/22/86-87.—Whereas, I,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable properly having a fair market value exceeding Rs. 10,00,000/- and bearing No.

Office premises No. 441 on 4th floor at Panchratna CHSL at Mana Parmanand Mary Opera House Rombay-400004

at Mama Parmanand Marg, Opera House, Bombay-400004.

situated at bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transierred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1986

Acqn. Range, Pune on 4th October 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for tre acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used heren as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office Premises No. 441 on 4th floor at Panchratna Co-operative Housing Society Ltd., Mama Parmanand Marg, Opera House, Bombay-400004.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10489/86-87 on 1-7-1986.

> **NISAR AHMED** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB, Bombay

Date: 10-3-1987

#### FORM ITNS----

(1) M/s. Bharwani Bros. & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Kirtan lal Purshotamdas Desai & Ors. (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersined :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1987

Ret. No. AR.1B/24/86-87.--Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 10.00,000/- and bearing Flat No. 602, 6th lloor, 'Shiv Lila' 57, Alibhai Premji Road, Grant Road (E), Bombay-400007.

situated at Bombay

(and mor fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the same is registered under section 209AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen por cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 602, 6th floor, 'Shiv Lila' 57, Alibhai Premji Road, Grant Road (E), Bombay-400007.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10500/86-87 on 1-7-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initial: proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said act, to the following persons, namely :-

Date: 9-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE (NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1987

Ref. No. AR.1B/25/86-87.—Whereas, I,

NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 10,00,000/- and bearing No.

One Bedroom Flat on the third floor of D-Wing of Ganesh

One Bedroom Flat on the third floor of D-Wing of Ganesh Prasad Building, Ganesh CHSL, 10, Naushir Bharucha Marg, Bombay-7.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Vasundhara Ganesh Chandavarkar.
- (2) Navinchandra M. Mehta (HUF).

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One Bedroom flat on the third floor of D-Wing of Ganesh Prasad Building. The Ganesh Co-operative Housing Society Limited, 10, Naushir Bharucha Marg, Bombay-400007.

The agreement has been registered by the Competent Authorty, Bombay under No. AR-I/37EE/10506/86-87 on 1-7-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IB. Bombay

Date: 9-3-1987

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Mr. Vasantlal Mulchand Doshi & Others.

(Transferor)

(2) Mr. Nilesh Chandrakant Hemani.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1987

Ref. No. AR.IB/26/86-87.—Whereas, 1. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-iax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 10,00,000 - and bearing No. Office No. 896, 8th floor, Prasad Chambers, Swadeshi Mills Compound, Near Roxy Cinema, Bombay-400004.

compound, Near Roxy Cinema, Bombay-400004, situated at Rombay tend moe fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor bу more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or eviction of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conscalment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tauct, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 806, 8th floor, Prasad Chambers, Swadeshi Mills Compound, Near Roxy Cinema, Bombay-400004.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE 10508/86-87 on 1-7-1986

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-3-1987

(1) Shri Kishinchand R. Gajaria.

(Transferor)

(2) Sardai Surindersingh Gurmukhsingh Bakshi & Ors. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1987

Ref. No. AR.IB/28/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 10,00,000/- and bearing No.

(a) A Commercial Premises, being a shop bearing No. 8 (eight) situated on the ground floor of Building 3 (three) of of the Lamington Road Scheme of Navjivan Co-operative Housing Society Ltd., Bombay-8.

Housing Society Ltd., Bombay-8.

(b) The said SHOP comprises of a (one) room, with 1(one) bathroom-cum-lavatory attached, with no passage or lobby in it.

(c) The total carpet area of the said SHOP is about 514 (Five hundred fourteen) square feet. (and more fully described in the Schedule unnexed hereto) has been transferred and, the same is registered under section 269AB of the income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8/7/86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facili'ating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or an / moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D o fthe said Act, to the following persons, namely

28—16GI/87

Objetions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) A Commercial Premises, being a shop bearing No. 8 (eight) situated on the ground floor of Building No. 3(three) the Lamington Road Scheme of Navjivan Co-operative Housing Society Lt1, Bombay-8,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10516/86-87 on 1-7-1986

> NISAR AHMED
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB. Bombay

Date: 9-3-1987

## FORM I.T.N.S.----

(1) Shri Jiyanlal Chhaganlal Mehta.

(Transferor)

(2) Shri Mukesh Chhabildas Tejura & Anrs. (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 10th March 1987

Ref. No. AR.IB/30/86-87.--Whereas, I, NISAR AHMED.

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 10,00,000/- and bearing No. Shares bearing distinctive Nos. 61 to 65 (both inclusive) of Devchhaya CHSL attached to 'Flat No. 27 on 2nd floor of Devchhaya Building, Tardeo Road, Bombay 400034 stuated at Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shares bearing distinctive Nos. 61 to 65 (both inclusive) of Devchhaya CHSL attached to Flat No. 27 on 2nd floor of Devchhava Building Tardeo Road, Bombay 400034.

The agreement has been registered by the Competent Authorty, Bombay, under No. AR-I/37EE/10526/86-87 on 8-7-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-3-1987

(1) M/s. Dhanraj Mills Pvt. Ltd.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE 'NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (2) Ramesh Kumar S. Rapp. (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immogable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 9th March 1987

Ref. No. AR.IB/32/86-87.—Whereas, 1, NISAR AHMFD,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000x- and bearing No. Gala No. 48 in the ground floor of the building known as A-2 Building situated at Shah & Nahar Industrial Estate, Lower Parel, Bombay-400013, situated at Hombay

that moe fully described in the Schedule annevel herto) has been transferred and the some is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income erising from the transfer; and/or Gala No. 48 whose built up area is 1115 sq. ft. situated in the ground floor of the building known as A-2 Building situated at Shah & Nahar Industrial Estate, Lower Parel, Bombay-400013.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10528/86-87 on 8-7-1986.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa d property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 9-3-1987

(1) M/s. Dhanraj Mills Pvt. Ltd.

(2) Shri Satyanarayan P. Kagzi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 10th March 1987

Ref. No. AR.1B/31/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding

Rs. 10,00,000/- and bearing No.

Gala No. 47 whose built up area is 1130 sq ft. in the ground floor of the building known as A-2 building situated at Shah & Nahar Industrial Estate, Lower Parel, Bombay-400013.

situated at Bombay (and moe fully described in the Schedule annexed berto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Gala No. 47 whose built up area is 1130 sq ft, in the ground floor of the building known as A-2 building situated at Shah & Nahar Industrial Estate, Lower Parel, Bombay-400013.

The agreement has been registered by the Competent Authorty, Bombay, under No. AR-1/37EE/10527/86-87 on 8-7-1986.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB, Bomber

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-3-1987

(1) M/s. Bharwani Bros. & Co.

(Transferor)

(2) Mr. Pravin G. Master & Ors.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 10th March 1987

Ref. No. AR.IB/33/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

s. 10,00,000/- and bearing No. Flat No. 601, 6th floor, "Shiv Lila" 57, Alibhai Premji Rd.,

Grant Road (East), Bombay 400007.

situated at Bombay

(and moe fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 8-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noites in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used because as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 601, 6th floor, "Shiv Lila" 57, Alibhai Premji Rd.,

Grant Road East), Bombay 400007.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, Under No. AR-1/37EE/10531/86-87 on 8-7-1986.

> **NISAR AHMED** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, amely :--

Date: 10-3-1987

(1) Shri Himatlal C. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Manguben Hiralal Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 10th March 1987

Rcf. No. AR.1B/34/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value
Rs. 10,00,000/- and bearing No.
1608-A Panchratna on 16th Floor, Opera House, Bombay-

400004.

situated at Bombay

(and moe fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 8-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1608-A Panchratna on 16th Floor, Opera House, Bombay-400004.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR/37EE/10535/86-87 on 8-7-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-3-1987

### FORM ITNS-----

\_\_\_\_\_

(1) M/s. Starlit Diamond.

(Transferor)

(2) M/s. Sheel Gems.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 15th March 1987

Ref. No. AR.IB/35/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 10,00,000/- and bearing No.

Last side of the Flat No. 205 on 2nd Floor of Dharam

Palace, Huges Road, Bombay-7.

situated at Bombay
(and moe folly described in the Schedule annexed herto)
has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 8-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay fax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid ptrsons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which over period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

East side of the Flat No. 205 on 2nd Floor of Dharam Palace. Huges Road, Bombay-7, admeasuring about 632 Sq. ft. built-up.

The agreement has been registered by the Competent Palace, Huges Road, Bombay-7, admeasuring about 632 sq. ft, built up.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 5-3-1987

#### FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Jaywant Development Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Salma Islam & ors.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB, **BOMBAY** 

Bombay, the 10th March 1987

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

Ref. No. AR.IB/36/86-87.—Whereas, I,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1 on 14th floor in Jaywant Apartments at Dadarkur Compound, Tulsiwadi, Tardeo Road, Bombay-400 034 Compound, Tulsiw situated at Bombay Bombay-400 034

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14/7/1986

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 1 on 14th floor in Jaywant Apartments at Dandakar Compound, Tulsiwadi, Tardeo Road, Bombay-400 034.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10556/86-87 on 14/7/1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 195 (27 or 1957);

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10/3/1987

(1) Shri Brahm Dutt Sood.

(Transferor)

(2) Shri Deepak Jayantilal Mistry.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1987

Ref. No. AR-IB/37/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 37, Ground floor, Kala Bhavance Office Premises CHSL., Opera House, Bombay-400 004. situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Competent Authority at Bombay on 14-7-1987

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or either assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 37, Ground Floor, Kala Bhavance Office Premises CHSL., Opera House, Bombay-400 004.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10570/86-87 on 14-7-1986.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-HE DETROME

29---16GI /87

Date: 5-3-1987

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 10th March 1987

Ref. No. AR-1B/38/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Residential Flat No. 39, 1st floor, Milan, Tardeo Road,

Bombay-400 034. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 14-7-1987

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Vijayalaxmi Nanalal Kamdar & Ors. (Transferor)
- (2) Shri Mangaldas Lalji Bhavsar & Anr. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ed 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential Flat No. 39, 1st floor, Milan, Tardeo Road, Bombay-400 034.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10374 on 14-7-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IE, Bombay

Date : 10-3-1987

(1) Kappledutt Mahay & Others.

(Transferor)

(2) M/s. Shiva Suitings Limited.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE-IB** BOMBAY

Bombay, the 9th March 1987

Ref. No. AR-IB/40/86-87.—Whereas, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing Office No. 10 situated at 384-M, Kalbadevi Road, 3rd floor, Bombay-400.002.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Competent Authority at Bombay on 14-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersined :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 10 situated at 384-M, Kalbadevi Road, 3rd floor, Bombay-400 002.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/10580/86-87 on 14-7-1986.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 9-3-1987

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-1B, BOMBAY

Bombay, the 10th March 1987

Ref. No. AR-IB/41/86-87.-Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 66 in the Tardeo CHSL., 251, Tardeo Road,

Bombay-400 007.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Mr. Chandrakant Amritlal Mehta & Anr.

(Transferor)

(2) Mr. Yezdi Kekhasru Bhagwagar.

(Transferce)

Objetions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Flat No. 66 in the Tardeo Court Co-op. Hsg. Society Ltd., 251, Tardeo Road, Bombay-400 007.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10587/86-87 on 14-7-1986.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB, Bombay

Date: 10-3-1987

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1987

No. AR-/37EE/11976/86-87.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 1107A, 11th floor, Pancharatna CHSL, Mama Parmanand Road, Opera House situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 14-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the properly as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Pragnaben Pankaj Kothari.

(Transferor)

(2) Subhkaran Goenka.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal lhave the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1107 on 11th floor of Pancharatna Co-operative Housing Society Ltd., Mama Parmanand Road, Opera House, Bombay-400 004.

The agreement has been registered by the Competent

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10590-A on 14-7-1986.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-3-1987

- (1) Smt. Kamlaben Himatlal Snah.
- (Transferor)
- (2) Smt Sunita Kamal Jain.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1987

Ref. No. AR-1B/42/12183/86-87.—Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land ad., 185.62 sq. mts. with a building standing thereon bearing N.S. No. 7775 and C.S. No. 567 of Girgaon Division

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 14-7-1986 .

and /or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

(b) facilitating the concealent of any income or tany moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

of the transferor to pay tax under the said Act, by respect of any income arising from the transfer;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 186.62 sq. mts. with a building standing thereon bearing N.S. No. 7775 and C.S. No. 567 of Girgaon

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10588/86-87 on 14-7-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1987

Ref. No. AR-IB/38/12030/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office Premises No. 307, Yogeshwar, 3rd floor, 135/137.

Kazi Syed Street, situated at Bombay-3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 8-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the rurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1 Natwarlal alias Devidas B. Choksey, Shri Pradipkumar D. Choksey.

(Transferor)

(2) Mrs. Milan Narendra Patkar.

(Transferee)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Office Premises No. 307, Yogeshwar, 3rd floor, 135/137, Kazi Syed Street, Bombay-400 003.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10537/86-87 on 18-7-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB, Bombay

Date: 12-3-1987

Sen1:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1987

Ref. No. AR-IB/37EE/27/86-87.—Whereas, I,

NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,90,000/- and bearing C.S. No. 137C/74 & No. 137C/74 situated at Parel Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 160 hereto at 100 hereto 200 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at 10509 Bombay on 1-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Merwanji Ratanshaw Chamarbagwalla,

Mrs. Any Homi Damania and
 Mrs. Maneck Jahangir Gagrat.

(Transferor)

(2) 1. Iliyas Bholu Khatri,

Bholu Suleman Khatri,
 Amin Suleman Khatri,

Amin Suleman Khatri, Sabir Amin Khatri,

Noorjhan Amin Khatri.

6. Iliyas Ramzan Solanki,

Arif Iliyas Solanki, Mis Razia Iliyas Solanki,

9. Miss Halima Ramzan Solanki, 10. Salim Iliyas Solanki,

11. Mohd. Ismail J. Thim, 12. Abdul I ati Jf. Thim,

13. Altaf M. Ismail Thim.

14. Rafiq Abdul Latif Thim,

Maqbu Hbrahim Qureshi,

16. Raq Maqbul Qureshi,

Ayut Maqbul Qureshi,

18. Rushatam Maqbul Qureshi, 19. Salim Ahamed Jindram,

20. Sakeel Safi Jindram,

All carrying on business at : S. A. Jindram & Bros.

B-1/9, Khira Nagar, S. V. Road, Santacruz (West), Bombay-400 054.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground with the messuages tenaments and dwelling house standing thereon situated in the C.S. No. 137/4 (part) of Parel Sewri Division along with all that piece or parcel of land or ground with the messuages, tenements and garages thereon situated in C.S. No. 137C/74 of Parel Sewri Division and all that piece or parcel of land or ground with the messuages tenements and dwelling of land or ground with the messuages, tenements and dwelling house standing thereon situated in C.S. No. 137C/74 of Parel Sewri Division and which are described in detail in the three schedules of the agreement dated 16-4-1986 entered into by the parties to the transaction.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IB, Bombay

Date: 12-3-1987

Seal t

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1987

Ref. No. AR-1/5416/87-67-1B/44/86-87,—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.S. No. 3/1634 of Byculla Divn. situated at Motlibai Street (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 9-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

30—16 GI/87

(1) Karamchand P. Dodeja, Smt. Indravat K. Dodeja.

(Transferor)

(2) Abdul Gafoor Latiff and Mohmed Yunus Abdul Gaffoor.

(Transferce)

(4) Transferees.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom. 2222/80 and Registered on 9-7-1986 with the Sub-Registrar of Bombay and Property situated at 30, Motlibai Street, Plot No. 79, Scheme No. 11 Agripada West Estate, bearing C.S. No. 3/1634 of Byculla Division, admeasuring 1052 sq. yds. i.e, 879.60 sq. mts.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IB, Bombay

Date: 12-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1987

Ref. No. AR-I/5422/86-87-IB/45/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMFD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Haji Dliyas Haji Hussein and Hashar Haji Eliyas.

(Transferor)

(2) Mahiuddin Tayab Sony and Yasuf Abdulla Patel.

(Transferee)

(2) Tenants.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as Mentioned in the Registered Deed No. Bom. 2354/81 and Registered on 28-7-1986 with the Sub-Registrar of Bombay, and bearing Plot No. 85 of the Agripada Estate admeasuring 1091 sq. yds. i.e. 912.22 sq. mts. bearing C.S. No. 1/1880 of Byculla Division.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IB, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1987

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY-38**

Bombay-38, the 12th March 1987

Ref. No. File No. AR-II(Λ)/37EE/36841/86-87.—Whereus, I, A. BAIDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 601,Sea Castle, 7 Bunglows Rd., Versova, Andheri (West), Bombay-58 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 24-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facili ating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of be disclosed by the transferce for (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Dimple Enterprises.

(Transferor)

(2) Rizwana Tahanawala & Shaukat Thanawala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 601, 6th floor in the building known as 'Sea Castle' bearing plot No. 15, Survey No. 82, CTS No. 1291,

7 Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.
The Agreement has been Registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II(A)/37EE/36841/86-87 on 24-7-1986.

A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay-38

Dated: 12-3-1987

(1) M/s. Dimple Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. Farid Thanawala & Mrs. G. A. Thanawala.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE BOMBAY-38

Bombay-38, the 12th March 1987

Ref. No. File No. AR-II(A)/37EE/36840/86-87.—Whereas, I, A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 602, 6th floor in the Bldg known as Sea Castle, 7
Bunglows, Versova, Andheri, Bombay-58, situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 24-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquision of the said property

may be made in the writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning a- given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 602, 6th floor, 'Sen Castle', bearing Plot No. 15, Survey No. 82, C.T.S. No. 1291, 7 Bunglows Rd. Versova, Andheri (West), Bombay-58

The Agreement has been Registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II(A)/37FE/36840]/86-87 on 24-7-1986.

A. BAIDYA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II(A), Bombay-38

Dated: 12-3-1987

#### (1) M/s. K. R. Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Kalpana K. Shah & Mrs. Meeta D. Shah.

(Transferec)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE BOMBAY-38

Bombay-38, the 12th March 1987

Rcf. No. File No. AR-II(A)/37EE/35215/86-87.— Whereas, I, A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. I.CG,000/- and bearing Flat No. 201, Horizon View I, off Jai Prakash Rd., Versova, Andheri (West), Bombay 61 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Authority at

Bombay on 3-7-1986

for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been train stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 201, Horizon View-I, on Plot No. 70 of Survey Nos. 91A (Pt.) and 95A(Pt.), of Jai Prakash Road, Versova, Andheri (West), Bombay-61.

The Agreement has been Registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II(A)/37EE/35215/86-87 on 3-7-1986.

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II(A), Bombay-38

Dated: 12-3-1987

## FORM ITNS----

(1) M/s. K. R. Associates.

(Transferor)

(2) Mrs. Khestajan Masood Khan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43) OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE BOMBAY-38

Bombay, the 12th March 1987

Ref. No. AR.II(A)-37EE/36721/86-87.—Whereas, I,

A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 102, Horizon Views III, on plot No. 70 of Survey Nos. 91A (Part) and 96A (Part) Off, Jai Prakash Road, Versoa Andieri (West), Bombay-61 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transcreted and the

agreement is registered under section 269AB of the said Act

in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to helieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferer to pay text under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 102, Horizon View III, on Plot No. 70, of Survey Nos. 91A (Part) & 95A (Part), Off. Jai Prakash Road, Versova, Andheri (West), Bombay-61.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II(A)/37EE/36721/86-87 on 18-7-1986.

A. BAIDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

Date: 12-3-1987

(1) M/s, K, R, Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Shanta Gouri Shankarlal Bhatt & Mr. Shankarlal J. Bhatt.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOMETAX ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE BOMBAY-38

Bombay, the 12th March 1987

Ref. No. AR. II(A)/37EE/36838/86-87.—Whereas, I, A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 204. Horizon View I, on Plot No. 70 of S. Nos. 91A(Pt.) & 95A(Pt.) Off J.P. Road, Andheri (W), Bom-

bay-61 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 24-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Ojections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of rublication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Ait, in respert of any income arising from the transfer and/or

(b) failitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 204, Horizon View I, on Plot No. 70 of Survey Nos. 91A (Pt.) and 95A(Pt.) Off. Jai Prakash Road, Versova Andheri (West), Bombay-61.

The Agreement has been Registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.II(A)/37EF/36838/86-87 on 24-7-1986.

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 12-3-1987

#### FORM ITNS-

(1) M/s. K. R. Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Tulsidas T. Devnani, Mrs. Kishnibai T. Devnani & Mr. Kailash T. Devnani.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE
BOMBAY-38

Bombay, the 12th March 1987

AR.II(A)/37EE/36788/86-87.--Whereas, A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Flat No. 103, Horizon View I on Plot No. 70 of S. Nos. 91A(Pt.) & 95A(Pt.) Off. Jai Prakash Road, Versova, Andheri (West), Bombay-61 situated at Bombay (and more fully described in the schedule appeared hereto).

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

at Bombay on 18-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the appresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 103 in the bldg, known as Horizon situated on Plot No. 70 of Survey Nos. 91A(Pt.) & 95A(Pt.) Off. Jai Prakash Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400 061.

The Agreement has been Registered by the Competent Authority. Rombay under No. AR. II(A)/37EE/36788/86-87 on 18-7-1986.

A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay-38, the 12th March 1987

Ref. No. AR.II/(A)/37EE 35216/86-87.--Whereas, I,

A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 401, Horizon View-I Off. Jai Prakash Road, Versova, Andheri (W) Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Competent Authority at

Bombay on 3-7-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1977)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

31-16G1/87

(1) M/s K. R. Associates

(Transferor)

(2) Mr. Jaiprakash Murlidhar Somani Mrs. Pushpadevi Jaiprakash Somani Mr. Shiv Ratan Murlidhar Somani & Mr. Madan Mohan Jaiprakash Somani.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapetr XXA of he said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 401, Horizon View-I, on Plot No. 70 of Survey Nos. 91A (Pt.) & 95A (Part) · Off Jai Prakash Road, Versova, Andheri (West), Bombay-61.

The Agreement has been Registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II(A)/37FE/35216/86-87 on 3-7-1986

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II(A), Bombay

Dated: 12-3-1987

(1) M/s K. R. Associates

(Transferor)

(2) Mr. Nowshiravan Behmard Felfeli

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAÝ-38

Bombay-38, the 12th March 1987

Ref. No. AR.II(A)/37EE. 36594/86-87.—Whereas, I, A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 101, Horizon View III, Jai Prakash Road, Versova,

Andheri (West), Bombay-61

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 11-7-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 101, in the building known as Horizon View III situated on Plot No. 70 of Survey Nos. 91A (Pt.) & 95A (Pt.), Off Jai Prakash Rd. Versova, Andheri (West) Bombay-61.

The Agreement has been Registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II(A)/37EE. 36594/86-87 on 11-7-1986.

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II(A). Bombay

Dated: 12-3-1987

(1) Hiranandani Builders

(3) Transferors.

(Transferor)

(2) Mr. Surjit Singh Chadha

may be made in writing to the undersigned:

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAŶ-38

Bombay-38, the 12th March 1987

Ref. No. AR.II(A)/37EE. 36779/86-87.—Whereas, I, A. BAIDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 502A & 502B, Hiranandani Complex, Andheri(W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-7-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(Person in occupation of the property)

(b) by any other person interested in the said im-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

## THE SCHEDULE

Flat No. 502A & 502B on the 5th floor in Cosmos 'A' Wing at Hiranandani Complex, Oshiwara, 4 Bunglows, Andheri (W), Bombay-58.

The Agreement has been Registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II(A)/37EE 36779/86-87 ол 18-7-86.

> A. BAIDYA Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range- $\Pi(A)$ , Bombay

Dated: 12-3-1987

(1) Rajendrakumar Agarwai

(Transferor)

(2) Govind V Shetye & J. H. Banker

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (3) Tenants

(Person in occupation of the property)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay-38, the 12th March 1987

Ref. No. AR.II(A)/37EE 37013/86-87.—Whereas, I, A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Lease hold land bearing S. No. 24, H. No. 1 with structure 'F' & 'C' Agarwal Industrial Estate, S. V. Road, Jogeshwari (West), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than flifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Leasehold property bearing Survey No. 24, H. No. 1, with structures 'F' & 'C' standing thereon of building 'F' & 77.50 sq. ft. of plinth area of Bldg. 'C' of Agarwal Industrial Estate, S. V. Road, Jogeshwari (West), Bombay.

The Agreement has been Registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II(A). 37EE. 37013/86-87

A. BAIDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II(A).
Bombay

Dated: 12-3-1987

## FORM ITNS-

- (1) The Central Bank Executor & Trustee Co. .
  (Transferor)
- (2) Mr. Navîn H. Somaiya

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI(A), CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay-38, the 12th March 1987

Ref. No. AR.II(A)/37EE/36743/86-87. Whereas, I A. BAIDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act') have reason to believe that the improvable property, having a fair market value exceeding Rs. 100.000/- and bearing

movuble property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Hermione House at S. V. Road, Andheri (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-7-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atorquaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said to consider of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Sald Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Hermione House at S. V. Road, Andheri (West), Bombay land with building C.T.S. Nos. 460, 461, 461/1 to 461/11 1233.

The Agreement has been Registered by the Competent Authority, Bombay under No.  $AR.\Pi/37E\Gamma/36743/86-87$  on 18 7 86.

A. BAIDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II(A),
Bombay

New, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section \$69D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 12-3-1987

Seal ;

(1) M/s. Ramlal & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Naseem Kabiruddin Kazi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay-38, the 12th March 1987

Ref. No. AR.II(A)/37EE/36271/86-87.--Whereas, I, A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 301 & 302 3rd floor, Prerna Building, Oshiwara,

Versova, Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to he following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 301 & 302, 3rd floor, Prerna Building, Oshiwara, Versova, Bombay-400 058.

The Agreement has been Registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II(A)/37EE. 36271/86-87 on 4-7-1986.

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II(A), Bombay

Dated: 12-3-1987

#### FORM I.T.N.S .-

(1) Shri Kishan Gopal Khaitan

(Transferor)

(2) M/s Sangat Singh & Co.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay-38, the 12th March 1987

Ref. No. File No. AR.II(A)/37EE/36382/86-87.—Whereas, I, A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Ircome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/-and bearing
Compartment No. 60 of Marol Industrial Estate Ltd., Marol
Naka, Andheri (E), Bombay situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the said Act in the Office of the Competent
Authority at Bombay on 4-7-1986
for an apparent consideration which is less than the fair

Authority at Bombay on 4-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Compartment No. 60 of Marol Industrial Estate Ltd., Marol Naka, Andheri (East), Bombay.

The Agreement has been Registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II(A)/37EE/36382/86-87 on 4-7-1986.

A. BAIDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II(A), Bombay

Date: 12-3-1987

## FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Fibre Foils Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Zenith Computers Ltd.

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAY

Bombay-38, the 12th March 1987

File No. AR.II/37EE 36523/86-87.—Whereas, I, A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. A-6 MIDC, Andheri (East), Bombay-93 alongwith the Industrial structure thereon situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. A-6 MIDC, Andheri (E) Bombay-93 alongwith the Industrial Structure thereon.

The Agreement has been Registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II(A)/37EE/36523/86-87 on 11-7-1986.

A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II(A), Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-3-1987

Soal:

- (1) M/s Gear Master Engg. Corporation
- (2) M/s Purnima Sushil & Others

(Transferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAY

Bombay-38, the 12th March 1987

File No. AR.II(A)/37EE/36761/86-87.—Whereas, I,

A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereimafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 13, Ground floor, Sarvodya Industrial Estate Oil. Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay-93 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on

Authority at Bombay on

18-7-1986

18-7-1986
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this potice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Unit No. 13, Ground floor, Sarvodya Industrial Estate, Off. Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay-93.

The Agreement has been Registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II(A)/37EE/36761/86-87 on 18-7-1986.

A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II(A), Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following parson: 12 16 CO 197 32---16 GI/87

. Date : 12-3-1987

## FORM I.T.N.S.—

## NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay-38, the 12th March 1987

File No. AR.II(A) 37EE/36810/86-87.—Whereas, I. A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Res. 100,0000, and beginn

roperty having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. A-33 in the Marol Industrial Area Village Mulcaon,
Andheri (East), Bombay, togetherwith structure standing
thereon situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Bharken Rubber Works Private Ltd. (Transferor)
- (2) Manharlal Kalidas Sayani

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

(4) Maharashtra Industrial Development Corporation
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece of land known as plot No. A-33 in the Marol Industrial Area Village Muleaon, Taluka Andheri District Bombay Suburban District admeasuring 1000 sq. meters or thereabouts togetherwith the structure standing thereon.

The Agreement has been Registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR, II(A)/37EP 36810/86-87 on 18-7-1986.

A. BAIDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II(A), Bombay

Date: 12-3-1987

\_\_\_\_\_

#### FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAY

Bombay-38, the 12th March 1987

File No. AR.II(A)/37EE/36701/86-87.—Whereas, I. A. BALDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. 57 H. No. 5 (Part) CTS No. 13-38

Village Mulgaon, Andheri (East), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on Plot bearingS. No. 57, H. No. 5 (Part) CTS No. 13-38.

18-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from thetransfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Trimurti Films Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M's Union Development Corporation

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot bearing Survey No. 57, Hissa No. 5(Pait), C.T.S. No. 13-38 Village Mulgaon, Mahakali Caves Road, Andheri (Fast), Bombay.

The Agreement has been Registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II(A)/36701/86-87 on 18-7-1986.

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II(A), Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, Iberely initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISOF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAY

Bombay-38, the 12th March 1987

File No. AR.H(A) 37EE/36518/86-87.—Whereas, I, A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

Unit No. 10, Keytuo Industrial Estate at Kondivita Village

Rd., Off Andheri Kurla Road Road, Andheri (East), Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from thetransfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, Ihereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mitadil Industries(2) Shamsunder K. Ahuja

(Transferor)

(3) M/s Sumer Enterprises

(Transferee)

(Person in occupation of the property)
Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Unit No. 10 on the ground floor in Keytuo Industrial Estate at Kondivita, Village Road, Off Andheri Kurla Road, Andheri (E), Bombay-59.

The Agreement has been Registered by the Competent hority, Bombay under No. AR-II(A)/36518/86-87 on 11-7-86.

A. BAIDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II(A), Bombay

Date: 12-3-1987

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-IL CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay, the 12th March 1987

Ref. No. AR. II (A)/37EE/37066/86-87.—Whereas, I. A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov able property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing S. No 153, CS No. 1332 of Versova, Andheri (W), Fombay, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 28-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) M/s. Khatri & Khatri.
- (Transferor)
- (2) M/s. Natasha Constructions Pvt. Ltd.

(Transferee)

- (3) Transferors.
- (Person in occupation of the property)
- (4) Transferors. (Person whom the under signed knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property at Versova, Taluka Andheri, bearing N. A. Survey No. 153 New City Survey No. 1332 of Versova, Andheri (W),

The agreement has been Registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II (A)/37EE/37066/86-87 on 28-7-1986.

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11, Bombay

Date: 12-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE: II. CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay, the 12th March 1987

Ref. No. AR. II (A) /37EE/36927/86-87.---Whereas, I, A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,0000/- and bearing Plot No. 79, CTS No. 368/279, at Village Mogra, Andheri.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 25-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of rae liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. andlor
- the facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Weslth-tax Ast, 1957 (27 of 1997);

(1) M/s. Jaycee Construction Co.

(Transferor)

- (2) M/s. C. K. Builders & Developers.
- (3) Transferee.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)
(4) Shere-E-Punjab Co. op. Hsg. Society.
(Person whom the under signed knows to be

interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground of duly subdivided plot bearing plot No. 79 CTS No. 368/279 admeasuring 500 sq. yds. situate at Village Mogra, Taluka Andheri. The agreement has been Registered by the Competent Authority rity, Bombay under No. AR. II (A)/37EI /36927/86-87 on 25-7-1986.

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-3-1987

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

SOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE II, CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay, the 12th March 1987

Ref. No. AR. II (A)/37EF/36872/86-87.—Whereas, I. A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. CTS No. 219, S. No. 5, H. No. 1, S. V. Road, Jogeshwari,

Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 24-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any measures or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, \$42% (i.e. of 1922) or the said Act, or the Wealth-ts: Act 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this notice under subsection (1) or Section 2690 of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Paper Mill Plant & Machinery Manufacturers Co.

(Transferor)

(2) Jamnadas Mohanlal Choksi & 4 others.

(Transferee) (3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property bearing CTS No. 219, S. No. 5, H. No. 1, of Bandivali Village at S. V. Road, Jogeshwari, Bombay.

The agreement has been Registered by the Competent Authorities.

rity, Bombay. under No. AR. II (A)/37E/36872/86-87 on 24-7-1986.

A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Pate: 12-3-1987

(1) M/s. Ganesh Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Arihant Associates.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 12th March 1987

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires inter:

Ref. No. AR-IV/37EE/30858/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovative property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 /- and bearing No.

Piece or parcel of land survey No. 99, Hissa No. 1, C. T. S.

No. 1518, Village Eksar Taluka Borivli, Bombay situated at Bombay

has been transferred and the registered under the Registration has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1st July, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of ....

transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and was assisted upon berain are defined in Chapter and we have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

### THE SCHEDULE

Piece or parcel of land survey No. 99, Hissa No. 1, C. T. S. No. 1518 Village Eksar, Taluka Borivli, Bombay. The agreement has been Registered by the Competent Authority, Bombay 1st July, 1986. under No. AR-IV/37EE/30858/85-86 on

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 12-3-1987

-----

### FORM ITNS-

(1) Shri B. Bhatnagar & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bhatnagar & Associates.

· (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 12th March 1987

Ref. No. AR-IV/37EE/30619/85-86.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot and structure built on in bearing C. T. S. No. 113, S. No. 65 (Pt) and 70 (pt), plot No. 75, Village Pahadi, Taluka Borivli, Borivli (W), Bombay, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1st July, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given is that Chapter

### THE SCHEDULE

Plot and structure built on it bearing C. T.S. No. 113, S. No. 65 (pt) and 70 (pt) plot No. 75. Village Pahadi, Taluka Borivli, Bombay.

The agreement has been Registered by the Competent Autho-y, Bombay under No. AR-IV/37EE/30619/85-86 on rity, Bombay 1st July, 1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to be following persons, namely :-33—16 GI /87

Date: 12-3-1987

## FORM ITNS --- -

- (1) Ramesh Construction Co. (Bombay).
- (Transferor)
- (2) Rekha Kishor Shah & K. D. Shah.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1987

Ref. No. AR-IV/37EE/30547/85-86.—Whereas, I,

1.AXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Row House No. 10, plot No. 7, Mulji Nagar, S. V. Road, Borivli, Bombay.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1st July, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period at 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person instead in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Row House No. 10, plot No. 7, Mulji Nagar, S. V. Road, Borivli, Bombay,

The agreement has been Registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/30547/85-86 on 1st July, 1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the sand Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-3-1987

Seal .

(1) Shri B. Bhatnagar & Ors.

(Transferor)

(2) M/s Arihant Constructions

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1987

Ref. No. ARIV/37EE/30859/85-86.—Whereas. I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot and structure built on it bearing C.T.S. No. 113, S. C.T.S. No. 2374 and 2376 village Dahisar, Ta'uka Borivli, Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPENDITURE:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given. in the Chapter

### THE SCHEDULE

Piece of parcel of land bearing S. No. 190, Hissa No. 1, C.T.S. No. 2374 and 2376 village Dahisar, Taluka Borivli,

agreement has been

Authority, Bombay under on 1st July, 86.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV

registered by the Competent No. ARIV/37EE/30859/85-86

Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said ct, to the following persons, namely:-

Date: 12-3-1987

Seal:

Bombay.

The

(1) M/s Jayraj Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Correa Construction Co.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1987

Ref. No. ARIV/37EE/32795/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, theing the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No.

All that piece or parcel of vacant land or ground lying, being and situated at village Borivli. Taluka Borivli, Bombav Suburban Distruct in Registration District and Sub-District of Borrhay City and Bombay Suburban containing by admeasurement 2208 sq. metres equivalent to 2643.7 sq. yards bearing S. No. 39 (pt) Hissa No. 6 (pt), C.T.S. No. 267 (pt). 267 (pt).

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the ereduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any shomeys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of tre said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of vacant land or ground lying, being and situate at Village Borivli, Taluka Borvli, Bombay Suburban District in Registration District and Sub-District of Bombay City and Bombay Suburban containing by admeasurement 2208 sq. metres equivalent to 2643.7 sq. yards bearing S. No 39 (pt) Hissa No. 6 (pt). C.T.S. No. 267 (ct.) 267 (pt.).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/32795/85-86 on 1st July, 86.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-3-1987

- (1) M/s Kaushik Associates
- (Transferor)
- (2) M/s Ajib Investments Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1987

Ref. ARIV/37EE/32787/85-86.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

as the 'taid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs., 1,00,000/- and bearing No. Sub-Development rights in respect of Plot No. 5, S. No. 161, Hissa No. 2(pt) C.T.S. No. 2802, adm. 500 sq. yds. at Village Eksar with structure standing thereon situated in Taluka Borivli, Bombay situated at Bombay

fand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-7-1986
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestial exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).
- Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Sub-Development rights in respect of plot No. 5, Survey No. 164, Hissa No. 2(pt) C.T.S. No. 2802, adm. 500 sq. 3ds, at Village Eksar, with structure standing thereon situated in Taluka Borivli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/32787/85-86 on 1st July, 86.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay,

Date: 12-9-1987

- (1) M/s. Shreeji Builders.
- (Transferor)
- (2) Mrs. Lalitaben D Hirani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th March 1987

Ref. No. ARIV/37EE/30851/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

DAMMAN DAS, one in the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the imnevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 1 of 448 sq. ft. built up area and basement of 224 sq. ft. built up area in building Shree Giriraj Shopping Centre under construction on S. No. 110. H. No. 1, C.T.S.

Shop No. 1 of 448 sq. ft. built up area and basement of 224 sq. ft. built up area in building Shree Giriraj Shopping Centre under construction on S. No. 110, H. No. 1, C.TS. No. 68 and 69 (1) to (9), Malad North, Municipal B-Ward No. 1071/1075 Street No. 179, 181, A/1, 180, 181 and 188.\(\chi,\) S. V. Road, Opp. Purekh Lanc, Kandivli (W), Bombay 400067.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect the percent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 1 of 448 sq. ft. built up area and basement of 224 sq. ft. built up area in building Shree Giriraj Shopping Centre under construction on S. No. 110, H. No. 1, C.T.S. No. 68 and 69 (1) to (9), Malad North, Municipal B-Ward No. 1071/1075 Street No. 179, 181, A/1, 180, 181 and 188A, S. V. Road, Opp. Parekh Lane, Kandivli (W), Bombay-400067.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/30851/85-86 on 1st July, 86.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay.

Date: 12-3-1987

#### (1) Shri Ramesh H. Ramani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Romakant Shankar Likhite Smt. Snehlata Ramakant Likhite Shri Mahandra R. Likhite

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY-400 020

Bombay, the 10th March 1987

Ref. No. A.R. 11B/37EE/37064/36941[37163]86-87.—Whereas, I. M. S. RAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 8.4. Martin Nest CHS Ltd. Central Avenue, Santacruz (W) Bombay-54. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-7-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): THE SCHEDULE

Flat No. 801, Martin's Nest CHS Ltd. Central Avenue, Santacruz (W) Bombay-54.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. IIB/37FE/37064/36941/37163/86-87 on 25-7-1986.

M. S. RAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-IIB, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persona, namely :-

Date: 10-3-1987

(1) Smt. Meera Y. Kelkar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rewa Chand N. Khushalani Shri Harish R. Khushulani

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IJ,
BOMBAY-400 020

Bombay, the 10th March 1987

Ref. No A.R.II/37EE/36619 & 36672/86-87.— Whereas, I, M. S. RAI,

whereas, I. M. S. RAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 19, Nugget C.H.S. Ltd., 18th Road, Chitrakar Dhurandhar Road, Khar. situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 14-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if easy, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a paried of 45 days from the date of publication of tale notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preparty, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

Flat No. 19, Nugget C.H.S. Ltd. 18th Road Chitrakar Dhurandhar Road, Khar (W).

Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay ander No. AR II/37EE/36672 & 36619/86-87 on 14-7-1986.

(b facilitating the concentrated any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

M. S. RAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II B, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-3-1987

(1) Mr. Suresh T. Jadhwani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Atmaram P Tahilraman! Mr. Lalchand Atmaram Tahilramani.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay the 10th March 1987

Ref. No AR.II-B/37FF/36733& 36807/86 87 — Whoreas, I, M. S. RAO.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. . . 01, Holy Hock CHS Ltd. Indranarayan Lane, Santacruz (W), Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andle:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Flat No. 601, Holy Fock CHS Ltd. Indranarayan Lane Santacruz (W), Bombay-54.

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.II-B /37EE/36733 & 36807/ 86-87 on 18-7-1986.

> M. S. RAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-3-1987

Scal:

1. Paramount Builders

(Transferor)

2. Paramount Jadhwani Associates

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th March 1987

Ref. No. AE.IIB/37EE/36934/86-87.-Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot of land Bearing No. 719, S.S.VI, Khar, cityated at Bearbay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair barket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Siction 269D of the said Act, to the following persons process. ing persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land bearing No. 719 of S.S.VII, Govind Patil Road Khar (W).

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/36934 86-87 25-7-86.

> M. S. RAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Bombay.

Dated: 11-3-87

(1) M/s. Sippy Associates.

(Transferor)

(2) Mrs. Padma Murlidhar.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II ROOM NO. 560, 5TH FLOOR, AAYAKAR BHAVAN MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 10th March 1987

Ref. No. AR.11B/37EE/35247/86-87.—Whereas, I, M. S. RAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 402, Anna Apartments, 14, Main Avenue, Santacruz (W), Bombay-54 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-7-1986

for an apparent consideration which is elss than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of be disclosed by the transferce for (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 402, Anna Apartments, 14, Main Avenue, Santacruz (W), Bombay-54.

The Agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under No. AR.II/37EE/35247. 86-87 Authority, B on 3/7/1986,

> M. S. PAI Competnt Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income par Acquisition Range-IIB, Poin 17

Date: 10/3/1987

M/s. R. N. A. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Shri Sunil Kumar Rai.

(Transferce)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II ROOM NO. 560, 5TH FLOOR, AAYAKAR BHAVAN MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 10th March 1987

Ref. No. AR.IIB/37EE/36280/86-87.--Whereas, I, M. S. RAI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,0000/- and bearing Flat No. B-63, 6th Floor, Narendra Apartment, Khar Danda,

Bombay-52 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the

at Bombay on 4-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or hte Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Flat No. B-63, 6th Floor, Narendra Apartments, Khar Danda, Bombay-52.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bo 87 on 4/7/86. Bombay under No. AR.IIB/37EE/36280/86-

> M. S. RAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIB, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10/3/1987

#### FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 13th March 1987

Ref. No. Raj./IAC/(Acq.)/2706.—
Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Agrl. land situated at Jaipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Jaipur on 3rd July 1986
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen pur cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Bhim Singh S/o Thakur Indar Singh Rajput R/o New Mandawa House, Sansar Chandra Road, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Chandrabhan Sharma S/o Shri Bhura Malji Joshi Plot No. 74-D, Ghiya Bhawan, Ghiya Marg, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovale property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agrl, Land situated at Todi Ramjanpura The. Sanganer more fully described in the conveyance deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur at S. No. 2123 dated 3rd July, 1986

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jaipur

Date: 13-3-1987

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

#### NOTICE

GRADE-I (UNDER SECRETARY) LIMITED DEPART-MENTAL COMPETITIVE EXAMINATION FOR SCHE-DULED CASTE/SCHEDULED TRIBE CANDIDATES 1987

### New Delhi, the 11th April 1987

No. F.25/1/87-E.1(B).—A combined limited departmental competitive examination for additions in the Select Lists for Grade-I of the Services mentioned in Para 2 below against vacancies reserved for Scheduled Castes and Scheduled Tribes Cundidates will be held by the Union Public Service Commission commencing on 15th September, 1987 at BOMBAY, CALCUTTA, DELHI, MADRAS, NAGPUR and at Selected Indian Missions abroad in accordance with the Rules published by the Degartment of Personnel and Training in the Gazette of India dated 11th April, 1987.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED-ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME-TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure Para 7 below).

2. The Services to which recruitment is to be made on the results of the examination and the approximate number of vacancies in those Services are given below:—

#### Category-I

Grade-I of the Central Secretariat Service,-14 (The break-up of SCs and STs not intimated by Government)

#### Category-II

Grade-I of the General Cadre of the Indian Foreign Service, Brauch 'B': 5 (3 for SC and 2 for ST candidates)

The above number is liable to alteration.

- 3. Candidates must indicate clearly in their applications the Category for which they are competing.
- 4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, through the attached form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011.
- Note:—Candidates are warned that they must submit their applications on the enclosed form prescribed for the Grade-I (Under Secretary) Limited Departmental Competitive Examination for Scheduled Caste/Scheduled Tribe Candidates, 1987. Application Forms other than the one prescribed for the Grade-I (Under Secretary) Limited Departmental Competitive Examination for Scheduled Caste/Scheduled Tribe Candidates, 1987 will not be entertained.
- 5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 on or before the 8th June, 1987 (22nd June, 1987 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 8th June, 1987 accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pladesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 8th June, 1987.

Note: —Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

D. P. ROY
Dy. Secy.
Union Public Service Commission

### ANNEXURE

#### Instructions to Candidates

1. Before filling in the application form, the candidates should consult the Notice and the Rules carefully, to see if they are cligible.

The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

Candidate should note that no request for change of Centre will normally be granted. When a candidate, however desires a change in Centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by Registered Post, giving full justification as to why he desires at change in Centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 17th August, 1987 will not be entertained under any circumstances.

A candidate who wishes to take the examination at an Indian Mission abroad must state in the order of his choice, two other Indian Missions (in countries other than the country in which he may be stationed) as alternative Centres. He may at the discretion of the Commission, be required to appear at any one of the three Missions indicated by him

2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball point pen. An application which is incomplete or is wrongly filled in will be rejected.

Candidates should note that only International Form of Indian Numerals are to be used while filling up the application form. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidate will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should therefore, take special care to fill up the application form correctly.

A candidate must submit his application through the Head of his Department or Head of Office concerned, who

will verify the relevant entries and complete the endorsement at the end of the application form and forward it to the Commission.

- 3. A candidate must send the following documents with his application:—
  - (i) Two identical copies of recent passport size (5 cms. × 7 cms. approx.) photograph of the candidate, one pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.
  - (ii) Two self-addressed unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms.  $\times$  27.5 cms.
  - (iii) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled in.
- 4. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.
- 5. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso-facto* make the receiver cligible for admission to the examination.
- 6. Every application received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration Number is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement. .

The fact that the Application Registration Number has been issued to the candidates does not, *lpso-fucto* mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

7. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from Union Public Service Commission a communication regarding result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

- this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 8. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Public Service Commission for attending the examination.
- 9. Communications Regarding Application—ALL COM-MUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY. UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARI-ABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—
  - (i) NAME OF EXAMINATION.
  - (ii) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
  - (iii) APPLICATION REGISTRATION NUMBER/
    ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF
    CANDIDATE, IF THE APPLICATION REGISTRATION NUMBER/ROLL NUMBER HAS
    NOT BEEN COMMUNICATED.
  - (iv) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS)
  - (v) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN THE APPLI-CATION.
  - N.B (i):—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.
  - N.B. (ii):—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.
- 10. Change in Address—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY, CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 9 ABOVE ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES. THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

